हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

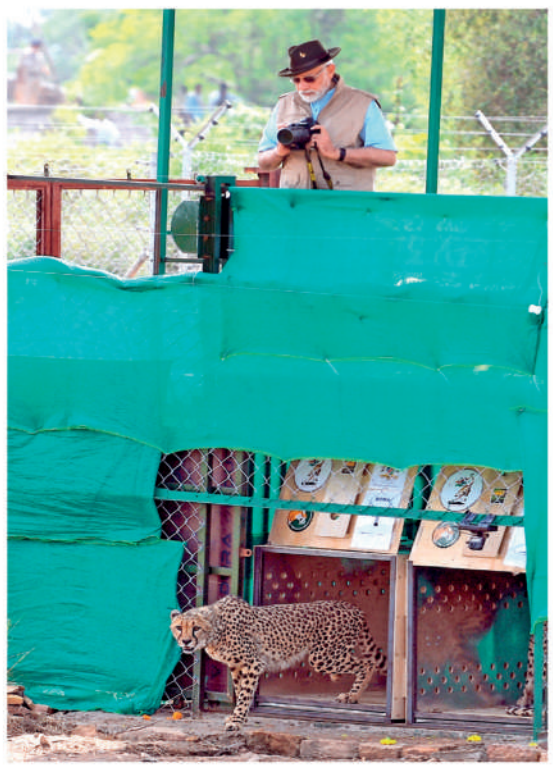
haribhoomi.com भोपाल, शुक्रवार 2 अक्टूबर 2026

प्रोजेक्ट चीता- 2022 — 2026 वनों की विरासत से विकास की गौरव गाथा

भारत के वनों में चीते फिर भरने लगे फर्राटे



कूनो से गांधी सागर तक चीतों की ऐतिहासिक वापसी: सफल प्रजनन और प्राकृतिक अनुकूलन की कहानी



भोपाल: कभी भारतीय जंगलों से विलुप्त हो चुका चीता अब फिर अपनी पहचान बना रहा है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से आए आठ चीतों के साथ शुरू हुई ऐतिहासिक यात्रा अब पुनर्स्थापना, अनुकूलन, प्रजनन और विस्तार के महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर चुकी है।

आज भारत में 55 चीते हैं। इनमें 51 कूनो नेशनल पार्क और 4 गांधी सागर अभयारण्य में हैं। इनमें से 36 भारत में जन्मे हैं। यानी प्रोजेक्ट चीता अब केवल विदेशों से चीते लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की धरती पर नई पीढ़ी विकसित हो रही है।

एक ऐतिहासिक संकल्प से शुरू हुई वापसी

17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए 8 चीतों, 5 मादा और 3 नर, को कूनो के क्वारंटीन बाड़ों में छोड़ा। इसके साथ भारत में चीते की वापसी का ऐतिहासिक अध्याय शुरू हुआ।

दूसरे चरण में 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो पहुंचे। यह दुनिया के पहले अंतरमहाद्वीपीय बड़े मांसाहारी जीव स्थानांतरण अभियानों में शामिल ऐतिहासिक पहल बनी। शुरुआती चुनौतियों से सीखते हुए प्रबंधन ने रणनीति में बदलाव किया और अभियान आगे बढ़ा।

आत्मनिर्भर चीता आबादी नया लक्ष्य

सरकार का लक्ष्य 2032 तक 60 से 70 चीतों की आत्मनिर्भर आबादी और करीब 17,000 वर्ग किलोमीटर के पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना है। कूनो, गांधी सागर और अन्य उपयुक्त पर्यावासों में चीता भारत की वन पारिस्थितिकी का अभिन्न हिस्सा बने, यही लक्ष्य है।

गुजरात के बन्नी घास के मैदानों में संरक्षण प्रजनन केंद्र स्थापित करने की भी योजना है।

फिर दौड़ रहा है भारत का चीता

चार साल बाद विदेशी धरती से आए चीतों की संतानों ने भारत को अपना घर बना लिया है। शावक जन्म ले रहे हैं और दूसरी पीढ़ी विकसित हो रही है। भारत में जन्मी मादा चीता 'मुखी' खुद मां बन चुकी है और चीतों को नए पर्यावासों तक विस्तार दिया जा रहा है।

प्रोजेक्ट चीता केवल वन्यजीव पुनर्स्थापना नहीं, बल्कि जैव विविधता को समृद्ध करने, प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए वन्यजीवों का भविष्य सुरक्षित करने के भारत के संकल्प की कहानी है।

कूनो की धरती पर अब केवल चीते नहीं दौड़ रहे, दौड़ रहा है भारत के वन्यजीव संरक्षण का नया आत्मविश्वास।

कूनो बना चीतों का घर और प्रकृति प्रजनन का केंद्र

कूनो में जन्मे शावकों ने भारतीय परिस्थितियों में चीतों के अनुकूलन को साबित किया। ज्वाला ने 29 मार्च 2023 को आशा, ज्वाला, गामिनी, वीरा, निर्वा और अन्य मादा चीताओं ने लगातार शावकों को जन्म दिया।

2023 से 2026 के बीच कूनो में कुल 23 शावक जन्मे जो स्वस्थ हैं। यह भारतीय जलवायु, उपलब्ध शिकार प्रजातियों और प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूलन का महत्वपूर्ण संकेत है।

'मुखी'—भारत में जन्मी, भारत में ही बनी मां

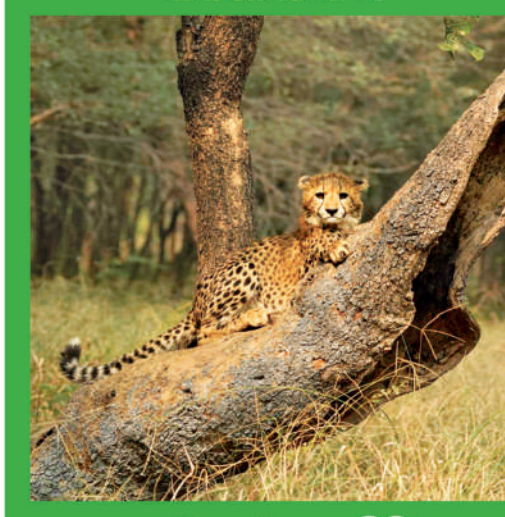
ज्वाला 29 मार्च 2023 को नामीबिया से आई थी। उसके चार शावकों में मुखी भी थी, जिसका जन्म भारत में हुआ। शुरुआती कठिन परिस्थितियों से बचने के बाद पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की देखभाल से मुखी स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनी।

नवंबर 2025 में केवल 33 महीने की उम्र में मुखी ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। यह पहली बार था जब भारत में जन्मी किसी मादा चीता ने भारतीय धरती पर प्राकृतिक रूप से प्रजनन किया। इससे प्रोजेक्ट चीता पुनर्स्थापना से आगे बढ़कर स्थानीय आबादी तैयार करने की दिशा में पहुंचा।





- भारत में कुल चीते: 55
- भारत में जन्मे: 36
- कूनो में: 51
- गांधी सागर में: 4



- अफ्रीका से आए: 29
- नामीबिया से: 8
- दक्षिण अफ्रीका से: 12
- बोत्सवाना से: 9

भारत में वर्तमान में 16 नर चीते, 16 मादा और 23 शावक हैं

चार साल की यात्रा: संघर्ष से पुनर्स्थापना तक

प्रथम वर्ष—कठिनाइयों से सीख

नए पर्यावास में वन्यजीवों को बसाना लगातार सीखने और परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बदलने की प्रक्रिया रही।

द्वितीय वर्ष—प्रजनन की खुशी

भारत में जन्मी नई पीढ़ी के शावकों का जीवित रहना निर्णायक पड़ाव बना।

तृतीय वर्ष—जंगल की ओर वापसी

चीतों को खुले वन क्षेत्रों में छोड़ा गया। उन्होंने विस्तृत अंतरराज्यीय परिदृश्य में नए क्षेत्र अपनाए और प्राकृतिक अनुकूलन दिखाया।

चतुर्थ वर्ष—स्थापना और विस्तार

चीतों ने नए पारिस्थितिकी तंत्र में प्राकृतिक व्यवहार दिखाया। कूनो से आगे गांधी सागर और अन्य संभावित पर्यावासों की ओर विस्तार की दिशा में कदम बढ़े।

जंगल की ओर लौटते फर्राटे

चीतों को सुरक्षित बाड़ों से बाहर निकालकर खुले जंगल में स्वतंत्र जीवन के लिए तैयार किया गया। चार वर्षों में चीतों को वन क्षेत्रों में छोड़ा गया और 12 जिलों में फैले अंतरराज्यीय परिदृश्य में चौबीसों घंटे निगरानी की गई।

जून 2026 में मादा निर्वा और उसके 13 महीने के तीन शावकों को कूनो नेशनल पार्क के जंगल में छोड़ा गया। इसके बाद खुले जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले चीतों की संख्या 20 हो गई।

रेडियो टेलीमेट्री और समर्पित फील्ड टीमों से लगातार निगरानी की जा रही है।

कूनो से गांधी सागर—एक नहीं, अब कई सुरक्षित ठिकाने

चीता आबादी बढ़ने के साथ नए पर्यावास विकसित किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश ने गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य को चीतों के दूसरे घर के रूप में विकसित किया।

20 अप्रैल 2025 को दो नर चीते, प्रवास और पावक, कूनो से गांधी सागर ले जाकर छोड़े गए। इसके बाद 17 सितंबर 2025 को मादा चीता धीरा को भी वहां स्थानांतरित किया गया। 19 सितंबर को मादा चीता राधा को गांधी सागर अभयारण्य में विमुक्त किया गया। यह विस्तार भारत में व्यापक और दीर्घकालिक चीता मेटापॉपुलेशन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

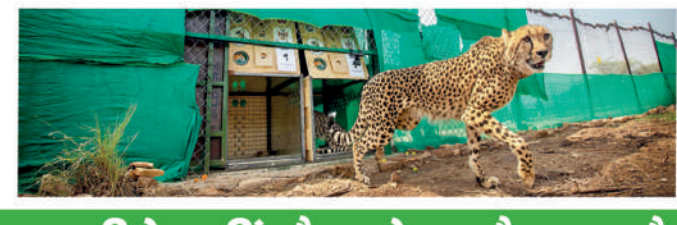
संरक्षण के साथ रोजगार और ईको-टूरिज्म

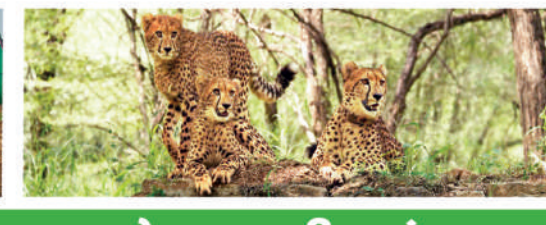
कूनो और चंबल क्षेत्र में बढ़ती वन्यजीव गतिविधियों से ईको-टूरिज्म की संभावनाएं बढ़ी हैं। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर बने हैं। प्रोजेक्ट ने स्थानीय समुदायों को संरक्षण से जोड़ा है। 450 से अधिक 'चीता मित्र' बनाए गए हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों के साथ वन आधारित आजीविका और सामुदायिक भागीदारी को नई दिशा मिली है।

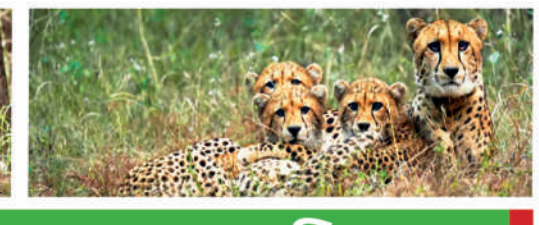
विज्ञान, तकनीक और समर्पित टीम—सुरक्षा की मजबूत ढाल

चीतों की निगरानी में रेडियो ट्रैकिंग, ड्रोन, रेडियो टेलीमेट्री और समर्पित फील्ड टीमें इस्तेमाल की जा रही हैं। इनके जरिए चीतों के स्वास्थ्य, गतिविधियों, व्यवहार और पर्यावास में अनुकूलन पर लगातार नजर रखी जाती है।

वैज्ञानिक निगरानी भारत में चीता संरक्षण के लिए विकसित हो रहे ज्ञान और अनुभव की मजबूत नींव है।





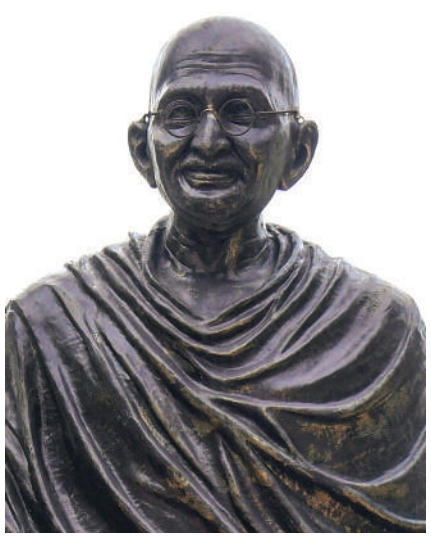


कूनो की धरती पर अब केवल चीते नहीं दौड़ रहे—दौड़ रहा है भारत के वन्यजीव संरक्षण का नया आत्मविश्वास।

D-11129/26

विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्राम सभाओं से लेकर महिला स्व-सहायता समूहों तक होगी सहभागिता

गांधी जयंती से प्रदेशभर में मनाया जाएगा 'मद्य निषेध सप्ताह' जन-जागरुकता के साथ नशामुक्ति की दिलाई जाएगी शपथ



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में 2 से 8 अक्टूबर तक 'मद्य निषेध सप्ताह' मनाया जाएगा।

सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में नशामुक्ति रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, ग्राम सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ऑनलाइन शपथ सहित विभिन्न जन-जागरुकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग आयुक्त केजी तिवारी ने सभी कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त एवं उप संचालकों को सप्ताह के आयोजन के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। कार्यक्रमों में विभाग से मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, आध्यात्मिक संस्थाओं तथा नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। मद्य निषेध सप्ताह का प्रमुख उद्देश्य समाज में बढ़ती मद्यपान की प्रवृत्ति तथा नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों को जागरूक करना है। सप्ताह के दौरान स्कूलों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों सहित विभिन्न वर्गों को 'नशा न करेंगे, न करने देंगे' की शपथ भी दिलाई जाएगी।

नशामुक्ति रैली और प्रदर्शनी आज

महात्मा गांधी जयंती पर शुक्रवार को नशामुक्ति के लिए जन-जागरुकता रैलियां निकाली जाएंगी और नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए नशामुक्ति पर आधारित पोस्टर, फोटो और चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रमों में शामिल नागरिकों को नशा नहीं करने की ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी।

कायस्थम आज जयंती पर देगा श्रद्धांजलि

भोपाल। *कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा 2 अक्टूबर को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुरानी विधानसभा (मिंटो हॉल) के सामने चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। प्रातः 8.30 बजे कायस्थम के पदाधिकारी और सदस्यगण स्व. शास्त्री का पुण्य स्मरण करेंगे। बाद में वे पुरानी विधानसभा के उद्यान में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।*

चित्रगुप्त समाज का रक्तदान शिविर आज

भोपाल। स्व. लाल बहादुर शास्त्री एवं स्व. महात्मा गांधी की जयंती पर शरद फाउंडेशन के नेतृत्व एवं चित्रगुप्त समाज भोपाल के सानिध्य, भोपाल फूड लवर्स, नेवैध्यम नेचुरल एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से ब्लड डोनेशन कैंप (रक्तदान शिविर) का आयोजन रेडक्रॉस हॉस्पिटल (ब्लड बैंक परिसर), शिवाजी नगर में दोपहर 01 बजे से सांय 04 बजे तक किया जा रहा है। इस दौरान संस्था के सदस्यों एवं उनके परिजन, इष्ट मित्रों द्वारा इस अवसर पर रक्तदान किया जाएगा।

धन्वंतरि आयुर्वेद कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार आज, देशभर के चिकित्सा होंगे शामिल

शास. धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन में शुक्रवार से देशभर के 500 से ज्यादा आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ जूनियर डॉक्टर्स व छात्रों का जमावड़ा होगा। अनियमित जीवनशैली व इससे उपजे रोगों पर चर्चा करेंगे। प्राचार्य डॉ. ओपी व्यास का कहना है कि दो दिवसीय सेमीनार व सिल्वर जुबली पीजी एलुमिनी मीट से ऐसे परिणाम निकलेंगे जो आयुर्वेद चिकित्सा के जरिए मरीजों के उपचार में कारगर होंगे। आयुष मेडिकल एसो प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं धन्वंतरि आयुर्वेद कॉलेज उज्जैन में चिकित्सकीय सेवाएं लेते रहे हैं और पीएम नरेंद्र मोदी की तरह ही आयुर्वेद के प्रति इनका प्रगाढ़ विश्वास रहा है।

चंद्रशेखर आजाद की अनावरण पट्टिका गायब, कांग्रेस पहुंची एफआईआर दर्ज कराने



भोपाल। टीटी नगर स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा की अनावरण पट्टिका-शिलालेख अज्ञात कारणों से गायब हो गई है। प्रतिमा गीतांजलि चौराहा पर स्थित थी। शहीद चंद्रशेखर आजाद युवा मंच के अध्यक्ष अखिलेश जैन आजाद, पूर्व प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस शिवी शर्मा, कांग्रेस झुगी झोपड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निकेश चौहान प्रदेश ने बताया कि यह शिलालेख कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि भोपाल के इतिहास का हिस्सा है।

विकास कार्य के नाम पर शहीदों के सम्मान को मिटा देना, शहीदों का और देशभक्तों का सीधा अपमान है। आशंका है कि यह कृत्य भारतीय जनता पार्टी के दबाव में किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में तत्काल थाना टीटी नगर थाने में अज्ञात अधिकारी-ठेकेदारों के विरुद्ध चोरी और शहीदों का अपमान करने की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। दीपू तोमर, राहुल राठौर, शोएब खान, प्रीनम द्विवेदी, शावर खान, रजनीश जैन, सिरनाम सिंह चौहान, योगेश सराठे, कासिम, तबरेज, शारदा वर्मा, मिलिंद बोरडे, अनिकेत द्विवेदी युवा कांग्रेस सचिव उपस्थित रहे।

एम्स : कर्मचारियों के विरोध के बाद सेवा समाप्ति का आदेश लिया वापस

नौकरी से हटाने पर भड़के आउटसोर्स कर्मचारी, मुख्य गेट पर दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एम्स भोपाल में देर रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब अचानक एम्स प्रबंधन ने एक साथ करीब 260 आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाए का आदेश जारी कर दिया। अचानक नौकरी से निकालने पर आउटसोर्स कर्मचारी भड़क गए। उन्होंने काम बंद एम्स के मुख्य गेट को ब्लॉक कर धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे।

नौकरी से हटाने जाने वाले ज्यादातर कर्मचारी हाउसकीपिंग और वार्ड बॉय है। कर्मचारियों के विरोध के बाद एम्स प्रबंधन ने सेवा समाप्ति और ट्रांसफर से जुड़े आदेश वापस लेने का फैसला लिया। प्रबंधन के आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने धरना खत्म कर दिया। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात हाउसकीपिंग, वार्ड बॉय समेत कई कर्मचारियों के नाम सेवा समाप्ति की सूची में होने की बात सामने आने के बाद कर्मचारियों ने एम्स के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप था कि उन्हें बिना कारण बताए नौकरी से हटाने का फैसला लिया गया। इसके बाद एमजी सोलंकी कंपनी से जुड़े कर्मचारियों ने विरोध शुरू कर दिया।

हटाए गए कर्मियों में ज्यादातर हाउस कीपर और वॉर्ड व्वॉय

बुधवार रात नौ बजे से काम कर दिया था बंद

अचानक नौकरी से निकाले जाने से गुस्साएं आउटसोर्स कर्मचारियों ने बुधवार रात नौ बजे से काम बंद कर धरने पर बैठक गए। आउटसोर्स में ज्यादतर कर्मचारी सफाई और बार्ड बॉय है। करीब एक साथ 260 से ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारियों के काम बंद करके हड़ताल पर जाने से एम्स में व्यवस्थाएं बिगड़ गई। साफ-सफाई की व्यवस्था पूरी तरह ठप्प होने से परेशानी बढ़ गई। बार्ड बॉय के काम बंद करने से मरीजों को काफ दिक्कतों को सामना करना पड़ा। मरीज के परिजन ही स्ट्रेचर खींचते हुए नजर आए। सुबह करीब चार बजे एम्स प्रबंधन ने नौकरी से हटाने का प्रस्ताव वापस लेने के बाद कर्मचारी काम पर लौटे।

गलतफहमी दूर की, सेवाएं निर्बाध

एम्स भोपाल के प्रबंधन का कहना है कि आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत सफाई कर्मचारियों को हुई कुछ गलतफहमी को दूर करने के लिए प्रशासन ने तत्काल कदम उठाए और कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका निराकरण किया। मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं लगातार जारी हैं।



भोपाल एम्स में रात को धरना प्रदर्शन करते आउटसोर्स कर्मचारी।

कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर राशन विक्रेता संघ की हड़ताल शुरू

राशन का स्टॉक लेने से पीडीएस दुकानदारों का इंकार, 4 अक्टूबर से नहीं बांटेंगे राशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक अक्टूबर के साथ ही प्रदेश के पीडीएस दुकानदारों ने हड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि राशन चार अक्टूबर से बांटा जाना है, लेकिन दुकानदारों ने राशन का स्टॉक लेने से इंकार कर दिया है, जिसकी वजह से कई पीडीएस दुकानों पर राशन का स्टॉक नहीं पहुंच सका है। हालांकि 15 सितंबर से राशन स्टॉक पहुंचाने का काम शुरु कर दिया गया था, जिससे अकेले राजधानी की दुकानों पर महीने का 84 फीसदी राशन स्टॉक पहुंच गया है।



हड़ताल के कारण बंद न्यू मार्केट दशहरा मैदान के पास की बंद राशन दुकान।

दुकानदारों को नामाफी कमीशन दिया जा रहा

राशन विक्रेता संघ के विक्की शर्मा, अकबर खान और इरफान खान ने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पीडीएस दुकानदारों को नाकाफी कमीशन दिया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में 90 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से कमीशन दिया जाता है। वह भी दो से तीन महीने के बाद। ऐसे में राशन दुकानों का संचालन करने में दिक्कत हो रही है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि राशन दुकानों पर राशन का स्टॉक पहुंचा दिया गया है। चार अक्टूबर से पीओएस मशीनों में राशन का डेटा भी अपलोड कर दिया जाएगा।

मानसून की विदाई के बाद हल्की बारिश के एक और दौर के आसार

इस महीने दो से तीन दिन बारिश, 33 डिग्री औसत पारा और 19 डिग्री के करीब गर्म होगी रात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में गुरुवार को मौसम साफ रहा। देर शाम कुछ हिस्सों में हल्की बौछारें पड़ीं और शहर के आसमान पर बादल छाए रहे। अक्टूबर महीने की शुरुआत मिलेजुले मौसम से होने के साथ पूरे महीने में दो से तीन दिन बारिश होगी। महीने में औसत दिन का पारा 32.7 डिग्री और रात का 19.1 डिग्री तक रहेगा। प्रदेश से मानसून की विदाई शनिवार से रविवार के बीच शुरू हो सकती है, जिससे पहले कुछ हिस्सों में बौछारें पड़ने की उम्मीद है।

मानसून की 36 घंटे में विदाई शुरू होगी

विशेषज्ञ शुक्ला के अलुसार अगले 36 घंटे के दौरान पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, गुजरात, मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के सभी क्षेत्रों, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों से दक्षिण पश्चिमी मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियों अनुकूल हैं।

तापमान में बदलाव शुरू

गुरुवार को शहर का दिन का पारा 1.1 डिग्री बढ़कर 34.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है। रात में 19.6 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 1.7 डिग्री कम है। यहां सुबह की हवा में 77 और शाम को 45 फीसदी नमी रही। दिन में धूप खिलने से शाम को बादलों का असर शुरू हुआ। इससे रात के तापमान में कुछ बढ़त ही उम्मीद है।

केरवा डैम की सीमा में अतिक्रमण को लेकर एनजीटी में सुनवाई

कमेटी को 3 सप्ताह में एफटीएल के निर्धारण के आदेश, बैंच में अब तक की रिपोर्ट की गई पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित केरवा डैम की सीमा और उस पर हुए कब्जों को लेकर एक दिन पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सुनवाई हुई। एनजीटी ने बनी कमेटी को तीन सप्ताह में एफटीएल (फुल टैंक लेवल) के अंतिम निर्धारण का रिकॉर्ड सहित अन्य जानकारियों के साथ रिपोर्ट देने को कहा है। सुनवाई में एनजीटी ने निर्देश दिया कि केरवा डैम के एफटीएल का अंतिम निर्धारण उपलब्ध रिकॉर्ड, जलसंसाधन विभाग के कंटूर एवं टोपोग्राफिकल मैप, जलाशय की ऊंचाई के आधार पर किया जाए। समिति को एफटीएल एवं उसके बफर एरिया के अंतिम निर्धारण की प्रक्रिया तीन सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

एनजीटी ने यह दिए निर्देश

एनजीटी ने स्पष्ट कहा कि एफटीएल और बफर एरिया को अंतिम रूप देने के लिए ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजरी, ग्राउंड ट्रूथिंग तथा उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड को आधार बनाया जाए। इसकी विस्तृत रिपोर्ट अगली सुनवाई में प्रस्तुत की जाए। अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को निर्धारित है। उपलब्ध पूर्व रिकॉर्ड के अनुसार, केरवा डैम का जलमग्न क्षेत्र करीब 462.150 हेक्टेयर है। इसकी सीमा 1080 खंभों से चिह्नित की गई थी। अब ग्राउंड ट्रूथिंग एवं भौतिक सत्यापन के दौरान यह भी देखा जाना महत्वपूर्ण होगा कि इनमें से कितने सीमा-चिह्न वर्तमान में मौके पर मौजूद हैं। इससे पहले हुई जांच में केरवा जलाशय क्षेत्र में कुल 33 अतिक्रमण चिन्हित किए गए थे, जिनमें 18 सरकारी भूमि और 15 निजी भूमि से संबंधित संरचनाएं बताई गई थीं। उक्त सभी अतिक्रमणकारियों का नाम, उनके द्वारा किए गए अतिक्रमण और उन्हें जारी किए गए नोटिस की जानकारी टेबल में दी गई है। इसे अब ड्रोन सर्वे और जमीनी सत्यापन के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाएगा कि पूर्व में चिन्हित अतिक्रमणों में से वर्तमान में कितने मौके पर मौजूद हैं और उनकी वास्तविक स्थिति क्या है।

कल प्रदेशभर में एक साथ होगी परीक्षा

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को लेकर स्कूलों में विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को लेकर गायत्री परिवार द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसी क्रम में बीते 30 सितंबर को शासकीय माध्यमिक शाला, पुरानी जाटखेड़ी में प्रांतीय सचिव अजीत भगत ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सहभागिता के लिए प्रेरित किया तथा ओएमआर आंसर शीट भरने की विधि समझाई। भगत ने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं जीवन-मूल्यों से संबंधित इस ज्ञानवर्धक परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।



कल 12 बजे से होगी परीक्षा

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 3 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में एक साथ आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तैयारियों को लेकर अखिल विश्व गायत्री परिवार, भोपाल के कार्यकर्ताओं एवं वॉलंटियर्स द्वारा विभिन्न विद्यालयों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया की पूरी जानकारी मिल सके। परीक्षा 3 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। नियुक्त निरीक्षकों को सुबह 11:30 बजे तक संबंधित विद्यालय में पहुंचकर स्कूल प्रभारी से समन्वय स्थापित कर परीक्षा संपन्न कराने की जिम्मेदारी निभानी होगी।

कांग्रेस नेताओं ने डीआरएम से की मुलाकात

बाग उमराव दूल्हा अंडरब्रिज बंद करने से पहले हो वैकल्पिक मार्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बाग उमराव दूल्हा अंडरब्रिज शनिवार से बंद किया जा रहा है। क्षेत्रवासियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए बिना पर्याप्त वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था किए अंडरब्रिज बंद ना करने के संबंध में गुरुवार को रेलवे डीआरएम, मेट्रो प्रबंधक एवं पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता से कांग्रेस नेताओं ने रहवासियों के साथ मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस से जिला कार्यवाहक अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोहम्मद शावर, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस नईम खान ने अधिकारियों को अवगत कराया गया कि दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए बंद पड़ा 90 डिग्री ऐशबाग फ्लाईओवर ब्रिज का कार्य शीघ्र शुरू कर उसे चालू किया जाए। इसके साथ ही पुल बोगदा से बरखेड़ी जाने वाला मार्ग काम के साथ-साथ चालू रखा जाएं, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। संबंधित अधिकारियों ने आश्वस्त करते हुए बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया।



भोपाल स्टेशन पर श्रमदान कर रेलवे अफसरों ने दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत गुरुवार को भोपाल रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और रेलकर्मियों ने एक घंटे तक सामूहिक श्रमदान किया। रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक (सी एवं आईएस) मंदीप सिंह भाटिया, मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी सहित शाखा अधिकारियों ने स्टेशन परिसर में सफाई कर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

श्रमदान के दौरान स्टेशन के अलग-अलग हिस्सों में सफाई की गई। यात्रियों को पम्पलेट बांटकर कचरा डस्टबिन में



डालने और स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने की अपील की गई। प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए यात्रियों को कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि इसे रोजमर्रा की आदत बनाने की जरूरत है।

भीड़ के लिए रेलवे की तैयारी, पुणे-मुंबई से गोरखपुर, मऊ, गाजीपुर और बनारस के लिए अतिरिक्त ट्रेनें

त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए इटारसी होकर चलेंगी 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। इटारसी होकर अलग-अलग रूट पर 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी।

इससे भोपाल मंडल के यात्रियों को मुंबई, पुणे सहित उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख शहरों की यात्रा के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। इनमें लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ, पुणे-गोरखपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर, हडपसर-पुणे-गाजीपुर सिटी और लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। इसी के तहत पुणे-गोरखपुर स्पेशल 16 अक्टूबर से 16



नवंबर तक और वापसी में 17 अक्टूबर से 17 नवंबर तक चलेगी। वहीं, एलटीटी-गोरखपुर स्पेशल 16 अक्टूबर से 16 नवंबर तक तथा वापसी में 18 अक्टूबर से 18 नवंबर तक संचालित होगी। दोनों ट्रेनों के कुल 32-32 फेरे निर्धारित हैं। एलटीटी-मऊ, पुणे-गाजीपुर सिटी और एलटीटी-बनारस स्पेशल ट्रेनें भी अक्टूबर-नवंबर में निर्धारित दिनों पर चलेंगी। इन ट्रेनों के इटारसी स्टेशन पर अलग-अलग समय पर ठहराव रहेंगे।

इससे यात्रियों को त्योहार के दौरान कन्फर्म सीट मिलने के साथ यात्रा के लिए अतिरिक्त विकल्प मिल सकेंगे। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री दबाव को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की समय-सारणी और आरक्षण की स्थिति रेलवे की अधिकृत वेबसाइट अथवा पूछताछ सेवा से जरूर जांच लें।

सचखंड एक्सप्रेस में 2 दिन लगेगा अतिरिक्त स्लीपर कोच, यात्रियों को मिलेगी राहत

भोपाल। *सचखंड एक्सप्रेस में सफर करने वाले वेटिंग लिस्ट के यात्रियों के लिए राहत की खबर है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने नांदेड-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस (12715) में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय लिया है। यह कोच 11 और 18 नवंबर को लगाया जाएगा। अतिरिक्त स्लीपर कोच जुड़ने से इन दोनों तारीखों में यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हो सकेंगी। इससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार यात्रियों की मांग और वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य अधिक यात्रियों को सुविधाजनक और आरामदायक रेल यात्रा उपलब्ध कराना है।*

भोपाल
शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026
आश्विन मास कृष्ण पक्ष-6
वर्ष : 13, अंक : 182
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

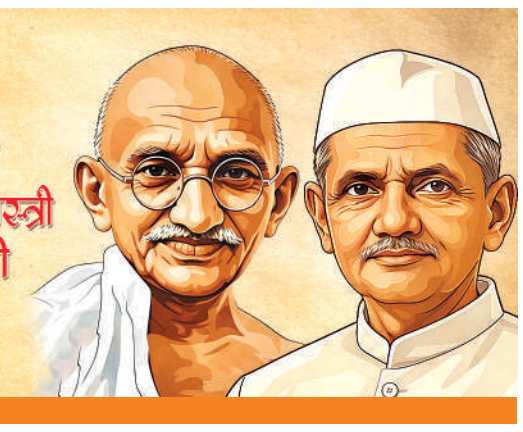
मौसम
अधि. 33
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश आज मनाएगा
स्वच्छ भारत दिवस

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) मध्यप्रदेश | नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन



स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता ही सेवा 2026
17 सितम्बर - 17 अक्टूबर 2026
स्वच्छता में सहभाग
स्वच्छ भारत, विकसित भारत

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती
पर स्वच्छता का संकल्प
वृद्धाश्रमों एवं सार्वजनिक
स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां,
'एक पेड़ मां के नाम' अंतर्गत पौधरोपण



D-11128/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आज भले ही इस दुनिया में नहीं हैं,लेकिन उनके विचार अमर हैं। उनकी अहिंसावादी सोच पूरी दुनिया के लिए नजीर है। आज लोकतंत्र को लेकर कई तरह के आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। ऐसी स्थिति में गांधीवादी विचारक वर्तमान परिस्थितियों में लोकतंत्र को किस नजर से देखते हैं। आज महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर उनके विचारों को 'हरिभूमि' ने प्रस्तुत करने की कोशिश की है।

खास खबर

गांधीवादियों की नजर में लोकतंत्र के मायने

लोकतंत्र का मतलब केवल बहुमत साबित करना नहीं होता, डिजिटल युग में 'अहिंसावादी' होना भी जरूरी

महात्मा गांधी के पोते

लोकतंत्र का मतलब केवल बहुमत साबित करना नहीं होताः राजमोहन

गांधीवादी विचारक और महात्मा गांधी के पोते राजमोहन गांधी ने वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य में लोकतंत्र की आत्मा को बचाने के लिए नागरिक अधिकारों और सामाजिक बंधुत्व की रक्षा को अनिवार्य बताया ▶▶शेष पेज 4 पर

प्रसिद्ध इतिहासकार

विविधता और सहिष्णुता ही भारत की असली पहचानः रामचंद्र गुहा

प्रसिद्ध इतिहासकार और गांधीवादी विचारक रामचंद्र गुहा ने कहा है कि भारत की वास्तविक ताकत उसकी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता में निहित है। देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को बनाए रखने के लिए धार्मिक सहिष्णुता और सर्वधर्म ▶▶शेष पेज 4 पर

प्रसिद्ध समाजशास्त्री

नैतिक अंतःकरण से खत्म होगा भ्रष्टाचारः आशीष नंदी

प्रसिद्ध समाजशास्त्री और गांधीवादी विचारक आशीष नंदी का कहना है कि समाज में भ्रष्टाचार की समस्या केवल कड़े कानूनों या प्रशासनिक पुलिसिंग से खत्म नहीं हो सकती। उनके अनुसार, वास्तविक सदाचार और ईमानदारी की नींव व्यक्ति के ▶▶शेष पेज 4 पर

गांधीवादी विद्वान

डिजिटल युग में अहिंसा अपनाना जरूरीः त्रिदीप सुहृद

गांधीवादी विद्वान त्रिदीप सुहृद का मानना है कि अहिंसा कोई निष्क्रिय विचार या राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि सत्य की खोज और जीवन जीने का एक समग्र नैतिक दर्शन है। आधुनिक युग में डिजिटल माध्यमों और जनसंवाद में बढ़ती ▶▶शेष पेज 4 पर

प्रसिद्ध लेखिका

विपक्ष का विवेक ही सच्चा राजधर्मः रजनी बक्षी

प्रसिद्ध लेखिका और गांधीवादी विचारिका रजनी बक्षी के अनुसार, लोकतंत्र में राजधर्म का अर्थ केवल सत्ता चलाना नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी और नागरिक भलाई को सर्वोपरि रखना है। उनका मानना है कि सच्चा राजधर्म सत्ता पक्ष और विपक्ष ▶▶शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

कमर्शियल गैस सिलेंडर 65 रुपए महंगा

भोपाल। तेल कंपनियों ने 1 अक्टूबर से 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं। मप्र में कीमत 62.50 से 65 रु. तक बढ़ी है। भोपाल में सिलेंडर 2815 रु. में मिलेगा। दाम बढ़ने से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और कैटरिंग कारोबारियों की लागत बढ़ेगी। इसका असर खानपान की कीमतों पर पड़ सकता है।



अर्टिगा से टकराकर पलटी स्कूल वैन, 8 बच्चे घायल

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के गढ़ा रोड पर गुरुवार को बच्चों से भरी निजी स्कूल की वैन और अर्टिगा कार की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वैन पलट गई। वैन में सवार आठ बच्चे घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने वैन से बच्चों को बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल अस्पताल पहुंचाया।



वायरल गर्ल की जन्मतिथि बदलने का आदेश निरस्त

इंदौर। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने महेश्वर की वायरल गर्ल के जन्म प्रमाण पत्र में जन्मतिथि बदलने के नगर परिषद के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने 31 मार्च 2026 को जारी आदेश को रद्द करते हुए कहा कि जन्मतिथि में बदलाव से हित प्रभावित हो सकते हैं। सुने बिना संशोधन करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है।



बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिजनों से मिले सांसद राहुल गांधी

राहुलः वंचितों को न हक मिला न मुआवजा भाजपाः क्या राहुल कभी कांवरे के घर गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

आदिवासियों के बहाने भाजपा और कांग्रेस में सियासी गर्माहट तेज हो गई है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है

मप्र के बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में सियासत गर्म है। गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बालाघाट के जगला गांव पहुंचे। जहां बीमारी के चलते कुछ आदिवासी बच्चों की मौत हो गई थी। बच्चों को खोने वालें परिवारों से राहुल गांधी मिले और उन्होंने संवेदनाएं व्यक्त की। उनसे बातचीत के बाद राहुल ने पत्रकारों से बात करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। कहा कि यहां न तो आदिवासियों को हक मिला है और न ही मुआवजा। यहां तक की इलाज की ठीक से व्यवस्था नहीं है। वहीं भाजपा ने तत्काल ▶▶शेष पेज 4 पर ▶▶पढ़ें पेज 02 भी

राहुल ने कहा

कांग्रेस की सरकार आने दीजिए खुलकर मदद करेंगे, बिल लेकर आएंगे, आदिवासियों के हक के लिए



पीड़ित परिवारों से बातचीत करते हुए

सांसद ने कहा- आदिवासियों को देश के बीचों बीच छोड़ दिया गया है मानो उनके लिए न तो केंद्र सरकार है और न ही मध्य प्रदेश सरकार

लाड़लियों को नहीं मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

राहुल गांधी ने कहा कि एक और बात है। अगर किसी महिला को एक सरकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलती है, तो लाड़ली बहना ▶▶शेष पेज 4 पर

लोकसभा में उठाएंगे मुद्दा

राहुल गांधी बोले मैं विपक्ष की तरफ से, कांग्रेस पार्टी की ओर से कहना चाहता हूं कि आप अपना काम कीजिए। शिक्षा दीजिए, अस्पताल दीजिए, इनका जो हक वो दीजिए। हमने तो उनसे कहा है कि जैसे ही हमारी सरकार ▶▶शेष पेज 4 पर

बिप्लब देब और हेमंत खंडेलवाल ने राहुल गांधी से मांगे जवाब

केवल भाजपा से सवाल न करें नक्सलवाद और कांग्रेस के शासनकाल का हिसाब भी जनता को दें

भोपाल। दो दिनों के लिए भोपाल आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी कांग्रेस से कई सवालों के जवाब मांगे। पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा कि राहुल गांधी बालाघाट में हैं, उनका स्वागत है। लेकिन, आदिवासी समाज के बीच जाकर उन्हें यह भी बताना ▶▶शेष पेज 4 पर



हेमंत खंडेलवाल, बिप्लब देब

भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने की पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक

गुटबाजी और नाराजगी तीन माह में खत्म करने का अल्टीमेटम



पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए

- समझाने के बाद भी कोई नहीं मानता है तो सूची प्रदेश नेतृत्व और प्रभारी को भेजने की सलाह
- होर्डिंग और बैनर में नेताओं की बड़ी तस्वीरों की बजाय केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार कीजिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश संगठन की मजबूती और आगामी चुनाव की रणनीति को लेकर भाजपा एक्शन मोड में नजर आ रही है। प्रदेश कार्यालय में भाजपा के नए प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब की मौजूदगी में गुरूवार को हुई बैठक में इसका असर भी देखने को मिला है। प्रदेश प्रभारी ने गुटबाजी और नाराजगी को लेकर नेताओं को अल्टीमेटम भी दिया है। दरअसल, देब ने अपने पहले संगठनात्मक दौरे में प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक ली। संभाग और जिला प्रभारियों से चर्चा के दौरान उन्होंने गुटबाजी और नाराजगी तीन महीने में समन्वय और ▶▶शेष पेज 4 पर ▶▶पढ़ें पेज 02 भी

एशियन गेम्स पुरुष हॉकी सेमीफाइनल

पाक को रौंदकर भारत फाइनल में पहुंचा, अभिषेक ने पलटी बाजी



जीत का जश्न मनाते हुए

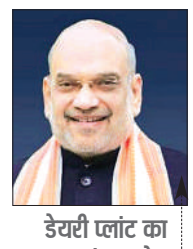
पाकिस्तान को 4-3 से हराया, अब मलेशिया से होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶ नागोया

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में भारत ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 59 मिनट तक दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर ▶▶शेष पेज 4 पर

नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

आज भोपाल आएंगे अमित शाह कल गोपालकों से करेंगे संवाद



डेयरी प्लांट का शुभारंभ समेत कई कार्यक्रम में होंगे शामिल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार 2 अक्टूबर की रात लगभग 9 बजे भोपाल आएंगे और होटल ताज में रात्रि विश्राम करेंगे। शनिवार 3 अक्टूबर को उनका दिन भर विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। वे लगभग 23 घंटे राजधानी में रह कर रात 8 बजे भोपाल से रवाना होंगे। शाह भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन ▶▶शेष पेज 4 पर

पीएम मोदी से मिले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

2027 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री को किया आमंत्रित



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान सीएम ने मध्यप्रदेश में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों ▶▶शेष पेज 4 पर

आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल जारी किया

7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के साथ आगाज 10 को भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला



पहली बार 14 टीमें और 57 मैच खेले जाएंगे फाइनल मैच 21 नवंबर को

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 के कार्यक्रम की घोषणा की। इस बार वकुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप यानी ग्रुप ए में रखा गया है। यह मैच 10 अक्टूबर को होगा। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 2 अक्टूबर से होगी और फाइनल मैच 21 नवंबर को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 अक्टूबर को करेगा। पहली बार 14 टीमें हिस्सा लेंगी। ▶▶पढ़ें पेज 13 भी

ये है पूरा शेड्यूल

- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - 7 अक्टूबर 2027, केटपटाउन
- भारत बनाम पाकिस्तान - 10 अक्टूबर 2027, जोहान्सबर्ग
- भारत बनाम अफगानिस्तान - 14 अक्टूबर 2027, त्शवाने
- भारत बनाम क्वालीफायर ए - 17 अक्टूबर 2027, ब्लोमफोंटेन
- भारत बनाम जिम्बाब्वे - 24 अक्टूबर 2027, विक्टोरिया फॉल्स

फ्लाईदुबई की फ्लाइट बचाने वाले कैप्टन स्मित मछार एयरलिफ्ट कर दुबई लाए गए

को-पायलट ने चाकू से किया था हमला, विमान को करीब 14 हजार फीट नीचे गिराया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-भारत को कैप्टन मछार पर गर्व इजराइल के पीएम नेतन्याहू और ट्रंप ने भी की सराहना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात के मूल निवासी कैप्टन स्मित मछार अनुभवी कमर्शियल पायलट

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार को एयरलिफ्ट कर दुबई के अस्पताल लाया गया है। हमले में गंभीर रूप से घायल कैप्टन मछार अब खतरे से बाहर हैं और अस्पताल में अपने ▶▶शेष पेज 4 पर



स्मित मछार

13 साल से ज्यादा का उड़ान अनुभव

गुजरात के मूल निवासी कैप्टन स्मित मछार अनुभवी कमर्शियल पायलट हैं। उनके पास बोइंग-737 उड़ाने का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है। पिछले चार साल से वह फ्लाईदुबई में कमांडर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम में विमान उड़ाने की ▶▶शेष पेज 4 पर ▶▶पढ़ें पेज 08 भी



पीएम मोदी ने की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कैप्टन स्मित मछार की बहादुरी की जमकर तारीफ की। एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि कैप्टन स्मित मछार ▶▶शेष पेज 4 पर

नेतन्याहू और ट्रंप ने बताया 'सच्चा हीरो'

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी भारतीय पायलट को सलाम किया। उन्होंने लिखा कि भारतीय पायलट कैप्टन स्मित की ▶▶शेष पेज 4 पर



नेतन्याहू और ट्रंप

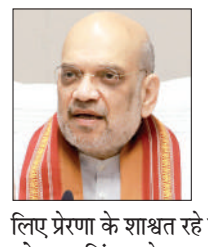
आईआईएसईआर को 52 एकड़ भूमि की गई है आवंटित

आइसर के एटीआरआई परिसर का शिलान्यास व स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि होंगे केंद्रीय मंत्री शाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल।

राजधानी स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) के एटीआरआई परिसर के शिलान्यास एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन 3 अक्टूबर को किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह होंगे। समारोह का आयोजन शनिवार को शाम 5:00 बजे से एल-5, एलएचसी, आइसर में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर प्रो. गोवर्धन दास सदस्य नीति आयोग भारत सरकार, आलोक शर्मा सांसद भोपाल तथा रामेश्वर शर्मा विधायक हुजूर भोपाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में आईआईएसईआर को 52 एकड़ भूमि नए परिसर के विकास के लिए आवंटित की गई है। यह परिसर उन्नत अनुसंधान, नवाचार, शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए समर्पित होगा। प्रस्तावित परिसर में क्वांटम एवं उन्नत सामग्री, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सतत प्रणालियां, चिकित्सा प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं रोबोटिक्स जैसे उभरते एवं राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

एकात्म पार्क में है विवेकानंद की प्रतिमा



छात्रों के समग्र विकास तथा जीवन-मूल्यों के संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत आइसर द्वारा एकात्म पार्क विकसित किया गया है, जिसमें स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित की गई है। स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा के शाश्वत रहे हैं। यह पार्कविद्यार्थियों को आत्मचिंतन, प्रेरणा तथा सकारात्मक जीवन-मूल्यों के विकास के लिए प्रेरित करने वाले एक विशेष स्थल के रूप में परिकल्पित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री शाह उज्जैन को देंगे 255 करोड़ रुपए के अत्याधुनिक डेयरी प्लांट की सौगात

भोपाल। उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार और डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ द्वारा 255 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी प्लांट स्थापित किया जा रहा है। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर 2026 को भोपाल से इस प्लांट का डिजिटल भूमि-पूजन करेंगे। उज्जैन में स्थापित होने वाला यह अत्याधुनिक डेयरी प्लांट क्षेत्र में दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विभिन्न डेयरी उत्पादों के उत्पादन को नई गति देगा। परियोजना की कुल लागत में से 170 करोड़ रुपये राज्य शासन द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान किए जाएंगे, जबकि शेष 85 करोड़ रुपये दुग्ध संघ द्वारा ऋण के माध्यम से जुटाए जाएंगे। परियोजना को अगले दो वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य है। प्रस्तावित प्लांट की शुरुआत 3 लाख लीटर प्रतिदिन दूध प्रसंस्करण क्षमता के साथ होगी। भविष्य में इसकी क्षमता को बढ़ाकर 5 लाख लीटर प्रतिदिन तक किया जा सकेगा। इससे उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती दुग्ध उपलब्धता के साथ प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार भी संभव होगा।

कल करेंगे डेयरी प्लांट का डिजिटल भूमि-पूजन, 3 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता

पैक्ड मिल्क से लेकर घी तक का होगा उत्पादन

प्लांट में आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं के साथ विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा। इसमें 1.50 लाख लीटर प्रतिदिन पैक्ड मिल्क, 25 हजार लीटर प्रतिदिन दही तथा 10 हजार लीटर प्रतिदिन लस्सी/छाछ के उत्पादन की क्षमता होगी। इसके अलावा 10 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का घी प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के प्रबंध संचालक जयदेव बिस्वास ने कहा, "उज्जैन में आधुनिक डेयरी प्लांट की स्थापना मध्यप्रदेश के डेयरी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खबर संक्षेप

आज से अभा अधिवक्ता परिषद की त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

भोपाल। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 2 अक्टूबर से शुरू होगी। यह कार्यशाला 2, 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को राजधानी स्थित पीपुल्स विश्वविद्यालय में आयोजित होगी। कार्यशाला में देश के सभी प्रांतों से राष्ट्रीय अधिवक्ता परिषद से जुड़े अधिवक्ता, न्यायविद् एवं विधि विशेषज्ञ सहभागिता करेंगे। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के प्रांत अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह अरुण कुमार, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष के श्रीनिवास मूर्ति, महामंत्री डी भरत कुमार, संगठन मंत्री श्रीहरि बोरिकर एवं प्रख्यात शिक्षाविद मुकुल कानिटकर शामिल होंगे।

ग्राम सभाओं में दें खाद्य योजनाओं की जानकारी

भोपाल। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में दो अक्टूबर को ग्राम सभाओं का आयोजन प्रस्तावित है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देशित किया है कि संबंधित ग्राम पंचायत में उचित मूल्य विक्रेता योजनाओं की जानकारी दें। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून में पात्र परिवार को निःशुल्क गेहूं, चावल, नमक एवं प्राथमिकता श्रेणी परिवार को निःशुल्क गेहूं, चावल 5 किलो प्रति सदस्य एवं नमक दिया जाता है।

ऐसा कार्य करें कि दायित्व बदलने के बाद भी कार्यकर्ता हृदय से याद करें

कांग्रेस के पास जनता के विकास और प्रदेश के भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं: बिप्लब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरूवार को पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों एवं मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने संबोधित किया। प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा का संगठन मजबूत, सक्रिय और व्यापक है। संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता के कारण कांग्रेस हमारे मुकाबले में नहीं है। कांग्रेस संगठन लगातार कमजोर हो रहा है और वहां असंतोष एवं टूट की स्थिति दिखाई दे रही है। विपक्षी दलों के पास जनता के विकास और प्रदेश के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट विजन नहीं है। उन्होने कहा कि भाजपा में लोकतांत्रिक संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा है। सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं और आगे भी इस कार्य को निरंतर बनाए रखेंगे। शालीनता, अनुशासन और संवाद भाजपा की कार्य संस्कृति की पहचान है। संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी का आचरण पार्टी की मर्यादा और परंपराओं के अनुरूप होना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी ने की भाजपा प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक



भाजपा के पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों व मोर्चों के प्रदेशाध्यक्षों की बैठक।

कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही संगठन की ताकत: चंद्रशेखर

प्रदेश सगंठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा आज जिस मुकाम पर पहुंची है, उसके पीछे वर्षों का संघर्ष, त्याग और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। अनेक कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि संगठन की इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए जनसेवा को अपना मूल आधार बनाकर जनता के विश्वास को हमेशा कायम रखना है।

उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना होगा: रेखा वर्मा

प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि बैठक में संगठन को लेकर जो मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, उस पर पूरी गंभीरता और प्राथमिकता के साथ फोकस करते हुए आगे बढ़ेंगे। बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित किया जाएगा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी निरंतर जारी रहेगा।

कार्यकर्ता की नाराजगी संगठन से न जुड़े

प्रदेश प्रभारी देब ने कहा कि संगठन में दायित्व मिलना या दायित्व से हटना स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन किसी भी परिस्थिति में कार्यकर्ता की नाराजगी संगठन से नहीं जुड़नी चाहिए। संगठन में काम करने वाले प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से संवाद बनाए रखें और संगठनात्मक कारणों से किसी भी कार्यकर्ता में असंतोष न रहे। पद स्थायी नहीं होता, लेकिन कार्यकर्ता के बीच किया गया काम और बनाया गया विश्वास लंबे समय तक याद रहता है। इसलिए पदाधिकारी अपने कार्यकाल में ऐसा काम करें कि पद समाप्त होने के बाद भी कार्यकर्ता उन्हें सम्मान और विश्वास के साथ याद करें।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर रेखा ने किया माल्यार्पण



भोपाल। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने गुरुवार को बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर पार्टी की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, प्रकोष्ठ संकुल के प्रदेश सह संयोजक अजय शर्मा एवं जिला अध्यक्ष रविंद्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा की बैठक में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष

सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित बैठक में भाजपा प्रदेश कार्यालय से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने वर्चुअल सहभागिता की।

आदिवासियों के बीच पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

राज्य सरकार बीमारी से निपटने में पूरी तरह से असफल: राहुल गांधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस के नेतृत्व व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिरसा ब्लॉक के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। कुपोषण और मलेरिया की वजह से यहां दर्जनों बच्चों की मौत हो गई थी। उन्होंने मृत बच्चों के परिवार से मुलाकात कर सच्चाई को जाना और समझा। यहां वे करीब एक घंटे रुके और बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों से भी मिले। राहुल से मिलने आसपास के गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग पहुंचे। इससे पहले उन्होंने माटे प्राथमिक शासकीय स्कूल में बच्चों से मिड डे मील के बारे में जाना।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार 24 घंटे विकास की केवल बात करती है जबकि 24 घंटे भ्रष्टाचार करती है। यही वजह है कि यहां स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार की शिकार है। जब आदिवासी परिवार को सरकार की जरूरत थी तब वो उनके साथ नहीं थी। आदिवासी परिवार के बच्चों की मौत का मामला लोकसभा में उठाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार रात दिन सिर्फ विकास की बातें करती है,जबकि भ्रष्टाचार भी चौबीसों घंटे चल रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरत के समय आदिवासी परिवारों के साथ सरकार खड़ी नजर नहीं आई।



आदिवासियों के बीच मौजूद राहुल गांधी।

गांव में स्कूल, अस्पताल की सुविधाएं नहीं

राहुल गांधी ने कहा कि हैरानी होती है कि गांव में स्कूल.अस्पताल की सुविधाएं नहीं हैं। राहुल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर हर पांचवा व्यक्ति आदिवासी है। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आबादी में आदिवासियों की हिस्सेदारी 21.1:फीसदी है। यानी हर पांचवां व्यक्ति आदिवासी है। फिर भी सरकार प्रदेश में आदिवासियों की अनदेखी कर रही है। इसका असर चुनाव में भी दिखता है। विधानसभा की 230 सीटों में 47 सीटें एसटी की है। आरक्षित हैं जबकि 37 अन्य सीटों पर भी आदिवासी वोट अहम माना जाता है। यानी कुल 84 सीटों पर इसका असर है। लोकसभा की 29 सीटों म छह सीटें एसटी के लिए आरक्षित है। उन्होंने सरकार से अपनी जिम्मेदारी पूरी करने और कम से कम परिवारों को जमीन का पट्टा देने की मांग की।

सेहतनामा



नहीं सहे जाते मैडम के नखरे

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की एक प्रोफेसर मैडम के नखरे से पूरा कॉलेज परेशान हो गया है। मैडम बात-बात पर ऐसे नखरे दिखाती हैं कि हर कोई परेशान हो जाता है। कितनी भी अच्छी चाय-काफी या अन्य सामान लाकर मैडम को दे दो, पर उन्हें वह कभी पसंद ही नहीं आएंगी। वह उसमें कुछ न कुछ बुराई निकाल ही देंगी। कॉलेज के छात्र हों या फिर उनके साथ काम करने अन्य प्रोफेसर, सभी मैडम के नखरों से वाफिक हैं, इसलिए वह उनसे उतनी ही बात करते हैं, जितनी काम की हो। पर मैडम भी कहां मामने वाली हैं, कोई उनसे बात करे या नहीं करे, वह खुद ही किसी ना किसी बहाने से बात करने पहुंच जाती हैं। उनके साथ काम करने वाले डॉक्टर्स हो या फिर प्रोफेसर, मैडम के नखरे से परेशान होकर बात डीन मैडम तक पहुंच चुकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि डीन मैडम क्या एक्शन लेती हैं।

साहब आने वाले हैं, अपने-अपने काम से लग जाओ

इधर-उधर बातें मत करो, अपने-अपने काम से लग जाओ, साहब के आने का समय हो गया है। अगर उन्होंने किसी को ड्यूटी टाइम पर घूमते हुए देख लिया तो मैं भी कुछ नहीं कर पाऊंगा। यह रूतबा है कि सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ एक साहब का। साहब के कार्यालय आने के बाद सभी अपने काम में मगन हो जाते हैं। कोई भी कमचारी इधर-उधर घूमता तो दूर एक-दूसरे कर्मचारी से उनके सामने बात तक नहीं करते। बता दें कि साहब नियम कायदे के साथ अनुशासन के भी सख्त हैं। वे टाइम-टू-टाइम कार्यालय आते हैं और जाते हैं। वे बेवजह किसी भी कर्मचारी से बात नहीं करते, अगर उन्हें किसी से कोई है तो सीधे उन्हें अपने चेंबर में बुलाकर समझा देते हैं। साहब की एक आदत भी अच्छी है, उन्हें अगर किसी कर्मचारी या अधिकारी को फटकार लगानी है तो वह सबसे सामने उसकी क्लास लगा देते हैं। इसलिए साहब जब तक कार्यालय में रहने सभी काम में लगे रहेंगे।

काहे का मॉडल अस्पताल जेपी, दवाएं तो मिली नहीं

राजधानी भोपाल का मॉडल अस्पताल जेपी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नहीं अपनी बदहाली के लिए चर्चा में है। जेपी अस्पताल में आलम यह है कि डॉक्टर मरीजों को पांच से चार दवाएं लिखकर ओपीडी के पर्चे पर देते हैं। घंटों लाइन में लगने के बाद जब मरीज का नंबर दवा देने के लिए आता है तो उसे मिलती है सिर्फ एक या दो ही दवाएं। एक मरीज को जब पर्चे पर लिखी पूरी दवाएं नहीं मिलीं तो उनसे कर्मचारी से पूछा साहब डॉक्टर साहब ने तो पांच दवाएं लिखी थी, आप मुझे सिर्फ दो दवाएं दे रहे हैं, मैरे पास पैसे नहीं हैं, मैं बाजार से दवाएं नहीं खरीद सकता। मरीज की बातें सुनकर कर्मचारी की आंखें भर आई, कर्मचारी ने कहा- डॉक्टर साहब ने जो दवाएं लिखी है अभी स्टॉक में मौजूद नहीं है। एक-दो दिन बाद आना],दवाएं आ जाएगी। अब क्या कहें, मरीज को मर्ज अभी है और दवाएं एक दो दिन बाद मिलेंगी। हैरानी की बात तो यह है कि जेपी अस्पताल परिसर में ही सीएमएचओ साहब का भी कार्यालय है, पर उन्हें जानकारी ही नहीं है कि अस्पताल में दवाओं की कमी है, अब आप तो समझ ही गए होंगे किसी को भी मरीज की परेशानी से कोई लेना देना नहीं है। वे सिर्फ मीडिया में आने के लिए बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं।

सचिन सिंह बैस

जिलों में पहुंची 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा'

लोगों के जीवन में स्थाई रूप से सुधार ला रहीं सरकारी योजनाएं: सावित्री ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' वडनगर से वाराणसी तथा वाराणसी से वडनगर तक विभिन्न मार्गों से होते हुए मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में पहुंची। यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, युवा कार्यकर्ताओं, स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं सेवा यात्रियों ने सेवा गतिविधियों में सहभागिता कर सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश दिया। धार जिले के बदनावर में सेवा यात्रियों का स्वागत केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री संगीता यादव, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार लोगों के जीवन स्तर में स्थायी सुधार ला रही हैं। यात्रा का उद्देश्य युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ना, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जनसरोकार एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करना तथा सेवा कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ना रहा। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की सहभागिता से सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं।

मप्र पंचायत राज अधिनियम के प्रस्तावित संशोधनों पर मंथन

पंचायतों को जवाबदेह, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकता: पटेल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को अधिक सक्षम, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे विकास योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीण अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पटेल विकास भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 में समय की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित संशोधनों के प्रारूप पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।



पंचायतों के अधिकारों के युक्तियुक्तकरण पर बल

मंत्री पटेल ने समीक्षा बैठक में 73वें संविधान संशोधन की मूल भावना के अनुरूप ग्राम सभा और ग्राम पंचायतों के अधिकारों व कृत्यों के युक्तियुक्तकरण पर बल दिया। इसके तहत ग्राम सभा को नीतिगत व जनसहभागिता की सशक्त संस्था बनाते हुए स्वच्छता, पेयजल, सड़क और अधोसंरचना निर्माण जैसे सभी कार्यकारी दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया है। साथ ही ग्राम सभा की अप्रासंगिक हो चुकी पुरानी समितियों के प्रावधानों को विलोपित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

विभागों की योजनाओं पर हुई चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश

राजधानी में आदर्श गोशाला स्थापित करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन में बड़ी आदर्श गौशालाओं के संचालन में सफलता मिली है। इसी तरह भोपाल में इस मॉडल पर आदर्श गौ-शाला स्थापित करने के कार्य को गति प्रदान करते हुए अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं।

डॉ यादव मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। इन विभागों में नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सिंगरौली को आदर्श जिला बनाना प्राथमिकता

सीएम ने कहा कि नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरों के साथ ही राजधानी भोपाल के विकास में नए आयाम जोड़े जाएं। उन्होंने कहा कि सिंगरौली को आदर्श जिला बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों से भी चर्चा की जाए। नई टाउनशिप विकसित होने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सभी वर्ग लाभान्वित होंगे। खनिज विभाग के अधिकारियों ने सिंगरौली जिले में माइनिंग सेक्टर की नई संभावनाओं और भविष्य में जिले के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में बताया गया कि सिंगरौली में अधोसंरचना विकास के कार्य हो रहे हैं।

निजी क्षेत्र में आईटी पार्क की स्थापना करें

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से संबंधित चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र में भी आईटी पार्क स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए। जबलपुर के उद्यमी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कार्य के इच्छुक हैं। इस नाते उन्हें मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया जाए। इसके अलावा टेक्नीकल यूनिवर्सिटी को एक महत्वपूर्ण कौशल विकास केंद्र की पहचान देने के प्रयास किए जाएं। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश जल जीवन मिशन के कार्यों में अग्रणी है। प्रदेश के 83 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल मिल रहा है। गत दो वर्ष में इस कार्य में अच्छी सफलता मिली है। प्रदेश की 38 हजार 403 जल प्रदाय संरचनाओं को जियो टैग किया गया है।

वन्यजीव संरक्षण से प्रदेश में वन पर्यटन को मिलेगी नई दिशा और गति: डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में चीतों के सफल पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई है। यह सराहना हम सभी को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने वाली है। डॉ यादव ने प्रदेशवासियों और वन संरक्षण से जुड़े सभी मैदानी साथियों को एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए वन्यजीव सप्ताह-2026 की बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि 'प्रोजेक्ट चीता' की सफलता ने वन्यजीव संरक्षण के हमारे संकल्प को और भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रकृति के संतुलन के संरक्षण में अपना योगदान दें। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ ही प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।



केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से मिले मुख्यमंत्री।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल से की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरूवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से भेंट कर मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग और लंबित विषयों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के लिए केन्द्रांश जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली योजनाओं के लिए केन्द्रांश की राशि की प्रतिपूर्ति के लिए पोर्टल पर विकल्प प्रारंभ करने का विषय भी रखा।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 2 अक्टूबर 2026

9 छात्राओं को शिक्षा व भविष्य के प्रति प्रोत्साहित...



14 एनसीसी कैडेट्स को प्रदान की गई नई रैंक ...



गृहमंत्री शाह आज पहुंचेंगे भोपालः शाम 6 बजे बदलेगा ट्रैफिक, कई रूटों पर डायवर्जन

स्टेट हैंगर से ताज होटल तक आवाजाही के दौरान बसें और भारी वाहन वैकल्पिक रास्तों से गुजरेंगे, लगाना पड़ सकता है लंबा चक्कर

शाम 6 बजे से बसों, भारी वाहनों के रूट डायवर्ट किए जाएंगे | रात 8 बजे दोपहिया, चार पहिया वाहनों का मार्ग बदला जाएगा

कल इस तरह रहेगी राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था, जानकारी लेकर निकलिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्रीय गृहमंत्री के 2 अक्टूबर यानी शुक्रवार को भोपाल दौरे के चलते शहर में शाम से ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। स्टेट हैंगर से होटल ताज तक उनके आवागमन के दौरान शाम 6 बजे से यात्री बसों, भारी और व्यावसायिक वाहनों के रूट डायवर्ट किए जाएंगे। वहीं यातायात दबाव बढ़ने पर रात 8 बजे सामान्य दोपहिया और चारपहिया वाहनों का मार्ग भी बदला जाएगा।

इससे लालघाटी, हलालपुर, वीआईपी रोड, रेतघाट, कमलापार्क, पॉलीटेक्निक और गांधीनगर की ओर जाने वाले वाहन चालकों को सीधे रास्ते के बजाय वैकल्पिक मार्गों से लंबा चक्कर लगाना पड़ सकता है। खासकर बैरागढ़, एयरपोर्ट, सीहोर-इंदौर और राजगढ़-ब्यावरा की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों को अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी।

इंदौर, उज्जैन, राजगढ़ से आने वाली बसें हलालपुर से आगे नहीं जा सकेंगी



फाइल फोटो

इंदौर और उज्जैन की ओर से आने-जाने वाली यात्री बसों को हलालपुर बस स्टैंड से आगे लालघाटी की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। राजगढ़-ब्यावरा से आने वाली बसें खजूरी बायपास और बैरागढ़ मार्ग से हलालपुर पहुंच सकेंगी। नादरा बस स्टैंड जाने वाली बसों को मुबारकपुर, गांधीनगर, करोंद और जेपी नगर होकर जाना होगा।

भारी वाहनों का रूट बदलेगा

भदभदा चौराहा से भारत माता चौराहा, स्मार्ट रोड, पॉलीटेक्निक, कमला पार्क, रेतघाट, वीआईपी रोड, लालघाटी और गांधीनगर तिराहे तक भारी, मालवाहक और अनुमति प्राप्त वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। इन्हें नेहरू नगर, भदभदा, नीलबड़, नाथू बरखेड़ा रोड, मुगालिया छाप, खजूरी सड़क और मुबारकपुर होकर जाना होगा।

सामान्य वाहनों पर भी असर

स्टेट हैंगर से होटल ताज की ओर आवागमन के दौरान यातायात दबाव बढ़ने पर सामान्य दोपहिया और चार पहिया वाहनों के मार्ग बदले जाएंगे। बैरागढ़, एयरपोर्ट और राजगढ़-ब्यावरा जाने वाले वाहन चालकों को शहर के अंदरूनी मार्गों के बजाय वैकल्पिक रूट लेना होगा। सीहोर-इंदौर की ओर जाने वालों को नीलबड़, रातीबड़ और झागरिया होकर जाना होगा।

एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड को छूट

आकस्मिक सेवाओं वाले वाहनों, जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड, पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं रहेगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर न जाएं और पहले से वैकल्पिक रूट तय कर लें। किसी असुविधा की स्थिति में यातायात पुलिस के नंबर 0755-2677340 और 2443850 पर संपर्क किया जा सकता है।

एयरपोर्ट की ओर जाने वाहनों के लिए यह रूट

भोपाल शहर से सीहोर-इंदौर, राजगढ़-ब्यावरा और एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन प्रभात चौराहा, जेके रोड, रत्नागिरी, अयोध्या बायपास, भानपुर, करोंद, नई जेल और गांधीनगर तिराहे होकर जा सकेंगे।

बीएचईएल दशहरा मैदान जाने वाले वाहन चालक इन मार्गों पर आने-जाने से बचें, पुलिस ने जारी किए वैकल्पिक रास्ते

भेल गेट नंबर-6 पर यात्रियों को उतारेंगी बसें

बीएचईएल दशहरा मैदान में 3 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए भोपाल यातायात पुलिस ने शहर में यातायात, डायवर्जन, ड्रॉप एंड गो और पार्किंग की व्यवस्था में बदलाव किया है। कार्यक्रम के दौरान सुबह 9 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक दशहरा मैदान के आसपास भारी, मालवाहक और व्यावसायिक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे प्रभावित मार्गों से बचकर वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें।

सीहोर, फंदा और खजूरी की ओर से आने वाली बसें खजूरी सड़क-भौरी बाईपास-बकानिया डिपो-मुबारकपुर-लांबाखेड़ा-चोपड़ा कला-पटेल नगर-आनंद नगर-रत्नागिरी-पिपलानी होते हुए महात्मा गांधी चौराहा, भेल गेट नंबर-6 पर यात्रियों को उतारेंगी। इसके बाद बसें जंबूरी मैदान पार्किंग में खड़ी की जाएंगी। इसी तरह राजगढ़-ब्यावरा, परवलिया तथा विदिशा-सुखी सेवनिया की ओर से आने वाली बसों के लिए भी भेल गेट नंबर-6 ड्रॉप प्वाइंट रहेगा। रायसेन तथा हरदा-नर्मदापुरम की ओर से आने वाली बसें खजूरी कलां से एसओएस रोड होते हुए महात्मा गांधी चौराहा, भेल गेट नंबर-6 पहुंचेंगी। भोपाल शहर से आने वाली बसें प्रभात चौराहा-आईटीआई तिराहा होते हुए हेमा स्कूल पर यात्रियों को उतारेगी और निर्धारित पार्किंग में खड़ी होंगी।

कल वाहन चालक इन वैकल्पिक मार्गों का करें इस्तेमाल

महात्मा गांधी चौराहे से करियर कॉलेज की ओर जाने वाले वाहन बरखेड़ी, गुलाब उद्यान तिराहा, कस्तूरबा अस्पताल होते हुए आईएसबीटी-चेतक ब्रिज की ओर जा सकेंगे। चेतक ब्रिज गोविंदपुरा से महात्मा गांधी चौराहे की ओर जाने वाले वाहन सांची डेयरी कट, कस्तूरबा अस्पताल, गुलाब उद्यान रोड और बरखेड़ा मार्केट होकर जा सकेंगे। अवधपुरी से एमपी नगर की ओर आने वाले वाहन सेंट जेवियर स्कूल के पीछे से बरखेड़ा मार्केट और एम्स अस्पताल होकर जा सकेंगे। आईटीआई तिराहे से करियर कॉलेज होकर चेतक ब्रिज जाने वाले वाहन सिक्योरिटी लाइन चौराहे से सावंतिका पेट्रोल पंप तिराहा होकर निकल सकेंगे।

आयोजन के कारण इन रास्तों पर रहेगा यातायात का दबाव

गोविंदपुरा टर्निंग, अन्ना नगर तिराहा, करियर कॉलेज, सद्भावना चौराहा, भेल गेट नंबर-6, महात्मा गांधी चौराहा और सिक्योरिटी लाइन चौराहे के आसपास यातायात का दबाव रहेगा। वाहन चालकों को इन मार्गों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी गई है।

आईएसबीटी से नादरा बस स्टैंड की ओर बसें प्रतिबंधित

होशंगाबाद, जबलपुर, छिंदवाड़ा और बैतूल की ओर से आने वाली बसें 11 मील-हबीबगंज नाका होते हुए आईएसबीटी जाएंगी। आईएसबीटी से आगे नादरा बस स्टैंड की ओर इनका प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सागर, छतरपुर और दमोह की बसें पटेल नगर बायपास-11 मील-हबीबगंज नाका होते हुए आईएसबीटी जाएंगी। इंदौर-उज्जैन की ओर से आने वाली बसें हलालपुर बस स्टैंड का उपयोग करेंगी और वहां से आगे लालघाटी की ओर प्रवेश नहीं कर सकेंगी। गुना, राजगढ़ और ब्यावरा की बसें मुबारकपुर बाईपास-गांधीनगर-लालघाटी होते हुए हलालपुर बस स्टैंड जाएंगी, लेकिन लालघाटी से शहर की ओर इनका प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि कार्यक्रम के दौरान निर्धारित डायवर्सन और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें तथा समय बचाने के लिए प्रभावित मार्गों पर जाने से पहले वैकल्पिक रास्ते का उपयोग करें।

चार सदस्यीय टीम को पांच दिन में पेश करनी है जांच रिपोर्ट

भाजपा नेता की करंट से मौत को चार दिन बीते, अब तक जांच की शुरुआत ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पांच दिन पहले डीबी मॉल के सामने स्थित सड़क के बीच में लगे पोल पर करंट लगने से अधिवक्ता और भाजपा नेता दिव्यऋषि तिवारी की मौत की जिम्मेदारी अब तक किसी पर नहीं आई है। एमपी नगर पुलिस ने मर्ग जांच के बाद नगर निगम, बिजली विभाग और स्मार्ट सिटी को पत्र लिखकर पोल के बारे में जानकारी तलब की है।

इधर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने एडीएम सुमित पांडे के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम गठित की है, जिसे पांच दिन में जांच रिपोर्ट पेश की जानी थी, लेकिन आदेश आदेश के चार दिन गुजरने के बाद भी जांच की शुरूआत ही नहीं की गई है। अफसर अब तक जांच को लेकर बिंदू तक तय नहीं कर सके हैं। ऐसे में करंट से हुई मौत को लेकर मृतक के परिजन भी पुलिस और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं।



घटना के बाद करंट वाले पोल के आसपास बेरिकेड्स लगा दिए गए।

पुलिस ने निगम बिजली कंपनी और स्मार्ट सिटी को लिखा पत्र

अफसर जांच को लेकर बिंदू तक तय नहीं कर सके

पोल के आसपास लगाए बैनर-पोस्टर

डीबी मॉल के सामने करंट से मौत के बाद बिजली कंपनी ने लोहे के पोल के आसपास बैनर लगा दिए हैं, जिसमें आम लोगों को पोल से हाटा नहीं लगाने की नसीहत दी गई है। बैनर में लिखा गया है कि पोल पर खतरा हो सकता है।



लोहे के पोल के आसपास बैनर लगा दिए।

जांच में निगम, मेट्रो, बिजली कंपनी की भूमिका आएगी सामने

चार सदस्यीय जांच कमेटी में एडीएम सुमित पांडे, सीएमएचओ मशीष शर्मा, मोहम्मद जावेद कार्यपालन यंत्री बिजली विभाग और प्रदीप सिंह चौहान अधीक्षण अभियंता बिजली कंपनी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच में अधिकारी या जिम्मेदार व्यक्ति की लापरवाही सामने आएगी। इसके बाद पुलिस गैर इरादतन हत्या का केस दर्जकर सकती है।



हादसे के बाद बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था, लगी लंबी कतारें

करोंद-अयोध्या बायपास पर साढ़े 3 घंटे सड़कें जाम, करोंद से मिनाल गेट तक रेंगते रहे वाहन

बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हुए काफी परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

करोंद-अयोध्या बायपास से मिनाल गेट तक गुरुवार शाम वाहन चालकों के लिए करीब साढ़े तीन घंटे मुसीबत भरे रहे। सड़क हादसे के बाद शाम करीब 5 बजे ऐसा ट्रैफिक जाम लगा कि सड़क पर गाड़ियां इंच-इंच रेंगती रहीं। बस, कार, ट्रक और दोपहिया वाहन एक-दूसरे के पीछे फंसे रहे। कुछ किलोमीटर का रास्ता तय करने में लोगों को घंटों लग गए। जाम में फंसे कई परिवारों के बच्चे भूख-प्यास से परेशान होकर रोने लगे, जबकि बुजुर्ग और महिलाएं भी बेहाल नजर आए।

जाम के दौरान कई जगह वाहनों की टक्कर और निकलने की होड़ में वाहन चालकों के बीच विवाद की स्थिति भी बनी। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन पीक ऑवर्स में वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता गया।



अयोध्या बायपास पर लंबे ट्रैफिक जाम में फंसे लोग।

सड़क हादसे के साथ सड़क निर्माण ने भी बढ़ाई परेशानी

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार अयोध्या बायपास रूट पर एक निजी अस्पताल के पास सड़क हादसा होने के बाद यातायात प्रभावित हुआ। इस मार्ग पर इन दिनों सड़क को दस लेन किए जाने का काम भी चल रहा है। निर्माण के चलते कई जगह खुदाई और सड़क किनारे मिट्टी पड़ी होने से वाहनों के निकलने की जगह सीमित हो गई है। ऐसे में हादसे के बाद स्थिति और बिगड़ गई।

घर से निकले, घंटों सड़क पर फंसे रहे

पीक ऑवर्स में जाम बढ़ने के बाद करोंद से मिनाल गेट तक सड़क पर दूर-दूर तक वाहनों की कतार दिखाई दी। रोजमर्रा के काम से निकले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। कई लोग बाजार से सामान या सब्जी लेने निकले थे, लेकिन जाम में इस तरह फंसे कि घर लौटने में भी घंटों लग गए। बसों में बैठे यात्रियों को भी लंबे समय तक एक ही जगह रुकना पड़ा।

रात 8:30 बजे सामान्य हो सका रूट का ट्रैफिक

करोंद-अयोध्या बायपास और मिनाल गेट के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक वाहन चालक जाम से जूझते रहे। ट्रैफिक पुलिस की मशक्कत के बाद रात करीब 8:30 बजे दोनों तरफ यातायात सामान्य हो सका। हालांकि जाम खुलने के बाद भी वाहन चालकों को काफी देर तक धीमी रफ्तार से ही आगे बढ़ना पड़ा।

आम लोग 25 तक पेश कर सकेंगे आपत्तियां

पांच दिन में 245 आपत्तियां, सड़कों के अलाइनमेंट एवं लैंडयूज हटाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट पर दावे-आपत्तियां दर्ज कराने का सिलसिला तेज हो गया है। 26 सितंबर को ड्राफ्ट जारी होने के पांच दिनों के भीतर ऑनलाइन पोर्टल पर 232 और गुरुवार को टीएंडसीपी कार्यालय में 13 आफलाइन आपत्तियां दर्ज कराई गईं। आपत्तियों में मुख्य रूप से 18 मीटर चौड़ी सड़कों के अलाइनमेंट में बदलाव, ग्रीन बेल्ट और कृषि भूमि को आवासीय करने और कालापानी को सेंसिटिव जोन से बाहर रखने की मांग शामिल है।

बैरागढ़ कलां सहित कई गांवों की पुरानी बसाहटों को प्रतिबंधित क्षेत्र में रखने पर विरोध जताया गया है। वहीं लहारपुर में 30 साल से खेती वाली 643 एकड़ जमीन को



डूब क्षेत्र से बाहर करने और बाघ मूवमेंट वाले इलाकों से प्रस्तावित सड़कें हटाने की मांग की गई है। इधर अर्बन रिसर्च और क्रेडाई के अध्यक्ष मनोज मीक का कहना है कि 1016.90 वर्ग किमी और 254 गांवों के इस वृहद प्लान को सिर्फ 51 किलोमीटर लंबे ग्रोथ कॉरिडोर तक सीमित देखना गलत होगा। ड्राफ्ट में 83.18 किलोमीटर की आउटर रिंग रोड, मेट्रो, पश्चिम बायपास और प्रमुख रेडियल मार्ग शामिल हैं।

एक टीम पहुंची पटियाला आरोपी के घर, अन्य टीम संभावित ठिकानों पर दे रही दबिश

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल के हत्यारे वरुण की लोकेशन बीना और ग्वालियर में मिली, दस से ज्यादा टीम कर रहीं आरोपी की तलाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरज नगर पनघट कॉलोनी के पीछे फॉर्म हाउस में रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या करने वाले हत्यारे वरुण का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं लग सका है। आरोपी वरुण फार्म हाउस से कुछ नगदी और जेवर सहित राकेश अग्रवाल का मोबाइल चुराकर ले गया है। पचास से ज्यादा पुलिसकर्मी की अलग-अलग टीम आरोपी वरुण की तलाश में जुटी है।

वरुण की लोकेशन बीना में मिली थी। इसके बाद पर पुलिस की टीम बीना पहुंची। बाद में लोकेशन ग्वालियर और आगरा में भी मिली। लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम दबिश दे रही हैं। इसके साथ ही एक टीम पटियाला आरोपी के निवास पर पहुंची थी। वहां पूछताछ की गई, लेकिन पुलिस को असफलता ही हाथ लगी।

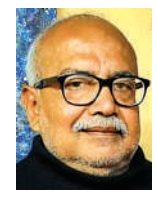
सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले अमर को रात एक बजे फॉर्म हाउस के बाहर नजर आया था वरुण

परेशान और घबराया हुआ नजर आ रहा था आरोपी



इसी फार्म हाउस में हुई थी हत्या।

फार्म हाउस के सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले अमर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या सहित लूटपाट और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। अमर सिंह से पूछताछ में पता चला कि वह केरवा रिसॉर्ट में नौकरी करता है, जबकि उसकी पत्नी राकेश अग्रवाल के घर खाना बनाने जाती थी। रात करीब एक बजे वह ड्यूटी से लौटा तो उसे वरुण फॉर्म हाउस के बाहर नजर आया था। अमर सिंह ने वरुण से पूछा कि बाहर क्या कर रहा है। इस पर वह कहने लगा कि आवाज आई थी तो देखने आया था। अमर सिंह को वरुण परेशान और घबराया हुआ नजर आ रहा था। इससे अनुमान है कि उस वक्त उसने राकेश की हत्या कर दी थी।



हॉल में सोता था हत्यारा

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि वरुण हॉल में सोता था, जबकि अंदर वाले कमरे में राकेश सोते थे और एक अन्य कमरा उनकी पत्नी का था। रात में वरुण ने राकेश को दवा दी थी। राकेश अपने कमरे का दरवाजा खुला छोड़कर सोते थे। वरुण ने रात 11 बजे से दो बजे के बीच हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। सीसीटीवी में वह रात दो बजे के आसपास फार्म हाउस से निकलता हुआ नजर आया।

दो सिलेंडर का वॉल्व खोला, प्रेस चालू छोड़ी

वरुण चाहता था कि फार्म हाउस में आग लग जाए और सारे सबूत आग के साथ मिट जाएं। लिहाजा उसने रेग्युलेटर ऑन कर दिया था। आग उसके जाने के बाद लगे, इसलिए उसने एक प्रेस बोर्ड में लगाकर चालू कर दी थी। शातिर वरुण का सोचना था कि प्रेस गर्म होंगी और सिलेंडर की गैस रिसने के बाद आग लग जाएगी।

इनपुट मिलने के बाद उस जगह सर्चिंग कर रही पुलिस

आरोपी की धरपकड़ के लिए अलग-अलग टीम लगी हुई हैं। थाना पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस को जहां से भी इनपुट मिल रहा है, वहां पहुंचकर सर्चिंग की जा रही है। पुलिस सर्चिंग में लोकल पुलिस की भी मदद ले रही है। अंकिता खातरकर, एसीपी टीटी नगर

पेज एक का शेष...

लोकतंत्र का मतलब...

है, लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना और बहुमत साबित करना नहीं है। बल्कि हर नागरिक को बिना किसी भय के अपनी बात रखने और जीने की स्वतंत्रता देने में निहित है। गांधी का मानना है कि एक स्वस्थ राजनीति में विपक्ष की भूमिका और जनता के असहमति व्यक्त करने के अधिकार का सम्मान होना चाहिए।

विविधता और सहिष्णुता ....

समभाव को अक्षुण्ण रखना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। किसी भी प्रकार का धार्मिक कट्टरवाद या बहुसंख्यकवाद देश की पहचान को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ धर्म का विरोध करना नहीं, बल्कि सभी धर्मों और आस्थाओं को समान सम्मान देना है।

नैतिक अंतःकरण...

नैतिक अंतःकरण और आत्म-नियंत्रण (स्वराज) में निहित है। नंदी का मानना है कि आधुनिकता और बढ़ती बाजारवादी संस्कृति ने इंसान को संयम के बजाय अंतहीन लालच की ओर धकेला है, जो भ्रष्टाचार का मुख्य कारण है।

डिजिटल युग में ...

नफरत और ध्रुवीकरण को रोकने के लिए वाणी और आचरण में अहिंसा को अपनाना सबसे अनिवार्य आवश्यकता है। महात्मा गांधी के मूल साहित्यों का हवाला देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अहिंसा का अर्थ कायरता या अन्याय को सहना नहीं है, बल्कि यह अन्याय के खिलाफ आत्म-बल और नैतिक साहस का प्रयोग है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से बचने तक सीमित नहीं है। सच्ची अहिंसा विचारों और भाषा से शुरू होती है।

विपक्ष का विवेक...

दोनों के साझा विवेक से संचालित होता है, जहां शासन का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति की सुरक्षा और कल्याण होना चाहिए। सरकार को असहमतियों और आलोचनाओं को दबाने के बजाय उन्हें लोकतंत्र को मजबूत करने का माध्यम मानना चाहिए।

राहुलः वंचितों को...

पलटवार करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि राहुल गांधी को आरोप लगाने से पहले खुद के गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि कांग्रेस सरकार में उन्हीं के मंत्री रहे लिखीराम कांवरे की नृशंस हत्या कर दी गई तब क्या राहुल गांधी ने उनके घर जाकर संवेदनाएं व्यक्त की है। राहुल गांधी ने कहा कि कुपोषण और बीमारी के कारण बच्चों की मौत हुई है। इसका समय पर इलाज न मिलना सरकार का फेलियर है। दावा किया कि आधे से ज्यादा लोगों को मुआवजा तक नहीं दिया गया। ऐसा लगता है जैसे आदिवासियों को भारत के बीचों-बीच अकेला छोड़ दिया गया हो, मानो उनके लिए न तो केंद्र सरकार है और न ही मप्र सरकार।

लाड़लियों को नही ...

योजना का पैसा काट लिया जाता है। अगर सरकार दो योजनाएं चला रही है, तो लोगों को दोनों योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हमारी सरकार आने पर आदिवासी समुदाय की हरसंभव मदद की जाएगी। वन अधिकार कानून के तहत उन्हें उनका अधिकार दिलाया जाएगा और शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हम उन्हें वनवासी नहीं, बल्कि आदिवासी कहते हैं।

लोकसभा में ...

आएगी, हम इनकी मदद करेंगे। हम बिल लाएंगे। हम इन्हें वनवासी नहीं कहते हैं। हम इन्हें आदिवासी कहते हैं। शिक्षा मिलना चाहिए, स्वास्थ्य सेवा मिलना चाहिए, इन्हें इनका हक मिलना चाहिए। लोकसभा में मामला उठाऊंगा। सिर्फ इनका नहीं, पूरे देश के आदिवासियों का मुद्दा उठाऊंगा।

केवल भाजपा से ...

चाहिए कि कांग्रेस के लंबे शासनकाल में आदिवासी क्षेत्रों के विकास और वहां की समस्याओं के समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए। देब ने कहा कि राहुल गांधी केवल भाजपा से सवाल न करें, कांग्रेस के शासनकाल का हिसाब भी जनता को दें। खंडेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि बालाघाट में नक्सलवाद किसके शासनकाल में पनपा। उन्होंने कांग्रेस सरकार के दौरान तत्कालीन मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता लिखीराम कांवरे की नक्सलियों द्वारा हत्या का जिक्र करते हुए सवाल किया कि कांग्रेस इस घटना की जिम्मेदारी से कैसे बच सकती है। पूछा कि क्या राहुल कभी लिखीराम कांवरे के परिवार के साथ बैठे और उनकी पीड़ा समझने का प्रयास किया।

गुटबाजी और नाराजगी ...

बातचीत के माध्यम से दूर करने की सलाह दी है। हालांकि इसके साथ ही हालात नहीं संभलने की स्थिति में जानकारी प्रदेश नेतृत्व और प्रभारी के समक्ष रखने की बात कही है। उन्होने स्पष्ट कहा है कि समझाने के बाद भी कोई नहीं मानता है तो उनके नाम और मोबाइल नंबर की सूची प्रदेश नेतृत्व और प्रभारी को भेजें। इसके अलावा भी आगामी रणनीति और संगठन की मजबूती को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। इस बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, सह प्रभारी रेखा वर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

जेसीबी से फूल बरसाना तत्काल बंद करें: देब ने कहा कि नेताओं के स्वागत में जेसीबी से फूल बरसाने की संस्कृति तत्काल बंद करिए। बड़ी मालाओं और दिखावे की जगह सादगी अपनाइए। होर्डिंग और बैनर में नेताओं की बड़ी तस्वीरों की बजाय केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार कीजिए।

पाक को रौंदकर भारत ...

थीं, लेकिन अंतिम मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारत को जीत दिला दी। अभिषेक का यह गोल मैच खत्म होने से 49.2 सेकंड पहले आया। यह बढ़त निर्णायक साबित हुई और भारत ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। भारत का सामना शनिवार, 3 अक्टूबर को स्वर्ण पदक के मुकाबले में मलेशिया से होगा।

आज भोपाल आएंगे ...

में शामिल होकर उनसे संवाद करेंगे। इसमें प्रदेशभर से 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे।

2027 के ग्लोबल...

की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के प्रयासों से भी प्रधानमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शुरू की गई 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' के संबंध में भी जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने ...

परिवार के सदस्यों से मिले हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने गुरुवार को दुबई में उनके परिवार से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बुधवार को उड़ान भरने वाले इस विमान में 174 लोग सवार थे। उड़ान के दौरान को-पायलट ने मछार पर चाकू से हमला कर दिया और विमान का नियंत्रण बिगाड़ने की कोशिश की। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, को-पायलट ओमान का नागरिक है। हमले के दौरान विमान महज 30 सेकंड से भी कम समय में करीब 14 हजार फीट नीचे चला गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मछार ने हमलावर का सामना किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। कैप्टन को प्राथमिक उपचार देने के बाद विमान की सऊदी अरब में आपात लैंडिंग कराई गई।

13 साल से ज्यादा का ...

ट्रेनिंग ली। स्पाइसजेट में 10 साल से अधिक समय तक काम किया।

पीएम मोदी ने ...

एक हीरो हैं। बेहद गंभीर खतरे के बीच और खुद बुरी तरह घायल होने के बावजूद उन्होंने जबरदस्त हिम्मत दिखाई और दूसरों की जान बचाने के अपने इरादे से पीछे नहीं हटे। उनकी बहादुरी की वजह से सैकड़ों लोगों की जान बचाई जा सकी और एक बड़ी त्रासदी टल गई। उन्होंने आगे कहा कि भारत को कैप्टन मछार पर गर्व है।

नेतन्याहू और ट्रंप ...

असाधारण बहादुरी को मेरा सलाम। उन्होंने उन्हें 'सच्चा हीरो' बताते हुए उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कैप्टन स्मित मछार को 'हीरो' करार दिया।

NAME CHANGE

I, Omprkash Patel S/O: Siyaram Patel, R/O gram devmath post chingwah, Chinagwah, Sidhi, Madhya Pradesh - 486666, have changed the name of my minor son Aavishesh Patel aged 14 Years and he shall hereafter be known as ABHISHEK PATEL

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल
यांत्रिक विभाग जोन क्र. 09 महावीर चांदबड़

क्रमांक 284/याँ.वि. जोन 09/26 — निविदा आमंत्रण सूचना — भोपाल, दिनांक 29/09/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू.में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
1.	2026_UAD_539145_1	Construction of C.C road and Drain At Nandu Yadav house Near purani kalhari ward 35 zone 09	355,853/-	15-OCT-26	05:30 PM
2.	2026_UAD_539147_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD, DRAIN AND CHAMBER FROM MUJEEB BHAI HOUSE TO SHERA BHAI HOUSE BARKHEDI WARD 35 ZONE 09	759,402/-	15-OCT-26	05:30 PM
3.	2026_UAD_539146_1	CONSTRUCTION OF DRAIN NEAR SWAGAAT GATE BARKHEDI FATAK WARD 35 ZONE 09	344,823/-	15-OCT-26	05:30 PM
4.	2026_UAD_539151_1	CONSTRUCTION OF PIYAU NEAR BARKHEDI FATAK WARD 35 ZONE 09	453435/-	15-OCT-26	05:30 PM

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

नि.क्र.818/026/027

कार्यालय पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/पु.उपा./मुख्या/न.पु./भो/निविदा/2158/2026 — दिनांकः- 29/09/2026

// ई-निविदा सूचना //

"मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 यथा संशोधित 2022" एवं पुलिस मुख्यालय के नियमानुसार इस कार्यालय द्वारा यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित 13 स्थानों पर Traffic Signal (Solar Hybrid Automatic Signal System With Cantilevers with 03 Year AMC) स्थापना एवं मेंटेनेंस कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा शुल्क	अनुमानित व्यय राशि (जीएसटी सहित)	ईएमडी
1.	13 Traffic Signal (Solar Hybrid Automatic Signal System With Cantilevers with 03 Year AMC)	10,000/-	1,95,00,000/-	5,85,000/-

1. निविदा पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) नगरीय पुलित्त भोपाल म.प्र. के नाम से बेदसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑन लाईन जमा की जावेंगी ।
2. निविदा शुल्क ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य है। ईएमडी में पात्रतानुसार छूट प्राप्त की जा सकेगी।
3. म.प्र. पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in एवं www.mptenders.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है। साथ ही निविदा के संबंध में रक्षित निरीक्षक कार्यालय, पुराना कंट्रोल रूम से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

अनुसूची -

निविदा पब्लिकेशन दिनांक	दिनांक 29/09/2026 के 16.00 बजे
निविदा डाउनलोड करने की दिनांक	दिनांक 29/09/2026 के 16.00 बजे से
प्रिबिड मीटिंग दिनांक	दिनांक 09/10/2026 के 12.00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	दिनांक 21/10/2026 के 18.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 22/10/2026 के 18.00 बजे
निविदा खोले जाने का स्थान	थाना यातायात नगरीय पुलिस भोपाल

G-19315/26

" स्वच्छता ही सेवा "

पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय)
नगरीय पुलिस, भोपाल

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, कविता चौहान, विधिवत विवाहित पत्नी सेना संख्या- 4271820 , पद- EX HAV (पूर्व हवलदार), नाम महिमा राम, निवासी ग्राम-पिपरी ठीकरी , तहसील-ठीकरी, जिला- बड़वानी (मध्यप्रदेश) पिन कोड–451660 की पत्नी हूँ। मैंने अपना नाम **कविता चौहान** से बदलकर **कविता मण्डलोई** कर लिया है। उक्त नाम परिवर्तन के संबंध में शपथ-पत्र दिनांक 11/09/2026, जो कि प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, जिला- बड़वानी (म.प्र.) के समक्ष सत्यापित है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, सेना संख्या- 4271820 , रैंक- EX HAV, नाम- महिमा राम, पिता का नाम- बिलमन मण्डलोई, निवासी ग्राम पिपरी ठीकरी, तहसील- ठीकरी, जिला बड़वानी (मध्यप्रदेश) पिन कोड–451660 ने अपने सेवा अभिलेखों में दर्ज नाम **"महिमा राम"** को परिवर्तित कर **"महिमा राम मण्डलोई"** कर लिया है। उक्त नाम परिवर्तन के संबंध में शपथ-पत्र दिनांक 11/09/2026 जो कि प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, जिला- बड़वानी (म.प्र.) के समक्ष सत्यापित है।



नाम परिवर्तन

स्वेता यादव (SWETA YADAV) पुत्री श्री राजन सिंह निवासी ग्राम - बरई तह.- बैरसिया जिला- भोपाल, म.प्र. मेरा आधार कार्ड मे नाम नाम श्वेता (Swata Yadav) है व मेरी अंक सूचियो मे नाम स्वेता यादव है भविष्य मे मुझे स्वेता यादव (SWETA YADAV) नाम से जाना व पहचाना जायेगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक









बेचना है

बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100×50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)

(RO-41750)
02/09/26 to 05/10/26





R-30-07-2026,to 11-08-26
SUNDAY HOLD

खोया पाया सूचना

आम सूचना

दिनांक 30.09.2026 को करोंद चौराहा, भोपाल से आरती अहिरवार पिता रमेश अहिरवार का नर्सिंग रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र/रजिस्ट्रेशन दस्तावेज कहीं गुम हो गया है। काफी तलाश करने के बाद भी दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ।

नर्सिंग रजिस्ट्रेशन क्रमांकः
AI-43755, DII-43105
रजिस्ट्रेशन दिनांकः 06.04.2021

उक्त रजिस्ट्रेशन की वैधता समाप्त हो गई है तथा नवीनीकरण के लिए मूल रजिस्ट्रेशन दस्तावेज आवश्यक है। अतः किसी सज्जन को उक्त दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर सूचना देने का कष्ट करें।

हिंदी में नाम :
आरती अहिरवार पिता रमेश अहिरवार
English Name:
Aarti Ahirwar D/o Ramesh Ahirwar
मिलने पर उचित सूचना देने वाले का आभार।

पता : म.न.276, स्कॉटिश गार्डन, संजीव नगर न्यू जेल रोड, भोपाल
मोबाइल : 7389554298

न्यायालय तहसीलदार राजधानी परियोजना टी टी नगर भोपाल

(शेड नं. 06 बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल)
प्र.क्र. 0281/अ-6/2026-27
// इश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री अमर सिंह आ. श्री एम.आर. सिंह एवं श्रीमती लोंगश्री पत्नी श्री अमर सिंह निवासीगण एनजीओ के-80, पुलिस लाईन, नेहरू नगर भोपाल द्वारा ग्राम खुदागंज स्थित खसरा नंबर 84/12 का अंश भाग प्लाट क्रमांक 27 क्षेत्रफल 1250 वर्गफिट का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकरण में 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
टी.टी. नगर वृत्त भोपाल

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

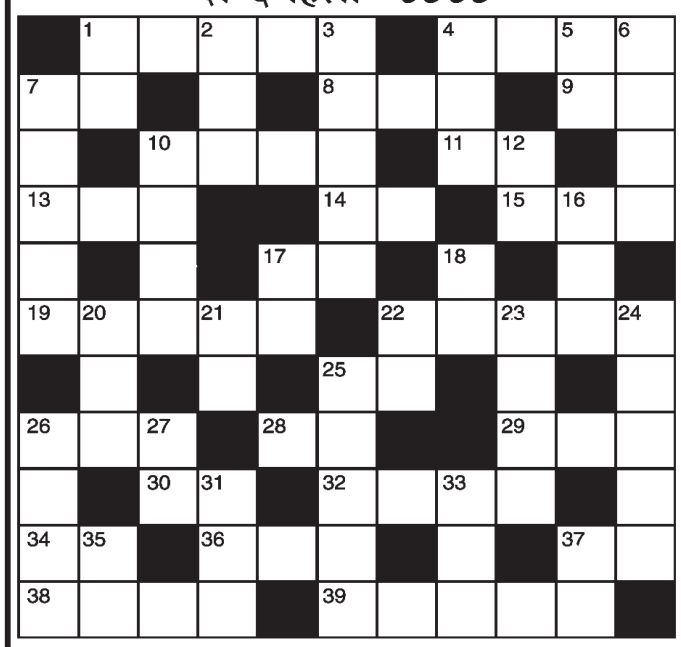
धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर — क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 6365



बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्ट्रीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6364 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	चा	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	रा	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ख़	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल - 6375 — कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6374 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

खबर संक्षेप

रोहित बने फ्रेयर एनर्जी के ब्रांड एंबेसडर

हैदराबाद। प्रमुख रेसिडेंशियल रूफटॉप सोलर कंपनियों में शामिल फ्रेयर एनर्जी ने भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस साझेदारी के साथ कंपनी ने अपना राष्ट्रव्यापी अभियान 'सोलर हो, तो फ्रेयर हो! भी लांच किया। अभियान का मुख्य संदेश यह है कि रूफटॉप सोलर करीब 30 साल का निवेश है, इसलिए परिवारों को ऐसी कंपनी का चुनाव करना चाहिए जो लंबे समय तक भरोसेमंद प्रदर्शन और सेवा दे सके।

एनआईएस मैनेजमेंट को मिले 120 करोड़ के ऑर्डर

मुंबई। एनआईएस मैनेजमेंट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में कारोबार के विस्तार और वित्तीय प्रदर्शन में मजबूती दर्ज की है। कंपनी ने आयोजित अपनी पहली वार्षिक आम बैठक में कारोबार की प्रगति और रणनीतिक प्राथमिकताओं की जानकारी दी। यह बैठक 2 सितंबर 2025 को बीएसई के एसएमई मंच पर कंपनी के सूचीबद्ध होने के बाद आयोजित की गई। कंपनी के अध्यक्ष देबजीत चौधरी ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कंपनी की विकास यात्रा, मजबूत होती वित्तीय स्थिति और ग्राहक आधार के विस्तार की जानकारी दी।

ओबेन बनी देश की नंबर-1 इलेक्ट्रिक ब्रांड

बेंगलुरु। अनुसंधान एवं विकास आधारित इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल निर्माता ओबेन इलेक्ट्रिक ने सितंबर 2026 में अब तक का सबसे बेहतर मासिक प्रदर्शन दर्ज किया है। वाहन पंजीकरण के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने सितंबर में 1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का पंजीकरण कराया और कंपनी के अनुसार इसी के साथ वह देश की नंबर-1 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ब्रांड बन गई। कंपनी ने बताया कि इस प्रदर्शन में उसकी नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रॉर इवो की अहम भूमिका रही।

एशियन के हाइड्रोना और अल्ट्रा वुड एडहेसिव लांच

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स वुड एडहेसिव ने वुडवर्किंग क्षेत्र के लिए दो नए उत्पाद एशियन पेंट्स हाइड्रोना और एशियन पेंट्स अल्ट्रा लांच किए हैं। कंपनी के अनुसार, दोनों एडहेसिव को बेहतर टिकाऊपन, आसान उपयोग और मजबूत बॉन्डिंग के साथ विकसित किया गया है। देशभर के 250 डिस्ट्रीब्यूटर्स ने मिलकर 384 वर्ग फुट का वुडन मोजेक तैयार किया। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 'किसी संगठन द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा लकड़ी का मोजेक आर्टवर्क'के रूप में मान्यता दी।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने मेजबानी की

बेंगलुरु। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने मलेशिया की बागान एवं जिंस मंत्री वाईबी दातुक सेरी डॉ. नोरैनी अहमद के नेतृत्व वाले उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। प्रतिनिधिमंडल में मलेशिया के बागान एवं जिंस मंत्रालय, चेन्नई स्थित महावाणिज्य दूतावास, मलेशियन पाम ऑयल काउंसिल, मलेशियन पाम ऑयल बोर्ड और मलेशियन सस्टेनेबल पाम ऑयल के प्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक में ऑयल पाम नवाचार, कृषि और घरेलू कीटनाशक क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई।

क्यूपिड को 800 करोड़ के राजस्व का अनुमान

मुंबई। क्यूपिड लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में मजबूत कारोबारी रफ्तार के संकेत दिए हैं। कंपनी को दूसरी तिमाही में कुल राजस्व 200 करोड़ रुपए से अधिक रहने की उम्मीद है। कारोबार की मजबूत गति और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेहतर संभावनाओं को देखते हुए प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2027 के लिए राजस्व का अनुमान बढ़ाकर 800 करोड़ रुपए से अधिक और शुद्ध मुनाफे का अनुमान 250 करोड़ रुपए से अधिक कर दिया है। कंपनी के अनुसार, दूसरी तिमाही की मजबूत रफ्तार तीसरी और चौथी तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है।

विद्यार्थियों में बढ़ा उत्साह अब तक करीब एक हजार पंजीकरण, तैयारियां तेज

विश्वविद्यालय पतंजलि में प्राच्यविद्या सम्मेलन के पंजीकरण की तिथि बढ़ी, अब 10 अक्टूबर तक करा सकेंगे पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरिद्वार

विश्वविद्यालय पतंजलि में आयोजित होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन के लिए विद्यार्थियों और शोधार्थियों में बढ़ते उत्साह को देखते हुए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। सम्मेलन के लिए अब तक करीब एक हजार विद्यार्थी पंजीकरण करा चुके हैं। बढ़ती सहभागिता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को सम्मेलन से जुड़ने का अवसर देने के लिए समय-सीमा बढ़ाई है।

देश-विदेश के विद्वानों का होगा संगम



विश्वविद्यालय पतंजलि परिसर

सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वानों, आचार्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की सहभागिता होगी। इस दौरान संस्कृत, भारतीय दर्शन, धर्म, योग, आयुर्वेद, इतिहास, पुरातत्त्व, भाषाविज्ञान, पांडुलिपि विज्ञान, भारतीय ज्ञान प्रणाली, साहित्य, कला और शिक्षा सहित विभिन्न विषयों पर शोध एवं अकादमिक विमर्श होगा। भारतीय अनुसंधान पद्धति, कुंभ रहस्यम, भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत एवं संगणकीय भाषाविज्ञान तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राचीन भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय सौंदर्यशास्त्र और काव्यशास्त्र जैसे विषय भी चर्चा के प्रमुख केंद्र होंगे।

पंडित परिषद रहेगी विशेष आकर्षण

सम्मेलन की पारंपरिक विशेषता पंडित परिषद भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें पारंपरिक शास्त्र-परंपराओं में प्रशिक्षित विद्वान गंभीर शास्त्रीय विमर्श और संवाद करेंगे। इसके माध्यम से प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक अकादमिक दृष्टिकोण के बीच संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन में युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वरिष्ठ विद्वानों के समक्ष अपने मौलिक शोध प्रस्तुत करने और अकादमिक मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शोध-सारांश और पूर्ण शोध-पत्र संस्कृत, हिंदी एवं अंग्रेजी में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। शोध-पत्रों की अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दोहरा गुप्त सहकर्मी मूल्यांकन अपनाया जाएगा। अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन की परंपरा वर्ष 1918 से चली आ रही है। विश्वविद्यालय पतंजलि, हरिद्वार में आयोजित होने वाला 52वां सम्मेलन 'विरासत का संरक्षण, भविष्य की प्रेरणा' की भावना के साथ भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा को नई पीढ़ी और वैश्विक अकादमिक जगत से जोड़ने का प्रयास करेगा।

स्टॉकिस्टों की सक्रियता और मंडियों में आवक घटने से दालों के भाव में तेज उछाल

दालों में फिर उबाल: तुअर 2 हजार तो चना दाल 600 रु. क्विंटल चढ़ी

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

त्योहारी मांग को देखते हुए स्टॉकिस्टों की सक्रियता बढ़ी | आने वाले दिनों में कीमतों पर तेजी का दबाव बना रहेगा

त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही दालों के दामों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। देश के प्रमुख थोक बाजारों में पिछले एक महीने के दौरान चना, तुअर, मूंग, उड़द और मसूर सहित प्रमुख दलहनों के भाव तेजी से बढ़े हैं। इसका असर अब भोपाल के थोक बाजार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ते भाव ने आम उपभोक्ताओं के रसोई बजट पर दबाव बढ़ा दिया है।

थोक कारोबारियों के मुताबिक त्योहारी मांग को देखते हुए स्टॉकिस्टों की सक्रियता बढ़ी है। वहीं कृषि उपज मंडियों में दलहन की आवक कम होने से बाजार में उपलब्धता प्रभावित हुई है। मांग और उपलब्धता के बीच बने इस अंतर के कारण दालों के भाव में तेज उछाल आया है। कारोबारियों का कहना है कि यदि मंडियों में आवक सामान्य नहीं हुई तो आने वाले दिनों में कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। हनुमानगंज के थोक व्यापारी एवं भोपाल चावल-दाल थोक व्यापारी एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ईश्वरदास संगतानी के अनुसार तुअर दाल के भाव में करीब 20 रुपए प्रति किलो, यानी 2,000 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गई है।

फुटकर बाजार में बढ़े दाम

हनुमानगंज के स्थानीय थोक बाजार में गुणवत्ता के अनुसार तुअर दाल के भाव बढ़कर 12,000 से 13,500 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं। चना दाल के भाव में भी करीब 600 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आई



है। वर्तमान में चना दाल 10,000 से 11,000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर कारोबार कर रही है।

आगे भी दबाव की आशंका बनी

त्योहारी सीजन में दालों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में यदि मंडियों में दलहन की आवक कमजोर रही और बाजार में स्टॉक की उपलब्धता सीमित रही, तो कीमतों में आगे भी उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कारोबारियों की नजर अब मंडियों में नई आवक और त्योहारी मांग की स्थिति पर है।

भोपाल के थोक बाजार में अन्य प्रमुख दालों के भाव भी इस प्रकार रहे

मसूर दाल	7,800 से 8,200	रुपए प्रति क्विंटल
उड़द दाल काली	11,000 से 11,500	रुपए प्रति क्विंटल
उड़द दाल धुली	11,500 से 13,000	रुपए प्रति क्विंटल
मूंग दाल छिलका	9,600 से 10,500	रुपए प्रति क्विंटल
मूंग दाल धुली	10,000 से 12,000	रुपए प्रति क्विंटल

कर्नाटक-महाराष्ट्र में कम बारिश से उत्पादन पर चिंता

दालों की बढ़ती कीमतों के बीच अब मौसम की बेरुखी ने भी कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों के अनुसार कर्नाटक और महाराष्ट्र में सामान्य से कम बारिश होने के कारण दलहन फसलों के उत्पादन को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। इसका असर आने वाले दिनों में दालों की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ सकता है। रबी फसलों की बुवाई को लेकर भी बाजार की नजर मौसम की स्थिति पर बनी हुई है। यदि रबी सीजन में पर्याप्त नमी और अनुकूल मौसम नहीं मिला तो दलहन उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में पहले से तेजी झेल रहे दाल बाजार में आगे आपूर्ति को लेकर दबाव बढ़ सकता है।

होंडा की बिक्री में बढ़ोतरी पहली छमाही में 34.40 लाख यूनिट्स बिकीं

गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शानदार बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान कुल 34.40 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 29.93 लाख यूनिट्स की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के प्रदर्शन में घरेलू बाजार के साथ-साथ एक्सपोर्ट में भी मजबूत वृद्धि देखने को मिली। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान एचएमएसआई की घरेलू बिक्री 30.44 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले साल की समान अवधि की 26.82 लाख यूनिट्स के मुकाबले 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

कंपनी ने इस दौरान 3.96 लाख यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में 3.11 लाख यूनिट्स के एक्सपोर्ट की तुलना में यह 27 प्रतिशत की सालाना वृद्धि है।सितंबर 2026 में भी एचएमएसआई ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। कंपनी ने महीने के दौरान कुल 7.06 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जबकि सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 5.68 लाख यूनिट्स था। इस तरह कंपनी की कुल बिक्री में साल-दर-साल 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

कोर्स के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू

एलन कॅरियर में नीट-2027 की तैयारी के लिए स्पार्क प्रो बैच 12 अक्टूबर से


कॅरियर इंस्टीट्यूट में बैठे छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोटा

नीट-यूजी 2027 की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट, कोटा ने स्पार्क प्रो कोर्स की घोषणा की है। कोर्स के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और कक्षाएं 12 अक्टूबर से प्रारंभ होंगी। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा के प्रसीडेंट विनोद कुमावत ने बताया कि स्पार्क प्रो कोर्स विशेष रूप से 12वीं उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नीट-यूजी 2027 की तैयारी व्यवस्थित और बेहतर तरीके से शुरू करने में मदद करना है। कोर्स में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के संपूर्ण सिलेबस के साथ एनसीईआरटी आधारित पढ़ाई करवाई जाएगी। विद्यार्थियों को एनसीईआरटी आधारित स्टडी मटीरियल, पर्सनलाइज्ड मेंटरशिप, डाउट सॉल्विंग, नियमित टेस्ट, स्पेशल क्वेश्चन बैंक और एआई-इनेबल्ड एप की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। स्पार्क प्रो कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को नीट-यूजी 2026 के परिणाम के आधार पर 70 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप दी जा रही है। नीट-2026 में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 35 हजार तक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप के बाद कोर्स की फीस 15,600 रुपए तक होगी। इसके अलावा एआईआर 2 लाख रुपए तक के विद्यार्थियों को भी स्कॉलरशिप का लाभ दिया जा रहा है। कुमावत ने बताया कि नीट-यूजी 2026 की काउंसलिंग के बाद ऐसे विद्यार्थी जो वर्ष 2027 में नीट की तैयारी करना चाहते हैं, उनके लिए यह कोर्स विशेष रूप से उपयोगी होगा।

प्रधान आयुक्त ने कहा- व्यापारी रिफंड पाने के हकदार

रूल 86बी के मामलों में व्यापारियों को राहत की मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

जीएसटी के रूल 86बी से जुड़े मामलों में व्यापारियों को हो रही परेशानी को लेकर टैक्स लॉ बार एसोसिएशन, भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सीजीएसटी भोपाल की प्रधान आयुक्त सुश्री एन. पद्मश्री से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में ज्ञापन सौंपकर व्यापारियों को राहत देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज पारख, सचिव धीरज अग्रवाल, वरिष्ठ कर सलाहकार भूपेश खुराफिया, एडवोकेट पलाश खुरापिया, जयंत जोशी और सीए विकास अग्रवाल उपस्थित रहे।

एसोसिएशन ने बताया कि रूल 86बी के तहत जिन कारोबारियों की मासिक कर योग्य बिक्री 50 लाख रुपए से अधिक है, उन्हें कुल टैक्स देयता का कम से कम एक प्रतिशत हिस्सा नकद के माध्यम से जमा करना होता है। कई मामलों में जानकारी के अभाव या भूलवश व्यापारियों ने पूरी टैक्स देयता इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से जमा कर दी। ऐसे मामलों में सरकार को पूरा टैक्स प्राप्त हो चुका है, लेकिन एक प्रतिशत की राशि नकद के बजाय क्रेडिट के माध्यम से जमा हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जांच और ऑडिट के दौरान विभागीय अधिकारी ऐसे मामलों को जीएसटी कानून की धारा 74 के तहत ले रहे हैं तथा ब्याज और पेनल्टी की मांग की जा रही है। एसोसिएशन ने यह भी मांग की कि जब सरकार को कर की पूरी राशि प्राप्त हो चुकी है और केवल भुगतान के माध्यम में नियम का उल्लंघन हुआ है, तो ब्याज की मांग नहीं की जानी चाहिए। साथ ही, यदि व्यापारी एक प्रतिशत राशि दोबारा नकद में जमा करता है, तो पहले आईटीसी के माध्यम से जमा की गई राशि का शीघ्र रिफंड किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, प्रधान आयुक्त एन. पद्मश्री ने मामले में व्यापारियों के हित में सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों में व्यापारी रिफंड पाने के हकदार हैं। प्रधान आयुक्त ने बताया कि इस संबंध में कई आवेदन पहले ही प्राप्त हो चुके हैं और उन पर विचार किया गया है।



प्रधान आयुक्त एन पद्मश्री को ज्ञापन सौंपते हुए

भारतीय अर्थव्यवस्था 7 फीसदी की दर से बढ़ेगी : एसएंडपी

एजेंसी ⏭ मुंबई

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया रिसर्च चैप्टर की ताजा रिपोर्ट 'इंडिया फॉरवर्ड : रीइमैजिनिंग ग्रोथ' के अनुसार अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 में विकास दर घटकर करीब 7 प्रतिशत रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के विकास का अगला चरण उसकी मैक्रोइकोनॉमिक मजबूती को लगातार आर्थिक रफ्तार में बदलने की क्षमता पर निर्भर करेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अध्यक्ष यान ले पैलेक ने कहा कि प्रतिस्पर्धी संघवाद, पूंजी बाजार, बेहतर वित्तीय मध्यस्थता और बुनियादी ढांचे के विकास से आर्थिक गति को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट में ऊर्जा सुरक्षा को भी प्रमुख चुनौती बताया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में व्यवधान के चलते भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति में क्रमशः 20 और 12 प्रतिशत की कमी का सामना करना पड़ा है। एसएंडपी ग्लोबल ने ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडार और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर जोर दिया है।

40 शिक्षकों के लिए छह दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम

अहमदाबाद। ओडिशा के उच्च शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के 40 शिक्षकों के लिए अहमदाबाद स्थित उद्यमिता विकास संस्थान में छह दिवसीय शिक्षक मार्गदर्शक विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की घोषणा ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री ने पिछले महीने संस्थान के दौरे के दौरान की थी। इसके बाद 5 सितंबर को भुवनेश्वर में कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। उच्च शिक्षा विभाग ने पहले चरण के लिए 40 शिक्षकों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण के लिए अहमदाबाद भेजा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)

वि.क्र /E-T/PRO. / 3/DWS/2026 देवास दिनांक: 28.09.2026

//ई-निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उक्त ई-निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेन्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि वर्षाकाल सहित एवं लागत रू. लॉख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_538551_1 Date 29.09.2026	Construction of Houses and Development of Infrastructure For Affordable Housing in Partnership in Dewas under PMAY 2.0 at Birakhedi Village.	1. समयावधि 24 माह 2. लागत रु. 5386.67 लाख (जीएसटी रहित)	1. रु. 50,000/- 2. रू. 26,93,336/-	21.10.2026

नोट: 1. प्री बिड मीटिंग दिनांक 09.10.2026 को सायं 3.00 बजे नगर पालिक निगम, देवास के कांफ्रेंस हॉल में रखी गई है।
2 निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री,
नगर पालिक निगम, देवास

बिजनेस न्यूज

लायंस क्लब ऑफ भोपाल ग्लोरियस की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

भोपाल। लायंस क्लब ऑफ भोपाल ग्लोरियस की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन महेश मालवीय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पीएमजेएफ लायन डॉ. कुलभूषण मित्तल स्थापना अधिकारी, पीएमजेएफ लायन मनीष शाह विशेष अतिथि एवं जीएटी क्षेत्रीय प्रमुख तथा एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने अपने पद की शपथ ली। लायन प्रकाश पाटिल ने अध्यक्ष, लायन कमलेश विश्वकर्मा ने सचिव और लायन अमित जैन ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला। नई कार्यकारिणी ने सेवा वर्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।



एम्पीयर ने शहर में खोला नया एक्सपीरियंस सेंटर

भोपाल। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता एम्पीयर ने भोपाल के कृषक नगर में ठाकुर ई मोटर्स के साथ नए एक्सपीरियंस सेंटर की शुरुआत की है। कंपनी के मुताबिक नई डीलरशिप के जरिए ग्राहकों को एक ही जगह पर इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री, जानकारी और सर्विस की सुविधा मिलेगी। एक्सपीरियंस सेंटर पर एम्पीयर के 'बिल्ट फॉर भारत' इलेक्ट्रिक स्कूटर पोर्टफोलियो को प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें नेक्सस ईएक्स प्लस, मैग्नस जीमैक्स, मैग्नस नियो और एम्पीयर रियो वाइब शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, नेक्सस ईएक्स प्लस में 5 किलोवॉट की मोटर दी गई है, जबकि मैग्नस जीमैक्स को रोजमर्रा की जरूरतों और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी के चुनिंदा मॉडल इंटेलिपैक तकनीक और 30 से अधिक स्मार्ट फीचर्स के साथ उपलब्ध हैं। पोर्टफोलियो में एलएफपी बैटरी तकनीक और 5 साल या 75,000 किलोमीटर तक की स्टैंडर्ड बैटरी वारंटी भी दी जा रही है।

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू और एफपीएसबी के बीच समझौता

पुणे। वित्तीय नियोजन और धन प्रबंधन के क्षेत्र में विद्यार्थियों को पेशेवर दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू), पुणे के वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र संकाय ने फाइनेंशियल प्लानिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड (एफपीएसबी) इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत पात्र विद्यार्थियों को नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ ही प्रमाणित वित्तीय नियोजक प्रमाणन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को वित्तीय सेवा क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी।

धानुका एग्रीटेक ने लांच किया वेटसिट नियो

नई दिल्ली। धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने भारतीय कृषि क्षेत्र में फसल सुरक्षा और पोषण उत्पादों के प्रभावी इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए पौधों पर आधारित बायोसॉल्यूशन एडजुवेंट वेटसिट नियो लांच किया है। यह नया उत्पाद फसलों पर स्प्रे की बेहतर कवरेज, स्प्रे ड्रिफ्ट में कमी और एग्रोकेमिकल के अधिक प्रभावी अवशोषण में मदद करेगा। खासतौर पर मोमी सतह वाली पत्तियों की फसलों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। वेटसिट नियो को कृषि में इस्तेमाल होने वाले फसल सुरक्षा और पोषण उत्पादों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

'वी' बिजनेस ने एंटरप्राइज नेटवर्क को आधुनिक बनाने के लिए सिस्को से की साझेदारी

ग्वालियर। एंटरप्राइज नेटवर्किंग को आधुनिक बनाने और डिजिटल बदलाव को गति देने के लिए वी बिजनेस ने सिस्को के साथ साझेदारी की है। इसके तहत वी बिजनेस के हाइब्रिड एसडी-डब्ल्यूएएन पोर्टफोलियो को सिस्को मेराकी की क्षमताओं से मजबूत किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह समाधान हाइब्रिड नेटवर्किंग, मल्टी-क्लाउड इंटीग्रेशन और एकीकृत सुरक्षा के जरिए कंपनियों को सुरक्षित एवं स्केलेबल नेटवर्क तैयार करने में मदद करेगा। 2023 में लांच किया गया वी बिजनेस का हाइब्रिड एसडी-डब्ल्यूएएन समाधान एसडी-डब्ल्यूएएन, सुरक्षा और मल्टी-क्लाउड इंटीग्रेशन को एक साथ लाता है। इसमें लीज्ड लाइन, ब्रॉडबैंड और सेल्युलर नेटवर्क जैसे विभिन्न कनेक्टिविटी विकल्प शामिल हैं। सिस्को मेराकी का सिंगल डैशबोर्ड एप्लीकेशन और परफॉर्मेंस-अवेयर रूटिंग, सुरक्षा तथा वाई-फाई और सेल्युलर कनेक्टिविटी के प्रबंधन को आसान बनाता है। कंपनी के सीईओ एमपी सुनील कुमार ने कहा कि साझेदारी से कंपनियां मजबूत और भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क बना सकेंगी।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल

Email-dsp.admin_bhauri@mppolice.gov.in Fax.no.0755-2523903
क्र./उप निदे./मप्रपुअ/मेस/टेण्डर/एम-1130/A/26 दिनांक-29.09.26

- शुद्धि पत्र -

1.	निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल द्वारा संस्थान में आगामी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक, उप निरीक्षक (संवर्ग), अन्य प्रशिक्षु एवं स्टाफ हेतु वर्ष 2026-27 के लिये चाय, नाश्ता एवं दोनो समय की भोजन व्यवस्था प्रदान के लिये ऑनलाईन ई-निविदा MP E-TENDER के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।	
2.	ई-निविदा सूचना संख्या (TENDER ID)-2026_MPP_536968_1	
3.	a) टेण्डर में सम्मिलित होने के लिए टेण्डर का केटरिंग के क्षेत्र में 300 या उससे अधिक व्यक्तियों के लिए भोजन उपलब्ध कराने का संस्थागत अनुभव का प्रमाण पत्र आवश्यक होगा है। b) बैंक सॉलवेन्सी सर्टिफिकेट एक करोड़ का होना अनिवार्य है। c) वार्षिक टर्न ओवर UDIN नंबर के साथ गत 03 वर्षों में कम से कम एक करोड़ प्रतिवर्ष एवं गत तीन वर्षों में तीन करोड़ होना अनिवार्य होगा। d) फर्म का कार्यालय भोपाल में स्थित होना चाहिए ताकि सप्ताह में कम से कम 02 दिन फर्म के जबावदेह सुबह शाम के भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई की मॉनिटरिंग, स्वयं उपस्थित होकर कर सके। e) निविदा की समय सारणी में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।	
4.	विवरण	नवीन तिथि व समय
4(i)	प्री बिड मीटिंग एवं कार्यस्थल निरीक्षण	05/10/2026 को 11:30 बजे म.प्र. पुलिस अकादमी, भोपाल
4(ii)	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	12/10/2026 को 11:00 बजे
4(iii)	निविदा खोलने की तिथि	13/10/2026 को 11:30 बजे

उप निदेशक
हेतु-निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक,
म.प्र. पुलिस अकादमी, भोपाल (म.प्र.)

G-19294/26

" स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "

चिंतन

दवा पर मुनाफे की सीमा निर्धारित करने का समय

दवा कोई सामान्य बाजारू वस्तु नहीं है। जब किसी व्यक्ति को जीवन बचाने के लिए दवा की जरूरत पड़ती है तो उसके सामने कीमत और इलाज के बीच चुनाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। यदि किसी दवा की कीमत निर्माता से निकलने के बाद आपूर्ति श्रृंखला में कई गुना बढ़ जाती है तो यह केवल बाजार व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकार का विषय बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इसी गंभीर सवाल को देश के सामने फिर से ला खड़ा किया है। 29 सितंबर को दवा कीमतों से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दवा के उस मूल्य अंतर पर कड़ी टिप्पणी की, जिसमें किसी दवा का खुदरा विक्रेता को मूल्य और पैकेट पर छपी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी के बीच बहुत बड़ा अंतर था। मामला एक आवश्यक कैंसर दवा का था जो खुदरा विक्रेताओं को करीब 2,700 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही थी, जबकि उसका एमआरपी लगभग 27,000 रुपये था। अदालत ने इस अंतर को लेकर बेहद तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया और केंद्र से पूछा कि 2013 के ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर यानी डीपीसीओ में निर्धारित 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन सभी आवश्यक दवाओं पर लागू क्यों नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को केवल किसी एक दवा या कंपनी के संदर्भ में देखने के बजाय उस व्यापक व्यवस्था के संदर्भ में देखना चाहिए जिसमें दवा की कीमत तय होती है। भारत में आवश्यक दवाओं की कीमत नियंत्रित करने के लिए डीपीसीओ और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एनपीपीए की व्यवस्था पहले से मौजूद है। आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल दवाओं के लिए एनपीपीए अधिकतम कीमत तय करता है। इस कीमत की गणना में बाजार में उपलब्ध समान दवाओं के खुदरा विक्रेता मूल्य का औसत और 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन शामिल होता है। समस्या यह है कि सभी दवाएं इस व्यवस्था के दायरे में नहीं आतीं। डीपीसीओ मुख्य रूप से कीमत में 12 महीने में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि पर रोक लगाता है। यही वह जगह है, जहां मौजूदा व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी दवा का शुरुआती एमआरपी ही वास्तविक लागत की तुलना में कई गुना अधिक तय कर दिया जाए तो बाद में कीमत बढ़ाने की सीमा 10 प्रतिशत रखना बहुत प्रभावी नियंत्रण नहीं रह जाता। ऊंची शुरुआती कीमत ही भविष्य की कीमतों का आधार बन जाती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि किसी दवा की कीमत साल में कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह कीमत शुरू में तय कैसे हुई। सरकार को इस मुद्दे पर व्यापक नीति बनाने की जरूरत है। दवा उद्योग में अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, आयातित कच्चे माल, उत्पादन, वितरण और निवेश की वास्तविक लागत होती है, लेकिन इन लागतों के नाम पर ऐसी कीमत भी उचित नहीं ठहराई जा सकती जिसमें मरीज और निर्माता के बीच मूल्य का अंतर असामान्य रूप से बढ़ जाए। इसलिए एक व्यावहारिक रास्ता यह हो सकता है कि जीवनरक्षक दवाओं के लिए एमआरपी और लागत के बीच उचित मार्जिन की पारदर्शी सीमा तय की जाए। इसमें निर्माता, वितरक, विक्रेता और अस्पताल समेत पूरी आपूर्ति श्रृंखला के मार्जिन को अलग-अलग देखा जाए। जहां किसी चरण पर असाधारण मुनाफा हो रहा हो, वहां सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार होना चाहिए। विशेष रूप से अस्पतालों में बेची जाने वाली दवाओं के मामले में पारदर्शिता और जरूरी है।



मुद्दा

डॉ. अश्वनी महाजन

मुफ्तखोरी क्या वैश्विक समस्या बनेगी

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज़ भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टैब तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज़ का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज़ को जन-कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज़ की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों (यानी मतदाताओं) को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेटिंग की जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाए फ्रीबीज़ के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटरों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्द्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा। यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों (स्टेट्स) तक जाएगी और वहां गवर्नर की रेस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाज भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरुआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालेखाकार और अकेंक्षक (कैग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, और तमिलनाडु में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं में खर्च हो रहा था। हालांकि, तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है। भारतीय जनता पार्टी इन मुफ्तखोरी योजनाओं का



सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रही है। अन्य राजनीतिक दलों की मुफ्तखोरी योजनाओं के मद्देनजर अब यह पार्टी भी सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने हेतु खुलकर इन मुफ्तखोरी योजनाओं की केवल घोषणा ही नहीं कर रही, बल्कि उनके फायदे भी गिना रही है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना, दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और कई अन्य राज्यों में इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। हालांकि यह मुफ्तखोरी योजना ही है, लेकिन यह पार्टी की राजनीतिक मजबूरी भी कही जा सकती है।

दिल्ली की महिलाओं के लिए दी जाने वाली राशि केवल इसके लिए पात्र (ग़रीब) महिलाओं को ही मिलेगी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी द्वारा दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी आदि की सुविधा को बरकरार भी रखा है। इन सभी मुफ्तखोरी योजनाओं का असर देश पर बढ़ते कर्ज के रूप में भी दिखाई देता है। गौरतलब है कि 2010-11 में देश पर सम्मिलित कर्ज केंद्र और राज्य जीडीपी का 65.6 प्रतिशत था। जिसमें केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी का 48.58 प्रतिशत और राज्यों का कर्ज जीडीपी का 23.5 प्रतिशत था। गौरतलब है कि देश पर सम्मिलित कर्ज आकलित करने के लिए केंद्र और राज्यों के आपसी लेनदेन को समायोजित किया गया है।

2024-25 में यह कर्ज बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां केंद्र सरकार का कर्ज 48.8 प्रतिशत से बढ़कर 57.5 प्रतिशत तक पहुंचा, राज्य सरकारों पर कर्ज 23.5 प्रतिशत से बढ़ता हुआ 28.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिन राज्यों द्वारा मुफ्त खोरी की योजनाओं को ज़्यादा अपनाया गया है, उन राज्यों का क़र्ज़ राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। 2024–25 में, कई राज्यों पर उनके जीएसडीपी (राज्य की जीडीपी) के मुकाबले काफ़ी ज़्यादा कर्ज़ था। पंजाब में यह 47.3 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 44.0 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 38.0 प्रतिशत, केरल में 37.0 प्रतिशत, राजस्थान में 36.0 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 34.7 प्रतिशत। कर्ज़ का इतना ज़्यादा बोझ राजकोषीय गुंजाइश को सीमित करता है, ब्याज का बोझ बढ़ाता है और उत्पादक सार्वजनिक निवेश को रोक सकता है। आमदनी से ज्यादा खर्च और तदनुसार घाटे के बजटों ने देश पर कर्ज बढ़ाया ही है, लेकिन हाल ही में मुफ्तखोरी की योजनाओं के चलते यह गति और तेजी से बढ़ी है। गौरतलब है कि 2010-11 और 2018-19 के बीच देश पर कुल कर्ज 63.6 प्रतिशत से मामूली सा बढ़कर 66.5 प्रतिशत तक ही हुआ था। लेकिन पिछले मात्र 6 वर्षों में यह 2024-25 तक बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच जाना वास्तव में चिंता का विषय है। यह भी सही है कि केंद्र सरकार की देनदारी में बड़ी वृद्धि कोरोना काल में हुई थी, जब 2019-20 और 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार की देनदारियां जीडीपी के 62.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों की देनदारियां 31.1 प्रतिशत तक पहुंच गई और दोनों की सम्मिलित देनदारियां 88.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि उसके बाद सम्मिलित लेनदारिया 81.9 प्रतिशत तक घट गई है, जिनमें केंद्र की देनदारियां 57.1 प्रतिशत हैं और राज्यों पर अभी भी ये 28.5 प्रतिशत बनी हुई हैं। ध्यातव्य है कि लेकिन अभी भी यह 2010-11 के 65.6 प्रतिशत से कहीं अधिक हैं।

समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ़्तख़ोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज़ का बोझ बढ़ रहा है, जिस के चलते देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ा है। दुनिया में प्रजातंत्र का मजाक बना रही ये मुफ्तखोरी योजनाएं, देशों की बर्बादी की कहानी लिख रही हैं। इस संबंध में जनता से ही सशक्त आवाज़ उठने की ज़रूरत है, ताकि दुनिया को आर्थिक बर्बादी से बचाया जा सके।

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज़ भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टैब तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज़ का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज़ को जन-कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ़्तख़ोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज़ का बोझ बढ़ रहा है, जिसके चलते देश पर कर्ज का बोझ बढ़ा है।

(लेखक पूर्व प्रोफ़ेसर, दिल्ली विवि हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

गांधी जयंती विशेष

अखिलेश श्रीवास्तव



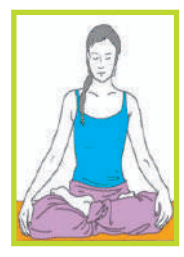
गांधी जी, आरएसएस और पंच परिवर्तन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधी देश में स्थाई चर्चा के विषय है। अलग अलग भी और दोनों को जोड़कर भी। पर प्रमाण बताते है कि संघ और गांधी एक दूसरे के शुभचिंतक थे। संघ महात्मा गांधी का कितना सम्मान करता था आप इस बात से समझ सकते है कि प्रति दिन सुबह पाठ किए जाने वाले एकात्मता स्त्रोत में गांधी का नाम सम्मान से प्रतिदिन दोहराया जाता है वह भी साठ के दशक से और 1948 में उनकी मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए पहली बार सभी शाखाएं बंद कर दी गई थीं, जबकि संघ में उसके बाद किसी भी परिस्थिति में आज तक ऐसा नहीं हुआ। महात्मा गांधी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच न केवल सौहार्दपूर्ण संबंध थे, बल्कि वे एक-दूसरे का सम्मान भी करते थे। गांधी ने 1934 में महाराष्ट्र के वर्धा में आरएसएस के शिविर का दौरा करते समय आरएसएस की जमकर प्रशंसा की थी। बाद में, उन्होंने 16 सितंबर 1947 को दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में संघ के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस संबंध में एक रिपोर्ट 28 सितंबर 1947 को गांधीजी द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक समाचार पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुई।

रिपोर्ट में गांधी जी ने बताया कि संस्थापक हेडगेवार के जीवित रहते हुए उन्होंने वर्षों पहले वर्धा स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर का दौरा किया था। स्वर्गीय जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और गांधी जी वहां के अनुशासन, छुआछूत के पूर्ण अभाव और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे। गांधीजी को विश्वास था कि सेवा और आत्म-बलिदान के आदर्श से प्रेरित कोई भी संगठन बलवान होगा। आज जब हम गांधी जी की 157 वीं जयंती मना रहे हैं और हम 2026 में है। एक ऐसा व्यक्ति जो आज से 157 साल पहले पैदा हुआ और उसने समाज और देश को जो विचार दिए वह आज उनके जाने के लगभग 78 साल बाद भी जीवित है। उन्होंने जो कुछ कहा वह देश को जैसा बनना चाहते थे और आज देश जैसा बन गया है। उसमें एक बहुत बड़ा अंतर है जिसके बारे में सोचने समझने की आवश्यकता है। गांधी का स्वदेशी, ग्राम स्वराज, अस्पृश्यता और आत्मनिर्भरता का विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चलाए जा रहे 'पंच परिवर्तन' से समाज परिवर्तन के अभियान से पृथक नहीं है। आज जब देश अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है, तब यह विचार करना अत्यंत प्रासंगिक है कि हमने 'स्वराज' की प्राप्ति तो राजनीतिक रूप से कर लीं है ,अब हमको स्व आधारित तंत्र का निर्माण करना है यही गांधी चाहते थे। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि देखा जाए तो गांधीजी का विचार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से ही ज़मीन पर उतारा जा सकता है। गांधी जी की तरह ही संघ का भी यह दृढ़ मत है कि कोई भी बड़ा परिवर्तन केवल सरकारी कानूनों या सरकारी योजनाओं के भरोसे नहीं आ सकता। जब तक समाज स्वयं जागृत होकर अपने आचरण में बदलाव नहीं लाएगा, तब तक देश आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। आधुनिक संदर्भों में शोधकर्ता पीयूष कुमार पांडेय ने अपने शोध पत्र गांधीजी एंड ग्राम स्वराज में रेखांकित किया है कि ग्रामीण विकास और ज़मीनी स्तर के बदलावों के लिए सामाजिक संगठनों की सक्रियता अनिवार्य है। संघ का 'पंच परिवर्तन' वास्तव में सरकारी तंत्र पर निर्भरता कम करके 'स्व' के बोध को जगाने का एक जन-आंदोलन है। यह राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने और नागरिक चेतना को जगाने का एक अनूठा प्रयोग है, जहां हर व्यक्ति अपनी दैनिक जीवन-शैली को देशहित के अनुकूल ढालने का व्रत लेता है। आज वैश्विक स्तर पर बढ़ते पर्यावरण संकट और सामाजिक ताने-बाने के बिखरने के इस दौर में हमें यह स्वीकार करना होगा कि पश्चिमी उपभोगवादी मॉडल भारत का भला नहीं कर सकता। हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना ही होगा। महात्मा गांधी ने आज से कई दशक पहले जिस आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत का रोडमैप तैयार किया था, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 'पंच परिवर्तन' संकल्प उसी विज़न का 21वीं सदी का व्यावहारिक संस्करण है। जब देश का प्रत्येक नागरिक स्वदेशी को अपनाएगा, पर्यावरण की रक्षा करेगा, अपने परिवार को संस्कारित करेगा, सामाजिक समरसता को जिएगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करेगा, तभी बापू के सपनों का ग्राम स्वराज और 'सच्चा आत्मनिर्भर भारत' साकार हो सकेगा। अख़बारों की सुर्खियों और बहसों से परे, समाज के धरातल पर चुपचाप चल रहा यह वैचारिक और व्यावहारिक परिवर्तन ही आने वाले समय में देश के स्वर्णिम भविष्य को लिखेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एक सप्ताह अपने लिए निकालें

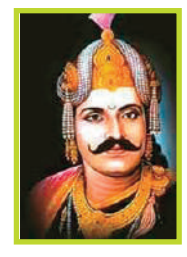


संकलित

दर्शन

श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सद्गुण पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।

गरीब विद्वान व राजा भोज बने भाई-भाई



संकलित

प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछा- आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहा- जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो... वह सोचने लगे- मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछा- क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहा- मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछा- कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोला- महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछा- मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दिया- राजन, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

सटाका



आज की पाती

भारत के समक्ष नई चुनौती

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सोच और भावनाओं को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी कारण सूचना युद्ध आज राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। सूचना युद्ध का अर्थ है ऐसी सूचनाओं का इस्तेमाल करना, जिनके माध्यम से लोगों की सोच, भावनाओं, विश्वास और निर्णयों को प्रभावित किया जा सके। इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी आदि शामिल हैं।

- मुकेश शर्मा, रेवाड़ी

ट्रेंड

नितेश को बधाई

एशियन गेम्स में पुरुषों की ग्रीको-रोमन 97 किलो कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने पर नितेश को बधाई। भारत के 64 साल के इंतज़ार को खत्म करते हुए, नितेश ने भारत के लिए एक अहम उपलब्धि हासिल की है।



- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तरप्रदेश

सामाजिक न्याय

मोदी जी सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ़ हैं। उनका पूरा सिस्टम शिक्षा से नफ़रत करता है क्योंकि वे नहीं चाहते कि छात्र सोचें या सवाल पूछें। एक ट्वीट में, बाबासाहेब अंबेडकर की "एनिहिलेशन ऑफ़ कास्ट" (जाति का विनाश) जैसी जरूरी किताब के बारे में कहा गया कि ये युवाओं के दिमाग में "ज़हर" घोलती है।



-**राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

सम्मान और दाम

हरियाली सिर्फ़ खुशहाली की निशानी नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर घर-आंगन में फलनी-फूलनी चाहिए और यह तभी मुमकिन होगा जब किसानों, खेती, ग्रामीणों को उनकी मेहनत का सम्मान और दाम, दोनों मिले। -**अखिलेश यादव,** सांसद, सपा



एआई निष्पक्ष नहीं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी ताकत है जो बहुत बड़े पैमाने पर बदलाव ला रही है और मेरी नज़र में, करुणा भी कुछ ऐसी ही है। एआई कभी भी निष्पक्ष नहीं होता; यह हमारी कमियों, पूर्वाग्रहों और इरादों को अपनाकर उन्हें कई गुना बढ़ा देता है।

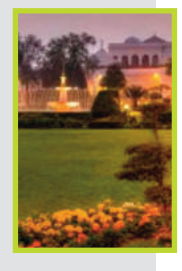


-**कैलाश सत्यार्थी,** नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

करंट अफेयर

लाहौर में नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कृष्णा नगर इलाके में स्थित नेहरू पार्क उस स्थान पर बना है, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन के दौरान 31 दिसंबर, 1929 को 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव में भारत के लिए पूर्ण स्वशासन और ब्रिटिश शासन से पूरी स्वतंत्रता की मांग की गई थी। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने इस घोषणा के प्रतीक के तौर पर इसी स्थान पर भारतीय ध्वज फहराया था। पार्क्स एंड हॉर्टिकल्चर अथॉरिटी (पीएचए) के महानिदेशक अहमद उस्मान जावेद ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक नेहरू पार्क का पूरी तरह जीर्णोद्धार करने का फैसला किया है और इस दिशा में काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, 'बागवानी शाखा पार्क को नया रूप देने के लिए हरी-भरी घास और रंग-बिरंगे मौसमी फूल लगा रही है, जबकि इंजीनियरिंग टीम रात में रोशनी की व्यवस्था करने के साथ बेंच और बच्चों के झूले लगाएगी, ताकि इसे परिवारों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके।'



ऑफ बीट

भूजल घटने से धंस रहे दुनिया के शहर, रोक सकते हैं प्रक्रिया

दुनिया के कई शहरों के नीचे मौजूद भूजल भंडारों से जरूरत से ज्यादा पानी निकाले जाने के कारण जमीन धंस रही है जिससे तटीय शहरों पर समुद्र के



बढ़ते जलस्तर का खतरा और बढ़ रहा है। हालांकि, नए शोध के अनुसार भूजल भंडारों को फिर से भरने से जमीन के धंसने की प्रक्रिया को कुछ हद तक रोका जा सकता है। शोध में यह भी सामने आया कि भूजल की तेजी से बहाली और जमीन के ऊपर उठने की प्रक्रिया में भूमिगत भ्रंश रेखाएं (फॉल्ट लाइन) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भूमि का धीरे-धीरे नीचे धंसना दुनिया के कई बड़े शहरों के लिए चुनौती बन गया है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ हिस्से हर साल 10 सेंटीमीटर से अधिक धंस रहे हैं, जिसके कारण सरकार को शहर को स्थानांतरित करने की योजना बनानी पड़ी है। चीन के तटीय शहर तियानजिन में करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। यदि वहां जमीन के धंसने की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो 2120 तक शहर की 15 प्रतिशत आबादी पानी की चपेट में आ सकती है। सैन डियागो से लेकर ईरान के प्रमुख शहरों तक कई जगह ऐसी ही स्थिति है, जहां भूजल का दोहन उसके प्राकृतिक रूप से दोबारा भरने की क्षमता से अधिक हो रहा है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016

aapkepatra.haribhoomi@gmail.com

पर भेज सकते हैं।

राहुल ने फॉर्म-6 को लेकर उठाए सवाल

किसके आदेश पर यह बदलाव शुरू किया गया, चुनाव आयोग में किसने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को यह बदलाव करने का आदेश दिया...?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फॉर्म-6 को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पूछा है कि फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर आदेश किसने दिया? राहुल ने लिखा है कि फॉर्म-6 में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया। चुनाव आयोग के आयुक्तों ने भी इस पर आपत्ति जताई है। राहुल ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को लेकर भी सवाल उठाया। राहुल ने पोस्ट में कहा, चुनाव आयोग में किसने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को यह बदलाव करने का आदेश दिया? टीसीएस में किसने इस पर हस्ताक्षर किए? क्या टीसीएस पर दबाव डाला गया था?

राहुल ने लिखा है कि फॉर्म-6 में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया। चुनाव आयोग के आयुक्तों ने भी इस पर आपत्ति जताई है। राहुल ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को लेकर भी सवाल उठाया



जयराम का दावा- 'पीएम-एचएम की जोड़ी' ने यह कराया

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने दावा किया कि फॉर्म-6 में यह बदलाव 'पीएम-एचएम की जोड़ी' द्वारा कराया गया था। राहुल की पोस्ट को टैग करते हुए रमेश ने कहा, 'फॉर्म-6 में बदलाव जुलाई 2026 के मध्य में मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा असंवैधानिक तरीके से किए गए। जेन-जी के मतदाताओं को सूची से हटाया जा सके।

चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 में किया बड़ा बदलाव

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया पूरी कर चुके राज्यों में फॉर्म-6 में बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत अब एसआईआर में नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी।

भाजपा नेता चंद्रशेखर बोले

राहुल को बताया भारतीय राजनीति में 'सबसे बड़े धोखेबाज़' व अप्रमाणिक नेता

वरिष्ठ नेता भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर निर्वाचन आयोग और सरकार पर राहुल गांधी द्वारा निशाना साधे जाने की आलोचना करते हुए उन्हें 'भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा धोखेबाज' और 'अप्रामाणिक नेता' करार दिया। राहुल झूठ और गलत सूचनाओं के सहारे राजनीति करते हैं। यहां भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल न तो धर्मनिरपेक्षता के रक्षक हैं और न ही संविधान के। वे केवल अपने परिवार के हितों के रक्षक हैं।



मतदाता सूची से 45 लाख नाम अवैध तरीके से हटाने की 'साजिश' हो रही

सीएम शिवकुमार का मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पर धरना

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर के तहत सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाने के लिए लोग अलग-अलग नामों से कई आवेदन कर रहे हैं।



शिवकुमार ने एसआईआर को 'बड़ा फर्जीवाड़ा' भी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस साजिश में शामिल है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से 'अल्पसंख्यकों, दलितों और एसटी मतदाताओं' के नाम हटाना है। उन्होंने दावा किया कि सीईसी की जानकारी के बिना इस तरह से 'अवैध' तरीके से मतदाताओं के नाम हटाना संभव नहीं है। जब तक इस मामले में जांच के आदेश नहीं दिए जाते, वह मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अनबक्कुमार के कार्यालय में ही बैठे रहेंगे।

खबर संक्षेप

कल से शुरू होगी उदयपुर-सूरत वंदे भारत

नई दिल्ली। गुजरात और राजस्थान के बीच मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा



में भारतीय रेल एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। भारतीय रेल का पश्चिम रेलवे जोन गुजरात के सूरत और राजस्थान के उदयपुर के बीच एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने जा रहा है। ये नई वंदे भारत ट्रेन 3 अक्टूबर से कमर्शियल सर्विस शुरू करेगी। शेड्यूल जारी किया है।

जहाज में चोरी का प्रयास गैस से 4 की मौत

मुंबई। मुंबई के गोराई इलाके में मनोरी बीच के पास फंसे विदेशी झंडे वाले एक जहाज में कथित तौर



पर चोरी के प्रयास के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया घटना दो से तीन दिन पहले हुई। उन्होंने बताया कि तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण जहाज चार महीने पहले तट के पास फंस गया था।

30 सप्ताह के गर्भ को खत्म करने की अनुमति

कोच्चि। केरलम उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म पीड़िता 15 वर्षीय एक किशोरी की मां की याचिका पर



सुनवाई करते हुए उसके 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति हरिशंकर वी मेनन ने पीड़िता की मां द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक इंतजाम करने का निर्देश दिया।

तिहाड़ में गैंगस्टर्स ने अफसरों को धमकाया

नई दिल्ली। देश के सबसे हाई सिक्योरिटी तिहाड़ जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में बंद गैंगस्टर



नवीन बाली और संदीप उर्फ ढिल्लू ने जमकर हंगामा किया। दोनों पर जेल अधिकारियों और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देने, हमला करने की कोशिश करने और खुद को चोट पहुंचाने का आरोप है। इसके बाद हाई सिक्योरिटी वार्ड की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ऑनलाइन डिलीवरी एप के स्टोर में भीषण आग

गाजियाबाद। काला पत्थर रोड स्थित नीति खंड-1 में गुरुवार को ऑनलाइन डिलीवरी एप के स्टोर में



अचानक भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बराबर की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। इससे आसपास के दुकानदारों और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री ने यूपीएससी के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया, बोले

भारत मंडपम में किया गया आयोजन प्रधानमंत्री ने दी अहम सलाह

सरकार माई-बाप नहीं, नागरिक देवो भव है यूपीएससी के नए दौर का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया और अफसरों को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2 दिनी कार्यक्रम में इतिहास और भविष्य को लेकर मंथन किया जा रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम है ,जिसमें यूपीएससी के इतिहास और भविष्य को लेकर मंथन किया जा रहा है। अपने संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने कैप्टन स्मित मच्छार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक घटना घटी और भारत के कैप्टन स्मित ने जिस प्रकार से धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। पीएम मोदी ने कहा कि जब वे यहां गैलरी देख रहे थे तो उन्होंने देखा कि 1920 में सुभाष चंद्र बोस भी इसी प्रक्रिया से गुजरे थे। उन्होंने कहा कि मेरा इस बात पर ध्यान गया कि उस समय अंग्रेजों की हुकूमत थी लेकिन संस्कृत का पेपर हुआ करता था और सुभाष बाबू ने संस्कृत में पेपर लिखा है।

■ 2 कसौटियों को याद रखें हिदायत दी

राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए सरदार पटेल को किया नमन

आज के ऐतिहासिक अवसर पर पीएम ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद उनके सामने केवल एक देश को आजाद रखने की चुनौती नहीं थी बल्कि उनके सामने एक राष्ट्र को चलाने की चुनौती भी थी। राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए जिस स्किल फ्रेम की जरूरत थी, वो सरदार वल्लभ भाई पटेल ने दिया। आजाद भारत का एक प्रमुख स्तंभ बनाया, इसे सशक्त किया।



नागरिक की सेवा को सर्वोपरि रखें ये देवता से कम नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने अतीत का वो दौर देखा है, जब माना जाता था कि सरकार ही माई-बाप है लेकिन आज का ये दौर नागरिक देवो भव का है। देश का नागरिक हमारे लिए किसी देव से कम नहीं है। हमारे लिए नागरिक की सेवा सर्वोपरि है। आज का भारत, एक नई कार्य-संस्कृति के साथ बढ़ रहा है।

प्रोफेशनल्स ऐसे हों जो गरीबों का दर्द समझें

उन्होंने कहा कि हमें ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत है जिनमें गरीबों का दर्द समझने की संवेदनशीलता हो, जो समस्या के समाधान में इनोवेटिव हों और देश की जरूरतों को समझते हों। ऐसे प्रोफेशनल्स जो यह सुनिश्चित करें कि कानूनों का पालन हो लेकिन यह भी समझें कि कोई विशेष कानून लोगों के लिए अच्छा है या नहीं। कैपेसिटी बिल्डिंग पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपीएससी और राज्यों के चयन आयोगों की कैपेसिटी बिल्डिंग का काम भी निरंतर होते रहना चाहिए। मिशन कर्मयोगी के तहत जो आईगोट प्लेटफॉर्म बनाया गया है, उसका उपयोग अंदरूनी व्यवस्थाओं और टीम की क्षमता बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है।

नेशन फर्स्ट, सीटिजन फर्स्ट को याद रखें

युवाओं की भर्ती पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप जिन युवाओं की भर्ती कर रहे हैं, वो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे और वही विकसित भारत के सबसे बड़े लाभार्थी भी होने वाले हैं। हमें दो कसौटियों को हमेशा याद रखना है। एक- नेशन फर्स्ट, दूसरी-सीटिजन फर्स्ट। यही दो कसौटियां हैं, जिन पर हर सेलेक्शन को कसा जाना है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे युवाओं को पब्लिक सर्विस में लाना होगा जो पब्लिक ऑफिस से नहीं बल्कि पब्लिक सर्विस से आकर्षित हों। इसलिए जरूरी है कि भर्ती परीक्षा सिर्फ यह न परखे कि उम्मीदवार कितना जानता है बल्कि यह भी देखे कि वह युवा सिविल सर्विस में आना क्यों चाहता है।

आपका काम युवाशक्ति के भविष्य से जुड़ा, रिफॉर्म पर काम करें

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को हमेशा याद रखना है कि आपका काम युवाशक्ति के भविष्य से जुड़ा है।युवाशक्ति से राष्ट्रशक्ति के निर्माण का जो मिशन है, आप उसका एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। बीते वर्षों में आपने इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाई भी है। देश तेजी से रिफॉर्म एक्सप्रेस पर आगे बढ़ रहा है, इस पर काम करें।

किताब, डाक टिकट और सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री ने आयोग की भूमिका और प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर भारत मंडपम में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी। इस दौरान किताब, डाक टिकट और सिक्का जारी किया। यूपीएससी ने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

पंजाब की राजनीति में उलटफेर

राजा वड़िंग ने दिया इस्तीफा अपने बायो में बदलाव किया

बुधवार रात की थी इस्तीफे की पेशकश



एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को वड़िंग ने अपने एक्स अकाउंट के बायो में बदलाव किया और खुद को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पूर्व अध्यक्ष बताया।

इसी के साथ पंजाब में चर्चा शुरू हो गई है कि पार्टी का नया अध्यक्ष कौन होगा? बुधवार देर रात को वड़िंग ने प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफे की पेशकश की थी। वडिंग को पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद से हटाने का फैसला किए जाने के बीच वडिंग ने 'एक्स' पर अपने परिचय में बदलाव कर 'पूर्व पीपीसीसी अध्यक्ष' लिखा। पंजाब विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने हैं और उससे पहले प्रदेश इकाई में कई सप्ताह से जारी अंदरूनी कलह के बीच कांग्रेस ने वडिंग को बदलने का फैसला किया। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।

आलाकमान ने हटाने का किया था फैसला

इससे पहले,पद से हटाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर वडिंग ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। वडिंग ने यहां संवाददाताओं से कहा मैं अभी इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पंजाब प्रभारी महासचिव सचिन पायलट द्वारा संगठन से ली गई प्रतिक्रिया के बाद वडिंग को पद से हटाने का किया गया। बताया जा रहा पंजाब प्रभारी नियुक्त किए गए पायलट ने राज्य के पार्टी नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें कीं और इसके बाद पार्टी आलाकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपी, ताकि नेतृत्व में बदलाव पर फैसला लिया जा सके। चर्चा है कि कांग्रेस आलाकमान ने वडिंग को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी।

सर्वमान्य नेता की तलाश की जा रही

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी पिछले कई दिनों से राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा कर रही थी कांग्रेस ऐसे नेता को नियुक्त करना चाहती है जो 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के विभिन्न गुटों को साथ लेकर चल सके। पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला आगामी चुनाव से पहले इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। पूर्व ओलंपियन और जालंधर कैंट से विधायक परगट सिंह, पूर्व विधायक राणा केपी सिंह, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम भी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चर्चा में हैं।

बॉम्बे उच्च न्यायालय का सवाल

मुंडवा भूमि सौदे में पार्थ पवार को लाभ नहीं हुआ, 99% हिस्सेदार थी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार से मौखिक रूप से पूछा कि क्या उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के



बेटे पार्थ पवार मुंडवा भूमि सौदा मामले में लाभार्थी नहीं हैं, जबकि सरकारी जमीन को भारी रियायती कीमत पर खरीदने वाली कंपनी में उनकी 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। राज्यसभा सदस्य पार्थ 'अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी' में बहुसंख्यक हिस्सेदार हैं। इस कंपनी ने पुणे के पॉश मुंडवा इलाके में 40 एकड़ सरकारी जमीन उसके वास्तविक मूल्य से काफी कम कीमत पर खरीदी थी।

न्यायमूर्ति माधव जामदार ने कहा कि कंपनी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले व्यक्ति को मामले में आरोपी बनाया गया है, लेकिन जांच में पार्थ पर कोई बात नहीं की गई है। उनका नाम नहीं लिया गया है। अदालत ने यह सवाल पुणे के तहसीलदार सूर्यकांत येवले को गिरफ्तारी से पहले जमानत देते हुए उठाया।

सीजेपी का आज मुंबई में प्रदर्शन

शिवाजी पार्क में दीपके के साथ नहीं होंगे पार्टी के 'बड़े चेहरे'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) मुंबई के शिवाजी पार्क में शुक्रवार को प्रदर्शन का ऐलान किया है।



सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए सी जे पी आंदोलन करने जा रही है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने अभी तक प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है, लेकिन सीजेपी शाम 4 बजे गेट नंबर 6 पर बड़ी संख्या में लोगों को एकत्रित होने के लिए कह रही है। संयोजक अभिजीत दीपके, सह संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास भी मुंबई पहुंच चुके हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी चेहरे हैं जो नीट पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन का अहम चेहरा था, लेकिन मुंबई में साथ नहीं दिखेंगे। ये नैतिक रूप साथ हैं और कई लोग दिल्ली में ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले हैं। इनमें सोनम वांगचुक, मोहम्मद जुनैद, नेहा बोरा और योगेंद्र यादव शामिल हैं। ये आंदोलन का हिस्सा नहीं होंगे, फिर भी समर्थन करते रहेंगे।

एफसीआरए बिल पर कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने उठाए सवाल

इसका संवैधानिक अधिकारों पर होगा बड़ा असर

जेपीसी के कामकाज पर जताई चिंता लोकसभा स्पीकर को पत्र भी लिखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' की जांच कर रही जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी (जेपीसी) के कामकाज पर चिंता जताई है। उन्होंने इस पर व्यापक बातचीत की मांग की है। एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में वेणुगोपाल ने एफसीआरए बिल, 2026 पर जेपीसी के कामकाज को लेकर लोकसभा स्पीकर को लिखे पत्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक बेहद संवेदनशील बिल है, जिसका अल्पसंख्यकों और सिविल सोसाइटी समूहों के संवैधानिक अधिकारों पर व्यापक असर पड़ेगा।

व्यापक फीडबैक और जांच प्रक्रिया अपनाई गई?

उन्होंने कहा कि जेपीसी का मकसद सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेना और दोबारा पेश करने से पहले



ड्राफ्ट बिल की बारीकी से जांच करना था। वेणुगोपाल ने सवाल किया कि क्या व्यापक फीडबैक और जांच प्रक्रिया अपनाई गई है? हमारा मानना है कि जेपीसी से निकलने वाला कोई भी बिल त्रुटिहीन होना चाहिए और संसद को यह भरोसा होना चाहिए कि यह एक सघन परामर्श प्रक्रिया से गुजरा है। ऐसा सुनिश्चित किए बिना जोपीसी का कोई महत्व नहीं है और संसद के साथ धोखा है।

गांधी जयंती... अहमदाबाद में निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा

गांधी आश्रम में बनेंगे 23 म्यूजियम, विशेष डिजाइन होगी

कमेटी में राजनेता से लेकर बड़े शिक्षाविद शामिल किए गए

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

नए गांधी आश्रम का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। परिसर में बनने वाले 23 संग्रहालयों को डिजाइन करने का ठेका म्यूजियम स्टूडियो को दिया गया है। यह जानी-मानी वैश्विक कंपनी है। पेरिस मुख्यालय वाली म्यूजियम स्टूडियो की 46 देशों में मौजूदगी है। कंपनी इस प्रोजेक्ट पर टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी इकोफर्स्ट सर्विसेज लिमिटेड के साथ मिलकर काम करेगी। इसके तहत ऐतिहासिक साबरमती आश्रम का पुनर्विकास, संरक्षण और विस्तार किया जाएगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री की निगरानी में आगे बढ़ रही है।

गांधी ने साबरमती नदी के किनारे 60 एकड़ जमीन खरीदी थी



गांधी ने साबरमती नदी के किनारे 60 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह जमीन केंद्रीय जेल और श्मशान घाट के बीच स्थित थी। 1917 में गांधी जी इस आश्रम में रहने आ गए थे। इसी साल गांधी ने बिहार के चंपारण से अपना पहला बड़ा सत्याग्रह शुरू किया था।

'पुरानी' चीजों का इस्तेमाल

इन इमारतों को पुराने समय में इस्तेमाल की गई उन्हीं सामग्रियों से तैयार किया जा रहा है। इनमें ईंट, सागौन की लकड़ी और चूने का प्लास्टर शामिल है। इन्हें जोड़ने उड़द का पेस्ट, गुड़ और मेथी के बीज के मिश्रण का इस्तेमाल किया जा रहा है।

विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन आज से

गांव स्तर पर शासन सुधारों, विकास प्राथमिकताओं पर होगा मंथन

नई दिल्ली। पंचायती राज मंत्रालय ने कहा कि दो अक्टूबर को देशभर में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें गांव स्तर पर शासन संबंधी सुधारों, प्रमुख सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा की जाएगी। विशेष ग्राम सभाओं के साथ जन योजना अभियान 2026-27 'सबकी योजना, सबका विकास' की शुरुआत भी होगी। ग्राम पंचायतें अपनी विकास योजनाएं तैयार करेंगी। ग्राम सभा की चर्चाओं में नागरिकों और स्थानीय प्रतिनिधियों को एक साथ लाया जाएगा।

सीईसी विवाद के बीच बड़ा कदम

एसआईआर पूरा, ओडिशा के सीईओ ने भेजा वीआरएस पत्र

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

देश के सीईसी और एसआईआर पर उपजे विवादों के बीच ओडिशा के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) आर. संथान गोपालन ने स्वैच्छिक से वा नि वृ त्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन किया है। उन्होंने इसके पीछे निजी और स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है और कहा है कि उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृति का एसआईआर प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। गोपालन



ने राज्य में एसआईआर पूरा होने के एक हफ़्ते बाद, बुधवार को अपना वीआरएस आवेदन सौंपा है। तमिलनाडु के रहने वाले गोपालन जुलाई 2024 से ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास आबकारी विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी है। उन्हें जून 2028 में सेवानिवृत्त होना था। उन्होंने कहा है कि वीआरएस लेने का उनका फैसला राज्य में एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद से संबंधित नहीं है।

भारतीय कैप्टन ने विमान में दिखाया अदम्य साहस, प्लंबर से सीईओ तक बने संकटमोचक

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

दुबई से इजराइल जा रही फ्लाईदुबई के विमान एफजेड1073 की उड़ान में हवा के बीच हुए हमले के दौरान कॉकपिट में कैप्टन स्मित मच्छार और ओमानी सह-पायलट के बीच संघर्ष हुआ। चाकुओं के वार झेलने के बावजूद बुरी तरह से घायल हुए कैप्टन ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। उन्होंने गिरने से पहले कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया था। इसी बीच जब कॉकपिट खुला तो लहूलुहान कैप्टन को देख सभी यात्री सहम गए। इनमें चार यात्री तुरंत स्मित की मदद के लिए पहुंचे। इजराइल के राष्ट्रपति ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस, दृढ़ता और उन कदमों के लिए आभार जताया, जिनसे कई लोगों की जान बचाने में मदद मिली। चार यात्रियों यानिव हयून, ज्विका मानेस, असफ राजुआन और डॉक्टर शोटा मुसायेव के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।

फ्लाईदुबई उड़ान हादसा

विमान में यात्रा कर रहे दो वैकल्पिक पायलटों ने भी बाद में कॉकपिट की कमान संभाली और विमान को सुरक्षित लैंडिंग तक पहुंचाया



इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के साथ यानिव हयून

प्लंबर यानिव हयून ने सबसे पहले हमलावर को पकड़ा

यात्री यानिव हयून पेशे से प्लंबर हैं। उन्होंने कॉकपिट में ओमानी सह-पायलट को देखा और उसे विमान के नियंत्रण से छेड़छाड़ करते हुए पाया। उन्होंने हमलावर को पकड़ लिया और उसे कॉकपिट से बाहर खींचने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने दूसरे यात्रियों को बुलाया और सभी ने मिलकर उसे जमीन पर दबोच लिया। हयून का काम यहीं खत्म नहीं हुआ। वह दोबारा कॉकपिट में पहुंचे, क्योंकि विमान अभी भी नियंत्रण खो रहा था। उन्होंने बताया कि वह टीवी पर एयर क्रैश इन्वेस्टिगेशन कार्यक्रम देखते हैं। इसी अनुभव के आधार पर उन्होंने विमान के नियंत्रण को संभालने की कोशिश की और विमान को सीधा करने में मदद की।

बैंक सीईओ मानेस ने हेडफोन की केबल से बांधे हाथ

ज्विका मानेस बैंक ल्यूमी की अंडरराइटिंग कंपनी के सीईओ हैं। उन्होंने बताया कि वो भी कॉकपिट की ओर जाने वाले यात्रियों में शामिल थे। उन्होंने दूसरे यात्रियों के साथ मिलकर ओमानी सह-पायलट को पकड़ने और काबू करने में मदद की। हमलावर लगातार छूटने की कोशिश कर रहा था, इसलिए यात्रियों ने उसे बांधने के लिए विमान में दिए गए मल्टीमीडिया हेडफोन की केबल का इस्तेमाल किया। कुछ यात्रियों ने दरवाजों को रोका और हमलावर को काबू में रखने में मदद की।

घटना की गहना जांच करेगा यूएई

इस जांच का सिरा संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई से जाकर जुड़ा है, यही वजह है कि उन्होंने इसकी गहन जांच का भरोसा दिया है। गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने एक बयान जारी किया। इसके अनुसार, यूएई के अटॉर्नी-जनरल, काउंसलर डॉ. हमद अल शम्सी ने घटना की परिस्थितियों और कारणों की जांच के लिए पब्लिक प्रॉसिक्यूशन के खास सदस्यों की एक टीम बनाने का आदेश दिया है।

इंश्योरेंस एजेंसी मालिक ने भी हमलावर को दबोचा

असफ राजुआन छुट्टी मनाकर थाईलैंड से लौट रहे थे। विमान का नियंत्रण खत्म हो रहा था इसे देखकर वे कॉकपिट की तरफ पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि कई यात्री हमलावर को काबू करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ज्विका मानेस और दो अन्य यात्रियों के साथ मिलकर ओमानी सह-पायलट को पकड़ने में मदद की। राजुआन के अनुसार, यात्रियों और चालक दल ने करीब 50 मिनट तक हमलावर को काबू में रखा और विमान को सऊदी अरब में उतारने तक स्थिति संभाले रखी।

दंत चिकित्सक ने घायल कैप्टन को प्राथमिक उपचार दिया

शोटा मुसायेव पेशे से दंत चिकित्सक हैं। उन्होंने भी पायलट को देखकर कॉकपिट की तरफ दौड़ लगाई। शुरुआत में उन्होंने हमलावर को काबू करने में मदद की। जब सह-पायलट को बांध दिया गया तो मुसायेव ने घायल भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की तरफ ध्यान दिया। उनके मुताबिक, कैप्टन के सिर और हाथों से काफी खून निकल रहा था। मुसायेव ने प्राथमिक उपचार देते हुए खून बहना रोकने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि वह विमान में मौजूद एकमात्र डॉक्टर थे।

ये रहा था पूरा घटनाक्रम

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने भारतीय कैप्टन पर चाकू से हमला किया। 30 सेकंड में विमान 14,000 से 17,000 फीट तक नीचे आ गया। यात्री हवा में उछले। जख्मी हालत में कैप्टन ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। तीन इजराइली यात्रियों ने हमलावर को काबू किया।

खबर संक्षेप

अफगानिस्तान पर पाक का हमला, 9 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के प्रवक्ता जुबैहुल्लाह मुजाहिद ने



दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया।

सीरिया में यात्री बस पर हमला, 7 की मौत

दमिश्क। सीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में बुधवार देर रात एक छोटी



यात्री बस को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए। हमला पश्चिमी सीरिया के होम्स प्रांत में मस्याफ पुल के पास हुआ। हमले का मकसद पता नहीं चला है।

चीन के शोध संस्थान कर रहे ब्रिटेन में जासूसी

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों से चीन के एक



शोध संस्थान के साथ सहयोग बंद करने को कहा क्योंकि ब्रिटेन की सुरक्षा एजेंसी एमआई5 का मानना है कि यह संस्थान जासूसी गतिविधियों के केंद्र के रूप में काम करता है। ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री डैन जार्विस ने यह जानकारी दी है।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में केंद्रीय मंत्री गोयल का स्पष्ट संदेश

भोजन सुरक्षा और सहयोग का माध्यम बना रहे घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी स्वतंत्र

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

गोयल ने कहा कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं के हथियारीकरण और देशों द्वारा अपनी घरेलू नीतिगत जरूरतों तथा खाद्य सुरक्षा को पूरा करने के लिए अपनाए गए वैध उपायों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना जरूरी है

भारत ने जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में कहा कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देशों द्वारा उठाए गए वैध घरेलू कदमों को 'खाद्य के हथियारीकरण' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने खाद्य और कृषि उत्पादों से जुड़े दबावपूर्ण व्यापार उपायों पर चर्चा के दौरान यह अंतर स्पष्ट करने की जरूरत बताई। मिलवॉकी में आयोजित जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में 'दबावपूर्ण व्यापार कार्रवाई के जरिए खाद्य के हथियारीकरण' विषय पर सत्र के दौरान गोयल ने भारत का पक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि साझा लक्ष्य यह होना चाहिए कि भोजन सुरक्षा, स्थिरता और सहयोग का माध्यम बना रहे। गोयल ने कहा कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं के हथियारीकरण और देशों द्वारा अपनी घरेलू नीतिगत जरूरतों तथा खाद्य सुरक्षा को पूरा करने के लिए अपनाए गए वैध उपायों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना जरूरी है।

खाद्य और कृषि उत्पादों से जुड़े दबावपूर्ण व्यापार उपायों पर अंतर स्पष्ट करना जरूरी



जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

भारत-ईयू एफटीए को लागू करने की प्रगति की समीक्षा की

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के इतर यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफचोविच से मुलाकात की और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हुई प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-ईयू एफटीए पर हस्ताक्षर और उसे लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, भारत-ईयू ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सुधार और जी20 के साझा प्राथमिकता वाले मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया।



ईयू सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफचोविच और पीयूष गोयल

नई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की जरूरत: अमेरिका



जैमिसन ग्रीर

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने जी20 देशों से एक नए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि दशकों पहले तैयार किया गया वैश्विक व्यापार तंत्र आज अतिरिक्त उत्पादन, आर्थिक दबाव, जबरन मजदूरी और अन्य नई चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है। ग्रीर ने चार प्रमुख मुद्दों पर खुली चर्चा की जरूरत बताई। इनमें खाद्य आपूर्ति का राजनीतिक इस्तेमाल, संरचनात्मक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता, सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र सिद्धांत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में जबरन मजदूरी शामिल हैं।



मेक्सिको के मंत्री मार्सेलो एब्राई

ब्राजील और मेक्सिको के मंत्रियों से की भेंट

पीयूष गोयल ने ब्राजील और मेक्सिको के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन दोनों देशों पर अमेरिका की ओर से अपनाई गई शुल्क नीति का काफी असर पड़ा है। गोयल ने विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी में जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक से इतर ब्राजील के व्यापार मंत्री मार्सियो फर्नांडो एलियास रोजा और विदेश मंत्री माउरो विएरा से मुलाकात की। उन्होंने मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्री मार्सेलो एब्राई के साथ भी व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की। मेक्सिको के मंत्री के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए गोयल ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत-मेक्सिको व्यापार एवं निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए गहरे सहयोग की अपार संभावनाओं और नए रास्ते तलाशने पर चर्चा की।

भारत आएंगे स्विस राष्ट्रपति

5 अक्टूबर से तीन दिवसीय दौरा कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा होगी



पार्मेलिन और पीएम मोदी फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। इस वर्ष यह उनका दूसरा भारत दौरा है। इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पार्मेलिन की यह भारत की पहली राजकीय यात्रा होगी और इस साल उनका दूसरा भारत दौरा होगा।

इससे पहले वह फरवरी 2026 में नई दिल्ली में हुए एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस यात्रा के दौरान उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इस यात्रा के लिए पीएम मोदी ने निमंत्रण दिया था। राष्ट्रपति पार्मेलिन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे।

सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे

विदेश मंत्रालय बताया कि 5 अक्टूबर को पीएम मोदी और राष्ट्रपति पार्मेलिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। दोनों नेता कई क्षेत्रों में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इनमें व्यापार, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता और संस्कृति और जनसंपर्क जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा होगी। राष्ट्रपति पार्मेलिन 7 अक्टूबर 2026 को दूसरे इंडिया-ईएफटीए प्रॉस्पेरिटी समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट का आयोजन भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के लागू होने की पहली सालगिरह के मौके पर किया जा रहा है। ईएफटीए देशों में स्विट्जरलैंड भारत का सबसे बड़ा व्यापार और निवेश साझेदार है।

भारत दौरे पर आएंगे पोलैंड के पीएम



पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क अक्टूबर के आखिर में भारत का दौरा करेंगे। उनके साथ पोलैंड की 100 प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि भी भारत आएंगे। पोलैंड के वित्त और अर्थव्यवस्था मंत्री आंद्रेज डोमान्स्की ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम बेंगलुरु भी जाएंगे। इस यात्रा में आर्थिक मुद्दों और सहयोग पर खास जोर रहेगा। डोनाल्ड टस्क इससे पहले 2010 में पोलैंड के पीएम के तौर पर भारत आए थे। पीएम मोदी ने अपनी 2024 की पोलैंड यात्रा के दौरान टस्क को भारत आने का न्योता दिया था। डोमान्स्की ने कहा कि भारत और पोलैंड के रिश्ते बेहतर हो रहे हैं।

रक्षा लेखा विभाग के वार्षिक दिवस में राजनाथ बोले

राष्ट्र रक्षा में जीवन त्यागने वालों के बकाए का निपटारा जल्द करें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नरक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के 279वें वार्षिक दिवस समारोह में कहा कि डीएडी का लक्ष्य अधिकतम डिजिटलीकरण, स्वचालन और पारदर्शिता का होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले लोगों के वैध बकाए और सेवा अधिकारों का निपटारा करते समय रक्षा लेखा विभाग का पूरा ध्यान संवेदनशीलता, निष्पक्षता के साथ जिम्मेदारी से भरा हुआ होना चाहिए। रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर यह जानकारी दी।

'संपूर्ण' के तीव्र कार्यान्वयन पर दिया जोर



डीएडी की बैठक को संबोधित करते राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने संपूर्ण के भी जल्द कार्यान्वयन पर भी जोर दिया। यह एक पूर्णतः स्वचालित, संपूर्ण राजस्व प्राप्ति प्रणाली है और इसे एक मूल्यवान निर्णय समर्थन प्रणाली के लिए डेटा एनालिटिक्स, एआई और मशीन लर्निंग का लाभ उठाने के मकसद से तैयार किया गया है।

नई तकनीक अपनाने पर 'सक्षम' को सराहा

राजनाथ सिंह ने डीएडी की 'सक्षम' परियोजना की प्रशंसा की है। यह एक सुरक्षित और समर्पित डेटा सेंटर पर होस्ट किए गए, डीएडी डब्ल्यूएएन नेटवर्क पर संचालित रक्षा लेखांकन, भुगतान प्रणाली का डिजिटलीकरण के साथ एकीकरण करती है। मूलरूप से यह परियोजना नई तकनीक का उपयोग करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

अहमदाबाद धमाकों में आरोपी सदस्य की फांसी पर लगाई रोक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक आतंकी की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अब्बू अबुबकर बरलेवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। बावा ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड भी तलब किया है। 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत, हमले की साजिश रचने और आतंक फैलाने का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।



दिल्ली में पकड़ा गया विदेश भेजने वाला फर्जी ऑफिस

नौकरी का वादा कर 46 लोगों से की ठगी 19 पासपोर्ट, 10 एटीएम और सोना बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने इजराइल और इराक के वीजा और विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर कम से कम 46 लोगों से कथित तौर पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके सरगना और एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी अबीर पोइलान (45) और दिल्ली के संगम विहार निवासी मुस्तकीम (38) के रूप में हुई है।



जब्त पासपोर्ट, एटीएम और सोना

इजराइली वीजा 1.70 लाख में दे रहे थे

आरोपियों ने कथित तौर पर इजराइली का वीजा दिलाने के लिए प्रति व्यक्ति 1.70 लाख रुपए और इराक के वीजा के लिए 70,000 रुपए लिए और विदेश में नौकरी दिलाने का वादा किया। पोइलान के पास से ठगी की रकम से खरीदे गए 31 ग्राम सोने के सिक्के, 19 पासपोर्ट, 5 मोबाइल फोन, 3 कंप्यूटर, एक प्रिंटर बरामद हुआ।

भारत ने जीवन रक्षा के लिए जताया आभार

17 भारतीय मछुआरे समुद्र में फंसे, सेशेल्स ने पहुंचाई मदद



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के दक्षिण-पश्चिम में करीब 4 हजार किलोमीटर की दूरी पर स्थित सेशेल्स के समुद्र तट के पास इंजन में आई खराबी की वजह से संकट में फंसी नाव 'आईएफबी साजिरा' पर सवार भारत के 17 मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया गया है। जिसमें सेशेल्स की सरकार द्वारा प्रदान की गई त्वरित कार्रवाई का बेहद महत्वपूर्ण योगदान है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को एक्स पर बताया कि भारत सरकार ने अपने देश के 17 लोगों की मुश्किल के समय पर की गई जीवन रक्षा के लिए सेशेल्स के प्रति आभार जताया है। उन्होंनेकहा कि इस घटना से भारत और सेशेल्स के बीच मौजूद स्थायी और मित्रतापूर्ण संबंधों का साक्षात प्रमाण देखने को मिलता है। इसके अलावा दोनों देशों की आम-जनता की सुरक्षा और कल्याण को लेकर बनी हुई साझा प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होती है।

भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच समुद्री अभ्यास 'वरुण' शुरू

दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच दोस्ती मजबूत हुई

नौसेना के आईएनएस त्रिशूल ने दिखाई अपनी ताकत, लक्ष्यों पर की 'फायरिंग'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच होने वाला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'वरुण' एक बार फिर दोनों देशों की मजबूत समुद्री साझेदारी का प्रतीक बना है। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल फ्रांस के टूलॉन बंदरगाह पहुंचा।

यहां भारतीय युद्धपोत ने अभ्यास 'वरुण' के 24वें संस्करण में हिस्सा लिया। अभ्यास में एनएच-90 हेलीकॉप्टरों और अटलांटिक-2 समुद्री गश्ती विमानों ने भी हिस्सा लिया। दोनों नौसेनाओं ने पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह पर मौजूद लक्ष्यों के खिलाफ अभियान और वास्तविक फायरिंग अभ्यास किए। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के हेलीकॉप्टरों की एक-दूसरे के जहाजों पर उतरने की गतिविधियां भी की गईं। इन अभ्यासों से समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच संचालन क्षमता, तालमेल और आपसी समझ को और बेहतर करने का अवसर मिला।



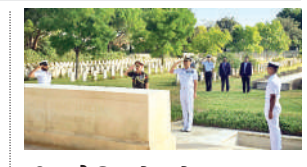
अभ्यास करते नौसैनिक

जहाज को जल तोपों की सलामी

सबसे पहले टूलॉन पहुंचने पर फ्रांसीसी नौसेना ने आईएनएस त्रिशूल का गर्मजोशी से स्वागत किया। जहाज को औपचारिक जल तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ, समुद्री सहयोग और पेशेवर संबंधों को और मजबूत करना था।

दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने की मुलाकात

आईएनएस त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर ने फ्रांसीसी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने रियर एडमिरल मैकारा ऊक, संचालन के लिए उपकमांडर-इन-चीफ से भी मुलाकात की। इस दौरान समुद्री अभियानों और दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। अभ्यास के दौरान दोनों नौसेनाओं के जवानों और अधिकारियों ने एक-दूसरे के जहाजों का दौरा किया। आईएनएस त्रिशूल के चालक दल ने फ्रांसीसी नौसेना के प्रमुख युद्धपोतों चार्ल्स द गॉल, फोर्बिन और ला फायेते का दौरा किया। इस दौरान भारतीय नौसैनिकों ने विमानवाहक पोत से जुड़े अभियानों, विमानन सुविधाओं और जहाज पर अपनाई जाने वाली संचालन प्रक्रियाओं को करीब से समझा। दोनों पक्षों के बीच परिचालन अनुभव भी साझा किए गए।



वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

फ्रांस यात्रा के दौरान आईएनएस त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर, अधिकारियों और जवानों ने मार्सेय के मजार्ग युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस स्मारक पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले 205 भारतीय सैनिकों की स्मृति जुड़ी है। यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सैन्य संबंधों की याद भी दिलाता है। भारतीय नौसैनिकों ने इन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनके बलिदान को नमन किया।

खबर संक्षेप



बंद लोको को भोपाल के अमित ने किया चालू

भोपाल। तेलंगाना के टीएसजीईएनसीओ–यदाद्रि थर्मल पावर स्टेशन(वायटीपीएस), 8×500 मेगावॉट में लगभग एक माह से बंद पड़े लोकोमोटिव नंबर-3 को भेल भोपाल के टीएएम विभाग में कार्यरत अमित कुमार ने सीमित संसाधनों के बीच तकनीकी दक्षता और त्वरित समस्या-समाधान के जरिए पुनः चालू कराने में अहम भूमिका निभाई।
अमित कुमार के इस उल्लेखनीय तकनीकी कार्य पर ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉईज यूनियन, संबद्ध निफ्टू, के महासचिव रामनारायण गिरी द्वारा यूनियन टीम के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन भी किया गया।

अस्पताल का जन औषधि केंद्र बंद, जांच के निर्देश

भोपाल। भोपाल शहर के जय प्रकाश जिला अस्पताल परिसर में स्थित पीएम जन औषधि केंद्र के 15 दिन से बंद होने के मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। मामले में आयोग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन, जयप्रकाश अस्पताल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि डॉक्टरों द्वारा लिखी जा रही दवाओं में से कई दवाएं अंदर के सरकारी काउंटर पर उपलब्ध नहीं हो पाने से दवाएं जन औषधि केंद्र से कम कीमतों में मिल जाती है, लेकिन इसके बंद पड़े होने से मरीजों को मजबूरन बाहर बाजार की ज्यादा कीमत में दवाएं खरीदनी पड़ रही है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद छात्रा से दुष्कर्म

भोपाल। कजलीखेड़ा पुलिस ने कॉलेज की छात्रा की शिकायत पर इंस्टाग्राम फ्रेंड पर दुष्कर्म और दैहिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि उसकी इंस्टाग्राम पर आरोपी से दोस्ती हुई थी। इसके बाद आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर एक साल तक शारीरिक शोषण किया। बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस के अनुसार मिसरोद इलाके में रहने वाली 21 वर्षीय युवती निजी कॉलेज में तृतीय वर्ष की छात्रा है। पिछले साल इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती ड्राइवर सुमित गांगोली से हुई थी। सुमित पेशे से ड्राइवर है। दोनों के बीच बातचीत और मिलना जुलना शुरू हो गया। आरोप है कि पिछले साल अक्टूबर महीने में घुमाने के बहाने सुमित छात्रा को कोलार के एक होटल में ले गया और शादी करने का कहकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह करीब एक साल तक छात्रा का शारीरिक शोषण करता रहा।

चरस तस्करी के दोषियों को 11 वर्ष का कारावास

भोपाल। मादक पदार्थ चरस की अवैध रूप से तस्करी करने वाले अभियुक्तगण सलमान खान पिता बशीर खान आयु 30 वर्ष निवासी पठार वाली गली जीपीओ के पीछे शाहजहांनाबाद भोपाल सोनू कुमार पिता चंचल साहनी आयु 19 वर्ष एवं वीर किशोर साहनी उर्फ अंजनी पिता शिवप्रसाद साहनी आयु 36 वर्ष निवासी वार्ड नं-10 जगदीशपुर खलाबा टोला पश्चिम चंपारण बिहार को एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश डॉक्टर मुकेश कुमार मलिक ने एनडीपीएस एक्ट की धारा-8/ 20 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 11-11 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक मनोज त्रिपाठी एवं विक्रम सिंह द्वारा प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी की गई।

शुभांक

कल्याणः	1235		
दिनः	399	18	567
रातः	590	45	357
तारा:			
दिनः	367	64	680
रातः	799	57	188

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और जीव सेवा संस्थान के सहयोग से वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन

छात्राओं को शिक्षा व भविष्य के प्रति प्रोत्साहित करने वितरित की साइकिलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और जीव सेवा संस्थान के सहयोग से अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं की अकादमिक और समग्र उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। इस समारोह में संस्था के गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी एवं प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी, प्रतिभावान छात्राएं, उनके माता-पिता, संकाय सदस्य और संस्थान की छात्राएं उपस्थित रहीं।

डॉ. डालिमा पारवानी ने स्वागत उद्बोधन में समग्र शिक्षा के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए छात्राओं के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन एवं सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न पहलों एवं प्रकोष्ठों की जानकारी दी।

27 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया



देवी वंदना और कुंभ नृत्य नाटिका की प्रस्तुतियां दी

कार्यक्रम में देवी वंदना और कुंभ नृत्य नाटिका की जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, जिसने उत्सव में रंग और उत्साह भर दिया। इसके बाद संस्था ने 27 मेधावी छात्रों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया। उन छात्रों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों से कॉलेज का नाम रोशन किया। जरूरतमन्द छात्राओं की शिक्षा एवं भविष्य को प्रोत्साहित करने जीव सेवा संस्थान ने 25 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।

छात्राओं ने सुनाए अनुभव

छात्राओं ने संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में अपने अनुभवों को साझा करते हुए प्रबंधन, शिक्षकगण एवं संपूर्ण महाविद्यालय परिवार द्वारा प्राप्त निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया। सभा को संबोधित करते हुए जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने छात्राओं को अपनी आंतरिक क्षमता को पहचानने और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। 27 मेरिट धारकों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने सामूहिक प्रयास और समर्पण से इस संख्या को और बढ़ाने की आकांक्षा व्यक्त की। सिद्ध भाऊ ने इस बात पर जोर दिया कि कृतज्ञता सपनों और आकांक्षाओं का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने सफलता के आवश्यक घटकों के रूप में आत्म-अनुशासन, प्रभावी समय प्रबंधन और एक स्वस्थ जीवन शैली के महत्व पर बात की।

बच्चों ने नाटक से दिया जरूरतमंदों के सेवा-भाव का संदेश

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में सद्भावना क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। सद्भावना क्लब के तत्वावधान में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती को सार्थक बनाने के उद्देश्य से दोनों महान-विभूतियों के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर आधारित लघु नाटिका, राष्ट्रप्रेम आधारित भजन एवं विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी एवं आत्मनिर्भरता तथा लाल बहादुर शास्त्री के ईमानदारी, अनुशासन, सादगी, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा जैसे जीवन-मूल्यों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका रत्ना पांडे के मार्गदर्शन में कक्षा छठवीं के छात्र हार्दिक असनानी, शिक्षक देवेंद्र शर्मा, शिक्षिका



पिंकी दादलानी,शिक्षिका निशा थापा द्वारा किया गया। इस समारोह ने विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास के साथ-साथ सामाजिक संवेदनशीलता और सकारात्मक जीवन-मूल्यों के विकास का संदेश दिया। हिंदी पखवाड़े की उपलब्धियों का सम्मान, गांधी-शास्त्री जयंती के आदर्शों का स्मरण तथा जरूरतमंदों के प्रति सेवा-भाव इन सभी ने कार्यक्रम को सार्थक एवं प्रेरणादायी बनाया।

स्मार्ट मीटर व आईवीआरएस नंबर अपडेट करने के नाम पर एपीके फाइल भेजकर बुजुर्ग महिला से साइबर ठगी

वाट्सएप पर बिजली कनेक्शन काटने का संदेश भेजा, रिटायर्ड महिला प्रोफेसर से 81 हजाए ऐंठे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- जालसाजों ने खुद को बिजली कंपनी का अधिकारी बताया
- भरोसा दिलाने जालसाजों ने फाइल को बिजली कंपनी का बताया

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में 74 साल की रिटायर्ड महिला प्रोफेसर से साइबर ठगी का शिकार हो गईं। जालसाजों ने खुद को बिजली कंपनी का कर्मचारी बताकर पहले वाट्सएप पर बिजली कनेक्शन काटने का संदेश भेजा और बाद में स्मार्ट मीटर व आईवीआरएस नंबर अपडेट करने के नाम पर एपीके फाइल भेजकर उनके बैंक खातों से 81 हजार 772 रुपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सागर गार्डन होम्स, चूनाभट्टी निवासी रश्मि द्विवेदी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 27 सितंबर को दोपहर उनके मोबाइल पर कथित बिजली कंपनी की ओर से वाट्सएप संदेश आया। इसमें बिजली बिल जमा नहीं होने पर कनेक्शन काटने की बात कही गई थी। शाम करीब छह बजे वाट्सएप कॉल कर आरोपी ने बताया कि उनके नाम से दो बिजली कनेक्शन दर्ज हैं और नए स्मार्ट मीटर के चलते आईवीआरएस नंबर अपडेट करना होगा। आरोपी ने वाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी। पहले तो रश्मि ने इसे खोलने से मना कर दिया, लेकिन आरोपी ने इसे बिजली कंपनी की फाइल बताकर भरोसा दिलाया।

लिंक पर क्लिक करते ही बैंक अकाउंट से निकली राशि

महिला ने लिंक खोल दिया। इसी दौरान उनके एसबीआई खाते से 79,772 रुपए निकल गए। बैंक की ओर से कॉल कर बताया गया कि खाते से रकम निकाली जा चुकी है और एक लाख और निकालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने तत्काल खाता ब्लॉक कराया। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक से भी खाते में नया नाम जुड़ने और 2,000 रुपए निकाले जाने का संदेश आया। बैंक से संपर्क करने पर डेबिट कार्ड और खाता ब्लॉक कराया गया। शिकायत के अनुसार खाते में जो नया नाम जुड़ा था, वह अब्दुल इमाम का था और खाता बंधन बैंक, कोलकाता का बताया गया। ठगी होने के बाद रश्मि द्विवेदी ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।



टाटा मोटर्स में नौकरी के नाम पर युवक से ठगी

टाटा मोटर्स में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से साइबर ठगों ने अलग-अलग बहाने बनाकर 1 लाख 56 हजार 689 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने शाहजहांनाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने छह मोबाइल नंबर इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ईदगाह हिल्स चिराग सेवानी (20) ने करीब 10 माह पहले वर्क इंडिया एप के जरिए टाटा मोटर्स में नौकरी के लिए आवेदन किया था। इसके बाद 11 सितंबर 2026 को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि चिराग ने पूर्व में टाटा मोटर्स में नौकरी के लिए आवेदन किया था और अब नौकरी के लिए वेरिफिकेशन समेत अन्य प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से चिराग से संपर्क किया गया। आरोपियों ने कभी दस्तावेज और वेरिफिकेशन, कभी बैंक खाता खोलने, तो कभी पार्सल भेजने और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर पैसे जमा कराने को कहा। नौकरी मिलने की उम्मीद में चिराग ने बताए गए माध्यमों से अलग-अलग समय पर कुल 1,56,689 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

खातों-यूपीआई आईडी की जांच

चिराग ने पुलिस को ऑनलाइन भुगतान और यूपीआई ट्रांजेक्शन की जानकारी, मोबाइल नंबरों के साथ कॉल, मैसेज और वाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट उपलब्ध कराए हैं। पुलिस के अनुसार ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबरों तथा खातों और यूपीआई आईडी की जांच की जा रही है।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर पौने 8 लाख की धोखाधड़ी

टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के बाद शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर साइबर ठगों ने युवक से 7.42 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर दी। आरोपियों ने कहा था कि शेयर मार्केट में अच्छा रिटर्न मिलेगा। पुलिस के अनुसार करोंद स्थित आवास-विकास कॉलोनी निवासी 28 साल का दीक्षांत कनोजिया के टेलीग्राम पर 20 सितंबर को अज्ञात व्यक्ति ने संपर्क किया। उसने शुरूआत में गूगल मैप पर रेस्टोरेंट को रेटिंग देने का टास्क दिया। इसके बदले दीक्षांत के बैंक खाते में कुछ राशि भी भेजी। इससे दीक्षांत को लगा कि काम फायदे का है। इसके बाद आरोपियों ने उसे एक वेबसाइट का लिंक भेजकर शेयर बाजार में ट्रेडिंग के जरिए अच्छा लाभ दिलाने का झांसा दिया। युवक ने वेबसाइट पर अकाउंट बना लिया। इसके बाद टेलीग्राम यूजर के निर्देश पर उसने अपने दो बैंक खातों से विभिन्न यूपीआई आईडी और बैंक खातों में कुल 7.42 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। रकम उसके ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट में दिखाई देने लगी।

3 हजार निकालने के बाद हुआ धोखाधड़ी का अहसास

पुलिस ने बताया कि दीक्षांत ने जब ट्रेडिंग अकाउंट से 3 हजार रुपए निकालकर अपने बैंक खाते में ट्रांसफर किए तो रकम खाते में आ गई। हालांकि करीब चार दिन बाद बैंक खाते में उस राशि पर लीन लगने का मैसेज मिला। बैंक स्टेटमेंट देखने पर युवक को संदेह हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है। इसके बाद उसने 26 सितंबर को थाना शाहपुरा में 6.22 लाख रुपए की शिकायत दर्ज कराई। बाद में 30 सितंबर को निशातपुरा थाने में 1.20 लाख रुपए के तीन अन्य ट्रांजेक्शन की शिकायत की। दोनों शिकायतों के आधार पर कुल 7.42 लाख रुपए की ठगी सामने आई है।

दिन में साथियों के साथ खाना खाया, शाम को फंदे पर मिली लाश

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित गांव कटारा में एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दिन में उसने अपने साथियों के साथ



खाना खाया था। शाम को सा थी काम से लौटे तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण आत्महत्या के कारण पता नहीं चल सके हैं। मृतक के परिजन की मौजूदगी में शव का पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार देवेंद्र पंडोले पिता राजू पंडोले (21) खेरी सेमरिया, थाना नवेगांव, जिला छिंदवाड़ा का रहने वाला था। वह कटारा गांव में झुग्गी बनाकर रह रहा था और मजदूरी करता था। उसके साथी संजय बड़ोदे ने बताया कि गुरुवार को देवेंद्र काम पर नहीं गया था। दोपहर एक बजे संजय खाने की छुट्टी होने पर झुग्गी पहुंचा और देवेंद्र के साथ खाना खाने के बाद काम पर चला गया। शाम करीब साढ़े पांच बजे झुग्गी पर लौटा तो देवेंद्र का शव फांसी के फंदे लटका हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

गौतम नगर में दिया वारदात को अंजाम

युवक से मारपीट कर मोबाइल छीनकर भागा बदमाश धराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित छोला कलारी के पास बुधवार देर रात एक बदमाश ने युवक से मारपीट कर उसका मोबाइल छीन लिया। युवक होटल से खाना लेकर घर लौट रहा था। इस बीच रास्ते में आरोपी मिल गया। वह आरोपी को जानता था, इसलिए उसने लूट का नामजद प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने घेराबंदी कर मध्य रात्रि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस के अनुसार अटल अय्यूब नगर निवासी दयाराम पाटिल (45) प्राइवेट काम करता है। बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे वह छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल से खाना खरीद कर पैदल घर लौट रहा था। इस बीच छोला कलारी के पास जीशान कुरैशी मिल



गया। दयाराम उसको पहचानता था। दयाराम को रास्ते में रोककर जीशान उसकी जेबों की तलाशी लेने लगा। विरोध करने पर उसने दयाराम की पिटाई लगा दी और उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गया। दयाराम में तुरंत थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। आरोपी जीशान कुरैशी रेलवे के केबिन के पीछे छुपा मिल गया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने मोबाइल बरामद कर लिया है। उसे अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ की जा रही है।

स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी: मोनिका

भोजेश्वर महादेव मंदिर परिसर में साफ-सफाई की श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

भोजपुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत (माय भारत) के तत्वावधान में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत भोजेश्वर महादेव मंदिर, भोजपुर परिसर में सेवा शक्ति मंडल ने स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा स्वच्छ एवं सुंदर पर्यावरण बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर माय भारत की



डिप्टी डायरेक्टर मोनिका चौधरी की उपस्थिति रही। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता से जुड़ा संकल्प है। कार्यक्रम में मेरा भारत के स्वयंसेवक विशाल शर्मा, आर्यन ठाकुर, राहुल नागर, अभिषेक, आलोक, कीर्ति, विपाशा, वंदना, आदित्य एवं ऋतिक सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों की स्वच्छता के साथ-साथ युवाओं और समाज में स्वच्छता, जिम्मेदारी एवं जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना रहा।

नगर परिषद कर्मियों को निर्देश देने का आरोप

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि चौकसे के विरोध में पार्षद, नप में आना बंद करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर परिषद में विधायक प्रतिनिधि नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू चौकसे के खिलाफ नगर परिषद कार्यालय में बैठने के विरोध में भाजपा के



पार्षदों ने एवं पा ष द प्रतिनिधियों ने सीएमओ को ज्ञापन देते हुए मांग की कि सोनू चौकसे नगर परिषद कार्यालय में न आए और न बैठे। ज्ञापन देते हुए आरोप लगाया कि वह नगर परिषद में बैठते हैं और फाइलों को देखते हैं और कर्मचारियों को निर्देश देते हैं, ये नहीं होना चाहिए।

ज्ञातत्व हो कि प्रतिपक्ष नेता और पार्षद राजेश खटीक कलेक्टर रायसेन, सीएमओ नगर परिषद आयुक्त नगर परिषद को ज्ञापन देकर सोनू चौकसे का नगर परिषद में दखल और बैठना बंद करने की मांग पूर्व में कर चुके हैं। वहीं, सोनू चौकसे का कहना है कि वे जनहित से जुड़े कार्यों और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर नगर परिषद में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा करने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा दी गई जिम्मेदारी के तहत नगर परिषद की गतिविधियों की जानकारी लेना और जनता से जुड़े मुद्दों को सामने रखना उनका अधिकार है। वहीं, नगर परिषद से जुड़े स्तर पर इस तरह की मौजूदगी को लेकर अलग-अलग चर्चाएं सामने आ रही हैं। विवाद का मुख्य बिंदु यह है कि विधायक प्रतिनिधि की नगर परिषद में भूमिका और कार्यालयीन व्यवस्था में उनकी मौजूदगी किस सीमा तक होनी चाहिए। हालांकि, इस संबंध में नगर परिषद के अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

पीक ऑवर्स में उद्योगपति, कर्मचारी, विद्यार्थी, आमजन रोजाना होते हैं परेशान

शाम होते ही ट्रैफिक जाम की जद में आ जाते हैं 2 हजार से अधिक वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

मंडीदीप में ट्रैफिक जाम अब आम हो चुका है। शहर से गुजरने वाला हाईवे आए दिन जाम के आगोश में आ जाता है। यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालक मंडीदीप, सतलापुर एवं मंगल बाजार से गुजरने के लिए बचते हैं, परंतु मजबूरी में लोग यहां से निकलते हैं।

शहर में आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। इसकी सुध लेने के लिए न तो यातायात विभाग के कर्मचारी, न पुलिस और न ही जिम्मेदार और विभागीय अधिकारी हैं, जो यातायात को सुचारू रूप से चालू करने के लिए मैदान में हो। एमपीआरडीसी के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा सर्विस रोड के चौड़ीकरण के लिए कोई कार्ययोजना नहीं है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है।

खास बातें

- मंडीदीप, सतलापुर एवं मंगल बाजार से गुजरने के लिए बचते हैं वाहन चालक
- जिम्मेदार अधिकारी नहीं ले रहे सुध



एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड को नहीं मिलती निकलने की जगह

ट्रैफिक जाम में जरूरी सेवा जैसे एंबुलेंस, पुलिस, फायर ब्रिगेड, मरीज समेत कई महत्वपूर्ण सेवाओं के वाहन जाम में फंसे रहते है। जिससे समय पर सुविधाएं नहीं मिल पा रही है।

हजारों वाहन चालक समय पर नहीं पहुंच पा रहे अपने गतंव्य

मंडीदीप में सबसे ज्यादा जाम की स्थिति शाम 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक बनती है कारण ये है कि यह इस समय उद्योगों के कर्मचारी और मजदूर वर्ग के लोग भोपाल के लिए जाते है और बड़े बड़े वाहन यहां से गुजरते है। जिसमें लगभग दो हजार से अधिक वाहन घंटों फंसे रहते है।

पीएम ने पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के पवित्र श्राइन

पुलिस का अमला ट्रैफिक जाम हटाने में लगा रहता है। बड़े वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनती है। शाम को जाम ज्यादा होता है। जाम से निजात के लिए पुलिस मुस्तैद है।
रंजीत सराठे, थाना प्रभारी, मंडीदीप

जय प्रकाश शर्मा का मनाया जन्मदिन समर्थकों ने दीर्घायु की शुभकामनाएं दी



हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

गुरुवार को जय प्रकाश शर्मा मित्र मंडल द्वारा जय प्रकाश शर्मा का जन्मदिन शक्ति ट्रेडर्स पर मनाया गया।

इस अवसर पर मित्र मंडल के सभी सदस्यों एवं साथियों ने उपस्थित होकर जय प्रकाश शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राम अग्रवाल, विनोद नागर, डैनी साहू, हरिशंकर नागर, संजय शर्मा, संजय नागर, मनीष गोशिंदे, बंटी जोशी, प्रेस क्लब अध्यक्ष भारत निहाल, नंदू शर्मा, संतोष नागर, मोनू साहू, बंटी तिवारी सहित मित्र मंडल के सभी साथी उपस्थित रहे।

प्रदेश के आनंद विभाग की ओर से आनंद ग्राम भी घोषित किया गया है

सीसीटीवी की निगरानी, खुले में शौच पर रोक ऐसा है मध्यप्रदेश का 'स्मार्ट गांव' पड़रिया थोबन

भोपाल। दमोह जिले के जबेरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत खैरी सिंगोरगढ़ का पड़रिया थोबन गांव मप्र का एकमात्र स्मार्ट गांव है। 350 आबादी वाले इस गांव पड़रिया थोबन को मप्र के आनंद विभाग की ओर से आनंद ग्राम भी घोषित किया गया है। रानी दुर्गावती अभयारण्य में आने के बाद पड़रिया थोबन में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ी हैं और देश से नहीं बल्कि विदेशों से भी पर्यटक यहां आकर ठहरते हैं। इस गांव की खासियत हैं कि यहां पूरे गांव की निगरानी सीसीटीवी से होती है और यहां रहने वाले ग्रामीण शौचालयों का प्रयोग करते हैं यहां खुले में शौच पूरी तरह प्रतिबंधित हैं, सीसीटीवी निगरानी के चलते यहां अपराध पर अंकुश रहता है इतना ही नहीं यहां सार्वजनिक नशा भी पूरी तरह प्रतिबंधित है। स्मार्ट गांव बनने के बाद अब तक गांव में 8 ओर उपलब्धियां जुड़ चुकी हैं।


अनुज वाजपेयी

सेटेलाइट से पूरे गांव की निगरानी

वहीं, गांव के ही रजनीश बाजपेई ने बताया उनके एक दोस्त सत्येंद्र सिंह जबेरा के रहने वाले हैं। उनसे संपर्क करने पर इस गांव के बारे में जानकारी लगी। सेटेलाइट से पूरे गांव की निगरानी की और उसके बाद गांव का री-डेवलपमेंट प्लान तैयार करवाया। यहां के पब्लिक एड्रेस सिस्टम की विशेषता यह है कि गांव में हों या कहीं और इंटरनेट के माध्यम से सीधे ग्रामीणों के साथ बातचीत कर सकते हैं।



350
आबादी वाला गांव, स्वच्छता- अनुशासन ने बदली तस्वीर



अमेरिका के रजनीश ने स्मार्ट गांव फाउंडेशन से जोड़ा

गांव के अनुज वाजपेयी ने बताया कि 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर अमेरिका निवासी रजनीश वाजपेई और मुंबई निवासी योगेश साहू ने इसे स्मार्ट गांव फाउंडेशन से जोड़ा। इसके अंतर्गत फाउंडेशन की मदद से गांव में कैमरे और पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए गए हैं। समूह के सदस्य समय-समय पर गांव का दौरा कर व्यवस्थाओं की निगरानी भी करते हैं। अनुज ने कहा कि डिजिटल निगरानी के साथ-साथ गांव वालों के बेहतर आपसी समन्वय के कारण गांव में विवाद और अपराध की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगा है।

आनंद ग्राम के तहत युवाओं ने लिया भोपाल में प्रशिक्षण

अनुज ने बताया कि आनंद ग्राम के तहत गांव के युवाओं को भोपाल में प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे गांव की स्थानीय समस्याओं के समाधान में सहयोग कर सकें। ग्रामीणों को तनावमुक्त रखने के लिए योग कक्षाएं संचालित करने का प्रशिक्षण भी युवाओं को दिया गया है।

घरों के सामने डस्टबिन, नवजातों के लिए मिनी आंगनबाड़ी केंद्र

स्मार्ट गांव के रूप में विकसित इस गांव में प्रत्येक घर के सामने डस्टबिन रखे गए हैं और कचरा संग्रहण की व्यवस्था भी की गई है। नवजात और छोटे बच्चों के लिए मिनी आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, स्मार्ट क्लास, अमृत क्लास के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग की व्यवस्था की गई है। शिक्षा के लिए प्राइमरी स्कूल, जहां अमृत और स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को कोचिंग दी जाती है। प्राथमिक स्कूल में स्मार्ट टीवी भी लगाया गया है।

निःशुल्क देव्य हेल्थ केयर सेंटर भी

घर-घर पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाई गई है और सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। हाल ही में एक परिवार की ओर से निःशुल्क देव्य हेल्थ केयर सेंटर भी शुरू किया गया है, जहां ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच के साथ दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

एक क्लिक पर मिलती है गांव की जानकारी

यहां पर गांव के एक-एक मकान और उसके लोगों का डेटा वेबसाइट पर उपलब्ध है। यही नहीं गांव का पूरा नक्शा अलग से तैयार करवाया गया है। गांव के तालाब, गोचर भूमि, कृषि योग्य जमीन, नहर, सड़कें एवं घर किसका है यह सभी जानकारी सिर्फ एक लिंक से प्राप्त की जा सकती है। हर परिवार का डेटा फीड किया जा रहा है, जो एक क्लिक पर उपलब्ध होगा। दुनिया के किसी भी कोने से गांव के किसी भी व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है।



नेचुरल पेंट का उपयोग करते कलाकार।

महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण

गोबर से तैयार किया जा रहा प्राकृतिक पेंट, किसी हानिकारक केमिकल का उपयोग नहीं

भोपाल। ग्वालियर की आजीविका मिशन से जुड़ीं महिलाओं ने बडी, पापड़, अगरबत्ती और अचार से भी आगे बढ़कर अब गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण की अनूठी पहल कर महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड की खेड़ापति स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्यों ने एकजुट होकर गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का कार्य प्रारंभ किया। उनके द्वारा किए गए नवाचार को न केवल सराहा गया, बल्कि उन्हें आर्थिक संबल भी मिला। उनका यह कार्य पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में भी एक अच्छी पहल है। आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं की इस पहल से महिलाओं को न केवल अतिरिक्त आय का साधन मिला है बल्कि पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान हुआ है। यह पेंट गोबर से बनाया जाता है। इसमें किसी भी प्रकार के हानिकारक केमिकल का उपयोग नहीं होता। इस कारण यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए पूरी तरह सुरक्षित है और दीवारों को आकर्षक रंग भी प्रदान करता है। साथ ही मात्र 4 घंटे में दीवार पर लगा ये पेंट सूख भी जाता है।


तैयार पेंट के साथ महिला समूह सदस्य।

प्रशासन से मिला सहयोग

जिला प्रशासन ने समूह की महिलाओं को इस कार्य के लिए प्रेरित कर तकनीकी प्रशिक्षण एवं विपणन (मार्केटिंग) में भी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया। प्राकृतिक पेंट का उत्पादन स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ पर्यावरण-अनुकूल विकल्प साबित हो रहा है और समूह की महिला सदस्य आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

धुआंधार घूमने आएं तो यहां से जरूर ले जाएं नर्मदा की यादें

संगमरमर की कलाकारी से सजा भेड़ाघाट का बाजार

संगमरमर बाजार भी पर्यटकों को करता है खासतौर से आकर्षित

जबलपुर का भेड़ाघाट केवल संगमरमर की ऊंची-ऊंची चट्टानों और धुआंधार जलप्रपात के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि यहां का संगमरमर बाजार भी पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है। धुआंधार की सैर के साथ यदि भेड़ाघाट के बाजार से संगमरमर की कलाकृतियां न खरीदी जाएं तो मानो जबलपुर की यात्रा अधूरी ही रह जाती है। भेड़ाघाट और आसपास का क्षेत्र अपने संगमरमर के लिए देश-दुनिया में पहचान रखता है। इसी संगमरमर को स्थानीय कारीगर अपनी कला से खूबसूरत मूर्तियों, दीपदान, लैम्पशेड, वॉल हैंगिंग और सजावटी वस्तुओं का रूप देते हैं। भगवान की आकर्षक प्रतिमाओं से लेकर घर की सजावट के सामान तक, यहां पर्यटकों के लिए पसंद करने को बहुत कुछ है।





शिवलिंग की खास मांग

भेड़ाघाट के बाजार में अलग-अलग आकार और प्रकार के शिवलिंग आसानी से मिल जाते हैं। इनमें नर्मदा क्षेत्र के पत्थर से तैयार किए गए शिवलिंग नर्मदेश्वर विशेष आकर्षण का केंद्र रहते हैं। छोटे आकार के शिवलिंग घर में पूजा के लिए और बड़े आकार के शिवलिंग मंदिरों या सामुदायिक धार्मिक स्थलों के लिए खरीदे जाते हैं। कई दुकानों पर संगमरमर और पत्थर से बनी भगवान की बड़ी प्रतिमाएं भी देखने को मिलती हैं। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार इन प्रतिमाओं की मांग देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा विदेशों में भी रहती है।

घर सजाने के लिए खास आकर्षण लैंपशेड-फूलदान

संगमरमर के लैंपशेड इस बाजार की खास पहचान हैं। अलग-अलग आकार और डिजाइन में उपलब्ध ये लैम्पशेड घर के किसी भी कोने की खूबसूरती बढ़ा सकते हैं। कुछ वस्तुओं का उपयोग सजावटी फूलदान के रूप में भी किया जा सकता है। इसके अलावा संगमरमर की छोटी-बड़ी कलाकृतियां, नामपट्टिकाएं और वॉल हैंगिंग पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। अपनी पसंद के अनुसार नाम या डिजाइन वाली वस्तुएं भी बनवाई जा सकती हैं। पर्यटक इन्हें स्मृति-चिह्न के तौर पर अपने साथ ले जाते हैं।

चूड़ियों में भी दिखती है कारीगरी

भेड़ाघाट के बाजार में संगमरमर के अलावा पीतल और रंग-बिरंगे पत्थरों से सजी चूड़ियां भी आकर्षण का केंद्र हैं। मोतियों से सजाई गई चूड़ियों की कई डिजाइन यहां देखने को मिलती हैं। इनकी कीमत भी अलग-अलग डिजाइन और कारीगरी के आधार पर तय होती है।

खरीदारी में सावधानी जरूरी

संगमरमर की कई कलाकृतियां नाजुक होती हैं, इसलिए इन्हें खरीदने के बाद पैकिंग और परिवहन में विशेष सावधानी बरतना जरूरी है। कीमत तय करने से पहले अलग-अलग दुकानों पर भाव पूछना भी उपयोगी रहता है। स्थानीय बाजार में मोलभाव की गुंजाइश रहती है, इसलिए खरीदारी करते समय कीमत की तुलना जरूर करें।
भेड़ाघाट की संगमरमर की ये कलाकृतियां सिर्फ सजावटी वस्तुएं नहीं, बल्कि जबलपुर और नर्मदा अंचल की कला, परंपरा और प्राकृतिक विरासत की याद भी अपने साथ ले जाती हैं। यही वजह है कि धुआंधार देखने आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक यहां की संगमरमर की वस्तुओं को अपने सफर की खास निशानी के रूप में साथ ले जाते हैं।

परदादा, दादा, पिता के बाद राकेश प्रजापति ने संभाली परंपरा

हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल सौ साल से प्रजापति समाज निकाल रहा ताजिए

निहाल बोले हिंदू-मुस्लिम भाईचारा ही देश की खूबसूरती

भोपाल। देश भर में सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की कई कहानियां देखने को मिलती हैं, लेकिन कुछ परंपराएं ऐसी होती हैं जो वक्त के साथ और गहरी होती जाती हैं। ऐसी ही एक अनूठी मिसाल भोपाल के घोड़ा नक्कास स्थित कुम्हार गली में प्रजापति समाज द्वारा पिछले सौ सालों से निकाली जा रही ताजिए की परंपरा है। यह परंपरा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हिंदू-मुस्लिम भाईचारे और साझी संस्कृति का एक सजीव प्रतीक बन चुकी है।


निहाल प्रजापति


राकेश प्रजापति

चार पीढ़ियों से कायम है यह अनूठी परंपरा

इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे निहाल प्रजापति बताते हैं कि यह सिलसिला उनके परिवार में करीब एक सदी पहले शुरू हुआ था। सबसे पहले उनके परदादा भागचंद प्रजापति ने इस परंपरा की नींव रखी थी। उनके बाद दादा मूलचंद प्रजापति और फिर पिता राकेश ने पूरे भक्तिभाव और आस्था के साथ इसे जारी रखा। अब पिता के साथ निहाल प्रजापति इस जिम्मेदारी और विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

दौर बदले, लेकिन परिवार का नहीं बदला अकीदा

समय बदला, दौर बदले, लेकिन इस परिवार का अकीदा और गंगा-जमुनी तहजीब के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। आज भी मुहर्रम के दौरान प्रजापति परिवार ताजिए के निर्माण और जुलूस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। परिवार के लोगों पर बाबा की सवारी भी आती है।

एक-दूसरे की आस्था का सम्मान ही हमारी ताकत बनेगा

अपनी इस विरासत को लेकर निहाल का कहना है कि हमारे पूर्वजों ने जो राह दिखाई थी, हम बस उसी पर चल रहे हैं। हिंदू-मुस्लिम भाईचारा ही हमारे देश की सबसे बड़ी खूबसूरती और ताकत है। जब तक हम एक-दूसरे के त्यौहारों और आस्थाओं का सम्मान करेंगे, तब तक देश की एकता को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

कौमी एकता का संदेश

मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष अहमद खुर्रम का कहना है कि प्रजापति समाज द्वारा निकाले जाने वाले इस ताजिए को देखने के लिए हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोग बड़ी संख्या में जुटते हैं। लोग एक साथ मिलकर दुआएं मांगते हैं और एक-दूसरे को सहयोग देते हैं। ऐसे समय में जब समाज में कभी-कभी दूरियां देखने को मिलती हैं, तब सौ सालों से चली आ रही यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि भारत की असली पहचान उसकी विविधता में एकता और आपसी प्रेम ही है।



4728 जगहों की बदली तस्वीर

रेलवे ने कराया सौंदर्यीकरण, कचरे से बनाई कलाकृतियां

भोपाल। महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश से प्रेरित होकर रेलवे ने स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत अभियान के तहत पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) जोन में व्यापक सफाई और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया। अभियान के दौरान जोन में 4728 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) को चिन्हित कर उनकी तस्वीर बदली गई। इनमें भोपाल मंडल की करीब 1140, जबलपुर मंडल की करीब 1940 और कोटा मंडल की 1200 जगहें शामिल हैं। अभियान के तहत ऐसी जगहों को चिन्हित किया गया, जहां पहले गंदगी थी। सफाई और सौंदर्यीकरण के बाद इन स्थानों की तस्वीरें अपलोड की गईं। रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों और अन्य परिसरों में यात्रियों व कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया गया।



कचरे को बनाया कला का हिस्सा

अभियान के दौरान रेलवे ने अपशिष्ट सामग्री के पुनः उपयोग की रचनात्मक पहल भी की। कलाकारों, रेलवे कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने बेकार सामग्री से आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। इसके जरिए कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देने का प्रयास किया गया।

सालभर चलाते हैं स्वच्छता अभियान

संजय पटेल ने बताया कि महात्मा गांधी जयंती और नवरात्रि के अवसर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन समाज की ओर से सालभर स्वच्छता जागरूकता गतिविधियां की जाती हैं। समाज के कार्यक्रमों के दौरान पूरे क्षेत्र की सफाई के साथ जगह-जगह डस्टबिन रखे जाते हैं और लोगों को कचरा डस्टबिन में डालने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि लगातार चल रहे अभियानों का असर अब बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक दिखाई दे रहा है। लोग स्वच्छता को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझने लगे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज की ओर से राहगीरों को कई बार कपड़े की थैलियां भी वितरित की जाती हैं। पटेल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी नीति नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है। सामूहिक भागीदारी से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और बेहतर वातावरण तैयार किया जा सकता है।

गुजराती समाज की स्वच्छता पहल बनी मिसाल: बच्चों के साथ श्रमदान, 20 अक्टूबर तक चलेगा जागरुकता अभियान

भोपाल। महात्मा गांधी के स्वच्छता और जन-कल्याण के विचारों को आगे बढ़ाते हुए आज देश के विभिन्न समाजों द्वारा बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के तहत भोपाल गुजराती समाज ने जनभागीदारी की मिसाल पेश की है। समाज की ओर से 1 से 20 अक्टूबर तक विशेष स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत समाज के लोग श्रमदान के साथ बच्चों को भी स्वच्छता का महत्व समझा रहे हैं। गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल ने बताया कि अभियान के दौरान समाज के भवन और आसपास के क्षेत्र की सफाई की जाएगी। इसमें बच्चों को भी शामिल किया जा रहा है, ताकि उनमें बचपन से ही स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो।

वहीद खान, मधुरिमा राजपाल, कपिल देव श्रीवास्तव और अनुरोध पटेरिया की रिपोर्ट

1,520 किमी की मोटरसाइकिल यात्रा को अपर प्रबंध संचालक डॉ. बेडेकर ने दिखाई हरी झंडी

प्रकृति और रोमांच के सफर पर निकले 22 राइडर्स, एडवेंचर टूरिज्म को मिली नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

देश के 9 राज्यों और फ्रांस से जुटे 22 साहसी राइडर्स

प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने 10 दिवसीय विशेष मोटरसाइकिल एक्सपीडिशन का शुभारंभ हुआ। मप्र पर्यटन अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने हरी झंडी दिखाकर 1,520 किमी लंबी इस यात्रा को भोपाल से रवाना किया। यह यात्रा पर्यटकों को प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों, ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति से सीधे जोड़ने का माध्यम बनेगी। इस अवसर पर टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त निदेशक डॉ. संतोष श्रीवास्तव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आईजीआरएमएस) के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे सहित पर्यटन बोर्ड एवं रॉयल एनफील्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।


रैली का शुभारंभ करते डॉ बेडेकर।

अभियान में देश-विदेश के 22 राइडर्स भाग ले रहे हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और केरल के प्रतिभागी शामिल हैं। यात्रा में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता भी दर्ज की गई है, जिसके तहत फ्रांस के पेरिस से आईं 55 वर्षीय महिला राइडर फैबिएन क्रिस्टीन जैनिन इयूपुइस विशेष रूप से शामिल हुई हैं। उन्होंने प्रदेश के प्राकृतिक और वन्यजीव स्थलों को दोपहिया वाहन से करीब से देखने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया।

पचमढ़ी से पन्ना तक का मनोरम यात्रा मार्ग

1 से 10 अक्टूबर तक चलने वाली इस नौ दिवसीय यात्रा का मार्ग भोपाल से शुरू होकर पचमढ़ी, पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना होते हुए पुनः भोपाल पर समाप्त होगा। अभियान में शामिल राइडर्स हाल ही में लॉन्च हुई रॉयल एनफील्ड बुलेट 650 पर सवार होकर पहाड़ी, वनाच्छादित और दुर्गम रास्तों का अनुभव करेंगे। इस यात्रा का भव्य समापन भोपाल में आयोजित होने वाले 7वें मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट (एमपीटीएम) 2026 के विशेष समारोह में किया जाएगा। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को पेंच, कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर-जोन में सुबह की विशेष जीप सफारी का अनुभव कराया जाएगा।

26वें स्थापना दिवस पर हुआ आयोजन

फिटनेस, टीम स्पिरिट और सशक्त बीएसएनएल का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के 26वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार भोपाल में हमारा बीएसएनएल 5 किमी रन 2026 का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बीएसएनएल परिवार में स्वास्थ्य, फिटनेस, टीम भावना एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना तथा फिटनेस के साथ कनेक्टिविटी का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ परिमंडल कार्यालय, भोपाल से हुआ। सुबह 5:15 बजे प्रतिभागियों का रिपोर्टिंग एवं गैदरिंग हुआ। इसके पश्चात सुबह 5:30 बजे ऊर्जावान जुबा एवं वार्म-अप सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद मिथिलेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल द्वारा सुबह 6 बजे हमारा बीएसएनएल 5 किमी रन 2026 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम की मेजबानी बीएसएनएल व्यवसाय क्षेत्र भोपाल के प्रधान महाप्रबंधक महेंद्र सिंह धाकड़ ने की। बीएसएनएल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने हमारा बीएसएनएल 5 किमी रन 2026 में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

एम-3 ग्रुप की ओर से रवींद्र भवन में 4 को सजेगी संगीत संध्या

शब्बीर कुमार की आवाज से सजेगी संगीत की शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सुदेश भोंसले नाइट की सफलता के बाद एम-3 ग्रुप भोपाल और एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ भोपाल की ओर से 4 अक्टूबर को रविंद्र भवन के हंसध्वनि सभागृह में संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। शाम 6.30 बजे से होने वाला यह कार्यक्रम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी की स्मृति तथा अभिनेता अमिताभ बच्चन के जन्मदिन को समर्पित होगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर शब्बीर कुमार अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देंगे। उनके साथ इंडियन आइडल व सारेगामा की विजेता इशिता विश्वकर्मा, वॉयस ऑफ किशोर अरविंद दयाल शर्मा और मुंबई के संगीतकार विक्रमजीत सिंह (विक्की) स्वर विंग्स बैंड के साथ लाइव प्रस्तुति देंगे।



प्रशंसकों के लिए होगी खास शाम

ए-3 ग्रुप के अध्यक्ष दिनेश गर्ग ने बताया कि यह शाम अमिताभ बच्चन के प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के लिए खास होगी। वहीं एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ भोपाल के अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ संगीत से जुड़े कलाकारों और समूहों को भी आमंत्रित किया गया है।

...मेरी जंग में भी आवाज दे चुके शब्बीर

शब्बीर कुमार ने अमिताभ बच्चन, जितेंद्र, अनिल कपूर, गोविंदा, जैकी श्रॉफ, मिथुन चक्रवर्ती और सनी देओल सहित कई अभिनेताओं के लिए पार्श्वगायन किया है। कुली, बेताब, गुलामी और मेरी जंग जैसी फिल्मों के उनके लोकप्रिय गीत आज भी श्रोताओं के बीच पसंद किए जाते हैं।

गांधी जयंती विशेष

बंद होटल के कमरों के बजाए मिट्टी की खुशबू, ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव कर रहे पर्यटक

गांधी के सपने को साकार कर रहे मप्र के गांव, घर बने होम स्टे तो ग्रामीण संस्कृति बनी मेहमाननवाजी की पहचान

पर्यटकों के गांव में आने से आर्थिक गतिविधियां भी पहुंचती हैं गांव तक

गांवों में फलीभूत हो रही ग्राम स्वराज की अवधारणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महात्मा गांधी के लिए भारत की आत्मा गांवों में बसती थी। उनका ग्राम स्वराज केवल गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की कल्पना नहीं था, बल्कि ऐसी व्यवस्था का सपना था, जिसमें गांव अपनी मिट्टी, अपनी परंपराओं और अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ें।

गांधी जयंती पर मप्र के कुछ गांवों में पर्यटन के जरिए साकार होती ग्राम स्वराज की इसी तस्वीर को देखा जा सकता है। यहां विकास का रास्ता गांव की चौपाल से होकर गुजरता है और रोजगार के लिए गांववासियों को अपनी जड़ों से दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए गांव को शहर जैसा बनाने की कोशिश नहीं की जाती। गांव अपनी पहचान के साथ ही पर्यटकों के सामने आता है। गांधी जयंती पर हरिभूमि ने कुछ ऐसे ही गांवों को तलाशा जहां ग्राम स्वराज की अवधारणा फलीभूत हो रही है।


होम स्टे में मेहमानों के साथ ओपी मारण।

मप्र के सीहोर जिले के निकट स्थित खारी गांव में गिरिजा होमस्टे के संचालक ओम प्रकाश मारन ने कहा कि 2020 के बाद हमारे गांव की तस्वीर एकदम बदल गई, जहां पहले हम सभी गांव वासी पूरी तरह खेती किसानी पर निर्भर थे वहीं अब शासकीय अधिकारी मनोज सिंह के प्रयासों से हमारे गांव में होम स्टे बनाए गए, इससे देशी और विदेशी पर्यटक यहां आकर ठहरते हैं और इससे हमारा रोजगार भी बढ़ता है। ओम प्रकाश ने कहा कि आज आलम यह है कि हमारे गांव में एक महीने में 20 दिन होम स्टे बुक रहते हैं। ग्राम स्टे की यह पहल पर्यटन को केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे संस्कृति और रोजगार के बीच सेतु बनाती है। पर्यटकों के ठहरने से सीधे ग्रामीण परिवारों को आय मिलती है। स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प, लोककला, परिवहन और दूसरे छोटे व्यवसायों को भी इससे काम मिलता है। यानी पर्यटक गांव में आता है तो उसके साथ आर्थिक गतिविधियां भी गांव तक पहुंचती हैं।

ग्रामीणों ने पारंपरिक घरों को बदला होम स्टे में

इन गांवों में ग्रामीणों ने अपने पारंपरिक घरों को होम स्टे में बदल दिया है। दूर देशों से आने वाले पर्यटक होटल की बंद दीवारों के बजाय गांव के आंगन, मिट्टी की खुशबू, स्थानीय भोजन, लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव करते हैं। सुबह की शुरुआत गांव की प्राकृतिक छटा के बीच होती है और दिन आसपास के पर्यटन स्थलों की सैर में गुजरता है। शाम लौटकर वही पर्यटक ग्रामीण परिवार के साथ बैठकर स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली को समझते हैं।

पन्ना टाइगर रिजर्व के करीब 70 वर्षीय रमाबाई संचालित करती होम स्टे

महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज केवल आत्मनिर्भर गांव तक ही सीमित नहीं है बल्कि जंगलों के आस-पास बसे इलाकों में ग्राम स्वराज का रूप देखा जा सकता है, इसका जीता जागता उदाहरण है पन्ना टाइगर रिजर्व के करीब मंडला जिले में 'रमाबाई की बखरी'। जंगल के बीच बने इस छोटे से ग्राम स्टे में देश-विदेश से आने वाले पर्यटक गांव के जीवन को करीब से महसूस करते हैं,


विदेशी मेहमानों के साथ रमाबाई।

जिससे ग्रामीण परिवार को रोजगार भी मिलता है। करीब 70 वर्षीय रमाबाई ने अपने तीन कमरों के घर को गोंड संस्कृति और ग्रामीण परिवेश के अनुरूप तैयार किया है। यहां आने वाले विदेशी मेहमान सिर्फ ठहरते नहीं, बल्कि साड़ी पहनना, चूड़ियां पहनना, मेहंदी लगाना और ग्रामीण महिलाओं के साथ बैठकर रोटी बनाना भी सीखते हैं। स्थानीय खान-पान भी उनके अनुभव का हिस्सा है। महुआ की खीर, महुआ का चीला, मक्के की रोटी, सरसों का साग, मुरंगा, कचरिया और ककोरा जैसी पारंपरिक सब्जियां पर्यटकों को खूब पसंद आती हैं।

रंगों में उकेरी विकसित भारत की तस्वीर, वूमंस पॉलिटेक्निक की छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक सोच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भर भारत संग दिखे महात्मा गांधी के सिद्धांत

विकसित भारत केवल सपनों की संकल्पना नहीं, बल्कि तकनीक, आत्मनिर्भरता, प्रगति और सामाजिक मूल्यों से आकार लेती एक नई तस्वीर है।

इसी तस्वीर को शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी कल्पनाशीलता के रंगों से कागज पर जीवंत किया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित भारत की संकल्पना को विषय बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के प्रति दृष्टिकोण को अभिव्यक्त किया।





यह रहीं विजेता

प्रतियोगिता में आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन विभाग की इयोना रिया फ्रांसिस ने प्रथम, खुशी पाल ने द्वितीय और योगिता मंडलोई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जिम्मेदारों से पूर्ण होगी विकसित भारत की तस्वीर

महाविद्यालय के पांचों विभागों से कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। किसी चित्र में आधुनिक तकनीक और आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई दी तो किसी में विकास के साथ सामाजिक मूल्यों और महात्मा गांधी के सिद्धांतों को प्रमुखता दी गई। रंगों और कल्पनाओं के जरिए विद्यार्थियों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि विकसित भारत की तस्वीर केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता से भी पूरी होती है।

प्री-कॉप 31 परामर्श में 'लिविंग द राइट वे' पर मंथन, विशेषज्ञों ने रखे विचार

जलवायु संकट का समाधान केवल नीतियों में नहीं, जीवनशैली में बदलाव से भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे खान-पान, खेती, स्वास्थ्य, शहरों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सवाल बन चुका है। ऐसे में समाधान केवल बड़े वैश्विक समझौतों में नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों में भी तलाशना होगा। इसी सोच के साथ मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में गुरुवार को 'लिविंग द राइट वे' पहल के तहत प्री-कॉप 31 परामर्श का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता के नुकसान से पैदा हो रहे तिहरे संकट पर चर्चा करते हुए भारतीय जीवन पद्धति, आधुनिक विज्ञान, अंतरिक्ष तकनीक, एआई और स्थानीय ज्ञान को साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत बताई।



'जस्ट ट्रांजिशन' की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी

कार्यक्रम का केंद्रीय विषय जलवायु और सतत विकास के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में राज्यों की भूमिका बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. गोपाल आर्य ने की। यूएनईपी एशिया की निदेशक डॉ. देवेन सेरिंग ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सतत विकास और भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है। उन्होंने राष्ट्रीय नीतियों को राज्य और स्थानीय स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा प्रभावित समुदायों को साथ लेकर 'जस्ट ट्रांजिशन' की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत बताई। इस मौके पर एम पी सी एस टी के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने 'मध्य प्रदेश पर्यावरण पंचायत' का प्रस्ताव रखा साथ ही उन्होंने स्थानीय सुझावों को कोप-31 तक पहुंचाने की बात भी कही।

नालंदा की ऐतिहासिक भूमि पर विश्वरंग : ज्ञान, भाषा, साहित्य, कला और एशिया के साथ संवाद

विश्वरंग :सांस्कृतिक संवाद की नई भारत-दृष्टि, अतीत से संवाद के साथ भविष्य की तैयारी

भारत को समझने के लिए केवल उसका राजनीतिक इतिहास पढ़ना पर्याप्त नहीं है। भारत का एक दूसरा इतिहास भी है- विश्वविद्यालयों, गुरुकुलों, पुस्तकालयों, यात्राओं, भाषाओं, लोक-स्मृतियों, कलाओं और उन सांस्कृतिक संपर्कों का इतिहास, जिनके माध्यम से एक भूगोल दूसरे भूगोल से जुड़ता रहा। यह विचारों की आवाजाही, ज्ञान के आदान-प्रदान और मनुष्य की उस जिज्ञासा का इतिहास है, जो अपने से भिन्न संसार को जानना चाहती है। नालंदा इसी इतिहास का महत्वपूर्ण स्थल है, जहां भारतीय बौद्धिक और सांस्कृतिक चेतना का व्यापक एशियाई आयाम दिखाई देता है।



संतोष चौबे
निदेशक विश्वरंग, कुलाधिपति रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय

इसीलिए नालंदा की भूमि पर 'विश्वरंग' का आयोजन केवल किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम को दूसरे शहर में ले जाना नहीं है। यहां स्थान स्वयं विचार का हिस्सा बन जाता है। एक ओर नालंदा की वह ऐतिहासिक स्मृति है, जहां दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान अध्ययन-विमर्श के लिए आते थे; दूसरी ओर विश्वरंग की समकालीन दृष्टि है, जो विभिन्न भाषाओं, साहित्यिक परंपराओं और सांस्कृतिक क्षेत्रों के रचनाकारों, कलाकारों और शिक्षाविदों को संवाद के लिए एक मंच पर लाती है। इस अर्थ में यह आयोजन इतिहास की पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि उसकी समकालीन प्रतिध्वनि है।

आज जब शिक्षा के सामने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी परिवर्तन, रोजगार, कौशल, पर्यावरण और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं, तब नालंदा की स्मृति का अर्थ अतीत को हूबहू पुनर्स्थापित करना नहीं हो सकता। इसका अर्थ यह पूछना है कि हमारी वर्तमान ज्ञान-संस्थाएं कितनी खुली, बहुविषयक, संवादशील और समाज से जुड़ी हैं। क्या विश्वविद्यालय केवल अपने-अपने विषयों की सीमाओं में काम करेंगे या भाषा, साहित्य, कला, तकनीक और समाज के बीच नए संवादों के लिए भी जगह बनाएंगे? नालंदा में विश्वरंग का विमर्श इसी प्रश्न को समकालीन संदर्भ देता है।

विश्वरंग की सांस्कृतिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों को एक-दूसरे के निकट लाना तथा भारत को उसके व्यापक एशियाई संदर्भ में देखना है। नालंदा इस उद्देश्य को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि देता है। यहां सांस्कृतिक संवाद कोई नई आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की निरंतर विकसित होती प्रक्रिया के रूप में सामने आता है।

भारतीय भाषाएं: विविधता से संवाद तक : भारत की भाषाई विविधता को केवल बहुलता का उदाहरण मानना पर्याप्त नहीं है। भाषाएं पहचान के साथ-साथ संसार को देखने की अलग-अलग दृष्टियां भी संजोती हैं। उनके साहित्य, लोक-स्मृतियां, मुहावरे, मिथक और जीवन-अनुभव किसी समाज की सामूहिक चेतना को आकार देते हैं। इसलिए भारतीय भाषाओं का प्रश्न केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मबोध का भी प्रश्न है।

कला और टैगोर : संस्कृति की व्यापक दृष्टि : विश्वरंग की प्रकृति में साहित्य को कला से अलग करके नहीं देखा जाता। संस्कृति संगीत, नाटक, चित्रकला, सिनेमा और नृत्य में भी अभिव्यक्त होती है। भारतीय कला-परंपराओं की बहुलता बताती है कि संस्कृति कोई स्थिर वस्तु नहीं है। शास्त्रीय और लोक, परंपरा और आधुनिकता, क्षेत्रीय और वैश्विक—इनके बीच निरंतर संवाद से संस्कृति विकसित होती है। इसलिए सांस्कृतिक संवाद को केवल चर्चाओं तक सीमित रखने के बजाय उसकी रचनात्मक अभिव्यक्तियों तक ले जाना भी आवश्यक है।

नालंदा से पटना और वहां से रवीन्द्रनाथ टैगोर तक पहुंचने वाली सांस्कृतिक यात्रा भी स्वाभाविक है। नालंदा भारत और एशिया के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संवाद का प्रतीक है, वहीं टैगोर ने आधुनिक समय में अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए दूसरी संस्कृतियों से संवाद की मानवीय और वैश्विक दृष्टि विकसित की। इस अर्थ में टैगोर पर होने वाला विमर्श नालंदा की ऐतिहासिक चेतना का आधुनिक विस्तार बनता है।

नालंदा की विरासत का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका एशियाई विस्तार भी है। ज्ञान और बौद्धिक परंपराओं का प्रभाव दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचा। इसलिए नालंदा से जुड़ा वर्तमान सांस्कृतिक विमर्श स्वाभाविक रूप से भारत से आगे एशिया तक जाता है। इतिहास के इन संपर्कों को आज शिक्षा, संस्कृति, व्यापार और सतत विकास के नए संदर्भों में समझने की आवश्यकता है।

संस्कृति और सतत विकास : संस्कृति का संबंध केवल विरासत से नहीं, भविष्य से भी है। किसी समाज का सांस्कृतिक ज्ञान उसके प्राकृतिक संसाधनों, पारंपरिक शिल्प, कृषि-पद्धतियों, स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक जीवन से जुड़ा होता है। इसलिए सतत विकास की चर्चा में सांस्कृतिक संदर्भों को शामिल करना विकास को अधिक मानवीय और स्थानीय बना सकता है।

विश्वरंग का मंच इसी बहुलता को संवाद में बदलने की कोशिश करता है। इसका उद्देश्य किसी एक सांस्कृतिक रूप को 'भारतीय संस्कृति' का एकमात्र प्रतिनिधि मानना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृतियों के परस्पर संबंधों को समझने का अवसर तैयार करना है।

भाषाओं और सांस्कृतिक स्मृतियों को पीछे नहीं छोड़ती... : इन सभी आयामों को साथ रखकर एक व्यापक भारत-दृष्टि उभरती है-ऐसी दृष्टि जो अपनी विरासत से परिचित है, लेकिन अतीत में बंद नहीं; जो विविधता को स्वीकार करती है, लेकिन संवाद की संभावनाओं को समाप्त नहीं करती; जो आधुनिकता को अपनाती है, लेकिन अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक स्मृतियों को पीछे नहीं छोड़ती; और जो विश्व से संवाद करती है, लेकिन उस संवाद के लिए आत्मविश्वास अपनी सांस्कृतिक जड़ों से प्राप्त करती है।

आज भारत को आर्थिक और तकनीकी प्रगति के साथ अपनी सांस्कृतिक और बौद्धिक विविधता को नए संवादों में बदलने की भी आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों, साहित्यिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें केवल कार्यक्रम आयोजित करने वाले मंच न रहकर ऐसे स्थान विकसित करने होंगे जहाँ भाषा, साहित्य, ज्ञान, कला, तकनीक, अर्थव्यवस्था और समाज एक-दूसरे से संवाद कर सकें।

इसलिए नालंदा की ऐतिहासिक भूमि पर विश्वरंग का अर्थ अतीत की ओर लौटना भर नहीं, बल्कि अतीत से संवाद करते हुए भविष्य की ओर बढ़ना है। यही संवाद भारत की बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता और उसकी व्यापक एशियाई चेतना को समकालीन संदर्भ में समझने का एक अवसर भी बन सकता है।

गौरव / रजनी अरोड़ा

बच्चो, हमारे देश को आजाद कराने में महात्मा गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांधी जी के विचार और उनके संदेशों ने सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लोगों को प्रभावित किया। यही वजह है कि अपने देश के अलावा दुनिया के कई देशों में भी महात्मा गांधी की भव्य प्रतिमाएं स्थापित हैं। दुनिया भर में मौजूद महात्मा गांधी की कुछ प्रतिमाओं के बारे में जानो।

दुनिया के कई देशों में हैं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं



लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर पर स्थित प्रतिमा

बच्चो, महात्मा गांधी भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नायक होने के साथ ही, पूरी मानवता और संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत भी रहे हैं। अहिंसा, सत्याग्रह और शांतिपूर्ण प्रतिरोध के उनके विचार पूरी दुनिया में आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवनकाल में थे। कई देशों में स्थापित गांधी जी की प्रतिमाएं इस बात का प्रमाण हैं।

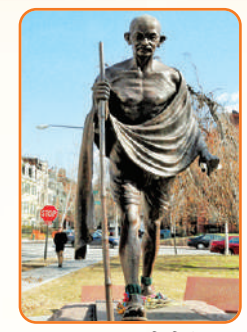


पीटरमैरित्जबर्ग चर्च स्ट्रीट में

यूनाइटेड किंगडम: हमारे देश में लगभग 200 साल तक शासन करने वाले ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ गांधी जी ने जीवन भर संघर्ष किया था। उसी देश की राजधानी लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर पर 2015 में उनकी कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। इसकी स्थापना गांधी जी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटकर स्वतंत्रता संग्राम शुरू करने की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी। लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर पर भी गांधी जी की प्रतिमा है, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की थी। ये प्रतिमाएं भारत पर शासन करने वाले ब्रिटिश साम्राज्य पर गांधी जी के प्रभाव को दर्शाने के साथ, ब्रिटेन-भारत के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका: दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी को उनके शुरुआती सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष के लिए भी जाना जाता है। 1893 में जब गांधी जी प्रिटोरिया की यात्रा कर रहे थे, तब उन्हें पीटरमैरित्जबर्ग स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के डिब्बे से नस्लीय भेदभाव के कारण बाहर निकाल दिया गया था। यह घटना उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ साबित हुई और यहीं से उन्होंने रंगभेद तथा अन्याय के विरुद्ध अहिंसक संघर्ष का मार्ग अपनाया। इसी ऐतिहासिक महत्व के कारण पीटरमैरित्जबर्ग की चर्च स्ट्रीट पर गांधी जी की एक प्रतिमा स्थापित है। इसके अलावा जोहांसबर्ग में भी उनकी एक प्रतिमा है, जो 24 वर्ष की आयु में दक्षिण अफ्रीका पहुंचकर उत्पीड़ित और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले युवा गांधी को श्रद्धांजलि देती है। गांधी जी की ये प्रतिमाएं भारत-दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक संबंधों की याद दिलाती हैं। साथ ही नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं पर गांधी के प्रभाव को भी रेखांकित करती हैं, जिन्होंने रंगभेद के खिलाफ लड़ाई के लिए गांधी जी के अहिंसक प्रतिरोध से प्रेरणा ली थी।

संयुक्त राज्य अमेरिका: महात्मा गांधी कभी अमेरिका नहीं गए। लेकिन उस समय के अमेरिकी नागरिकों और मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे नेताओं पर गांधी जी के विचारों का प्रभाव था। भारत के बाद गांधी जी की सबसे अधिक प्रतिमाएं और स्मारक अमेरिका में ही हैं। न्यूयॉर्क के यूनियन स्क्वायर पार्क, सैन फ्रांसिस्को के एंबार्कडेरो क्षेत्र, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के सामने, अटलांटा, मोंटाना, ह्यूस्टन जैसी कई जगहों पर उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं। ये मूर्तियां गांधी जी के सत्याग्रह और शांतिपूर्ण अहिंसक प्रतिरोध के दर्शन को वैश्विक प्रतीक के रूप में दर्शाती हैं।



वाशिंगटन डीसी में

जापान: परमाणु हमले का दंश झेल चुके जापान के हिरोशिमा शहर में महात्मा गांधी की प्रतिमा 2023 में स्थापित की गई। मोतायासु नदी के किनारे स्थित यह प्रतिमा, दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश देती है। यहां एडोगावा और सुगिनामी वार्ड में भी गांधी जी की प्रतिमाएं हैं। ये प्रतिमाएं भारत-जापान के बीच दोस्ती और सद्भावना का प्रतीक हैं।

अन्य देशों में भी हैं प्रतिमाएं: स्विट्जरलैंड के जिनेवा में गांधी जी की प्रतिमा शांति के प्रतीक के रूप में खड़ी है। ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में ग्लीबे पार्क में गांधी जी की कांस्य प्रतिमा उनके मार्गदर्शक सिद्धांतों को दर्शाती है। इसी तरह कनाडा के टोरंटो शहर के पीस पार्क, स्पेन के मैड्रिड, अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स, रूस के मॉस्को, मॉरीशस के मोका शहर में स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के पास पैरामाटा के जुबली पार्क, दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित योनसे विश्वविद्यालय में भी गांधी जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक केंद्र में 2018 में एक प्रतिमा स्थापित की गई जो युवा पीढ़ी को गांधी जी के मूल्यों से सीख लेने के लिए प्रेरित करती है। *



कैनबरा का ग्लीबे पार्क में

कई अर्ध-प्रतिमाएं भी हैं स्थापित



विभिन्न देशों में गांधी जी की अर्ध-प्रतिमाएं (छाती से ऊपर) भी स्थापित हैं। ये अर्ध-प्रतिमाएं अधिकतर दूतावास परिसर, विश्वविद्यालय कैंपस, संग्रहालय या अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के भीतर सार्वजनिक स्थानों में स्थापित की गई हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानो-

- लंदन में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के लंदन मुख्यालय में गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर एक अर्ध-प्रतिमा स्थापित की गई है।
- दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरित्जबर्ग रेलवे स्टेशन में (जहां से गांधी जी को ट्रेन के प्रथम श्रेणी के कोच से उतारा गया था) गांधीजी की द्वोतरफा अर्ध-प्रतिमा स्थापित की गई हैं।
- कनाडा के मैनिटोबा शहर के कैनेडियन म्यूजियम फॉर ह्यूमन राइट्स और क्यूबेक सिटी की पार्लियामेंट के सामने।
- नीदरलैंड्स, द हेग के हॉब्बेमाप्लाइन में।
- साइप्रस में संसद भवन के पास भी ऐसी प्रतिमा है।
- न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के नॉर्थ लॉन में।
- बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में भी ऐसी प्रतिमा है।

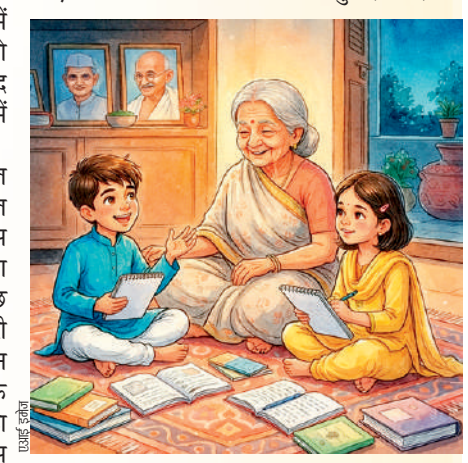
आओ याद करें महात्मा गांधी के साथ लाल बहादुर शास्त्री को भी



ज्ञानवार्ता

वसीम अहमद नगरामी

कल विद्यालय में गांधी-शास्त्री जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर के लिए विद्यालय की ओर से सभी बच्चों को कुछ-न-कुछ बोलने-सुनाने के लिए कहा गया था। इसलिए अनहद और अंकिता समारोह की तैयारियों में व्यस्त थे। लेकिन वे सोच नहीं पा रहे थे, आखिर तैयारी किस ढंग से की जाए, आइडिया कहां से लिया जाए? थोड़ा सोचने के बाद उनके दिमाग में आया कि सबसे अच्छी जानकारी तो दादी जी से ही मिल सकती है। अनहद और अंकिता तुरंत दादी के कमरे में जा पहुंचे।



डूडल कृतिका

अनहद ने बताया, 'दादी, कल गांधी जयंती है। हमारे स्कूल में कल इसे धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के जाने-माने लोग भी आएंगे। ऐसे में हम लोगों को कुछ ना कुछ बोलने के लिए अच्छी तैयारी करके आने को कहा गया है, लेकिन दादी हम लोग कैसी तैयारी करके जाएं, कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है।' दादी मुस्कुरा कर बोलीं, 'बस इतनी सी बात है, आओ बैठो मैं बताती हूं। तुम दोनों गौर से मेरी बातें सुनो। इस जानकारी के आधार पर चाहे निबंध, चाहे कविता रच लेना, कोई भाषण या फिर कोई और प्रेरक कथा लिख लेना।' दादी की यह बात सुनकर अनहद और अंकिता की खुशी का ठिकाना न रहा। दोनों दादी के समीप बैठ गए। उन्होंने महात्मा गांधी के बाल्यकाल से लेकर बैरिस्ट्री की पढ़ाई तक जानकारी दी। भारत की आजादी के लिए किए गए उनके संघर्षों की जानकारी दी। इससे जुड़ी प्रेरक कथाएं बताईं। जिसे सुनकर अनहद और अंकिता बहुत भाव-विह्वल हुए। दादी का गला दास्तान सुनाते-सुनाते कई बार भर्रा गया था। उन्होंने यह भी बताया, 'महात्मा गांधी की तरह ही, इसी दिन एक और महापुरुष लाल बहादुर शास्त्री की भी जयंती मनाई जाती है। शास्त्री जी में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी थी। वे त्याग की प्रतिमूर्ति थे। उनमें स्वाभिमान, समर्पण, सादगी, ईमानदारी के गुण थे। बहुत छोटी उम्र में उन्हें ही देश की चिंता सताने लगी थी। शीघ्र ही वे नरम दल के प्रभाव में आए और गांधी जी से प्रेरित होकर उनके अनुयायी हो गए। जब वे देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने तब भी उन्होंने ईमानदारी, सच्चाई और सादगी का दामन नहीं छोड़ा। प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए भी उन्होंने कभी अपने परिवार को यह आभास नहीं होने दिया कि वे एक साधारण इंसान से ऊपर हैं। जहां गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी ने 'जय जवान जय किसान' का नारा बुलंद कर देश के किसानों और जवानों दोनों का हौंसला बढ़ाया। देश में अकाल के समय में जहां अन्न की कमी नहीं होने दी, वहीं पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय जवानों में जोश भर कर देश की सीमाओं की सुरक्षा को भी चाक-चौबंद बनाए रखा।' दादी द्वारा दी गई जानकारी को खूब अच्छे से सुनकर अनहद ने जहां एक ओजपूर्ण भाषण तैयार किया, वहीं अंकिता ने एक नन्ही-सी कविता रची। अगले दिन सुबह दोनों विद्यालय पहुंचे। विद्यालय में आयोजित गांधी जयंती समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। दोनों ने विद्यालय में आयोजित गांधी जयंती समारोह में हिस्सा लिया। अनहद को उसके ओजस्वी भाषण के लिए जहां प्रथम पुरस्कार मिला, वहीं अंकिता को उसकी गांधी-शास्त्री जयंती पर आधारित कविता के लिए भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अनहद और अंकिता के दादा-दादी भी दर्शक-दीर्घा में मौजूद थे। *

तुम्हारे लिए नई किताब / डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

मजेदार कल्पनाओं भरे गीत

बच्चो, डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री के 25 शिशु गीतों की नई किताब प्रकाशित हुई है। 'नन्हे-मुन्ने गीत हमारे' शीर्षक से प्रकाशित इस शिशु गीत संग्रह को रचनाकार ने अपने गुरुदेव बाल साहित्यकार संत कुमार बाजपेई को समर्पित किया है।



संग्रह की भोली और नटखट कविताओं को पढ़कर तुम्हें खूब मजा आएगा। छोटे-छोटे गीतों की मजेदार कल्पनाएं बड़ी अनूठी हैं। जैसे- 'भालूजी' कविता में भालू गरम जलेबी खाता है। 'पक्का दोस्त' कविता में टमाटर-मटर में लड़ाई होती है और आलू उनका बचाव करता है। 'बंदर जी' में एडमिशन के बाद बंदर सबसे दोस्ती करता है और अपने टिफिन से दोस्तों को खिलाता भी है। ऐसे ही कविता 'धूप' बहुत ही रोचक है, जिसमें सर्दी के मौसम में मॉल से झोला भर-भर धूप लाने की गजब कल्पना है। 'लेनी पड़ी दवाई' कविता में सूरज दादा को खांसी-जुकाम के कारण दवा खानी पड़ती है।

ऐसे ही कुछ कविताओं में नटखट सवाल और शिकायतें भी हैं। जैसे 'आसमान में तारे' कविता में जिज्ञासा भरा सवाल है कि आसमान के तारे दिन में कहां खो जाते हैं और क्या फिर उनके मम्मी-पापा भी उन्हें खोजने जाते होंगे? 'ठीक नहीं मनमानी' शीर्षक कविता में सूरज से मनमानी करने पर गुस्से भरी रिक्वेस्ट भी है।

संग्रह में 'मेरे दादू', 'रेल', 'गांव', 'बनूंगा सैनिक', 'मम्मी जी', 'तितली रानी', 'फूल', 'बाल ले गया कौआ' जैसे शिशु गीत भी बहुत रोचक-मनोरंजक हैं।

किताब का आकर्षक रंगीन कवर और कविताओं के साथ बने ब्लैक एंड व्हाइट चित्र भी तुम्हें खूब पसंद आएंगे। *

किताब: नन्हे-मुन्ने गीत हमारे (शिशु गीत संग्रह), **रचनाकार:** डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** नमन प्रकाशन, लखनऊ

कहानी

सरस्वती रमेश

2 अक्टूबर को रिमझिम और सरगम को स्कूल नहीं जाना था, पापा ने कहा कि हम गांधी जयंती घर पर मनाएंगे। बच्चे चौंके, घर में कैसे गांधी जयंती मनाएंगे! लेकिन घर पर गांधी जयंती मनाई गई। है तो जरूर यह चौंकाने वाली बात, पर बच्चों ने अपने पापा-मम्मी के साथ घर में गांधी जयंती मनाई, गांधी जी के आदर्शों के अनुरूप।

घर पर गांधी जयंती!



डूडल कृतिका

पापा, 2 अक्टूबर को हमारी छुट्टी है। हम कहीं घूमने चलें?' रिमझिम ने उत्साह से पूछा।

'क्यों?' 2 अक्टूबर को तो गांधी जयंती है। तुम्हारे स्कूल में गांधी जयंती नहीं मनाई जाएगी क्या?' पापा ने पूछा।

'वह तो 1 अक्टूबर को ही मना लेंगे। फिर 2 अक्टूबर को तो छुट्टी है!' रिमझिम ने बताया।

'तो ठीक है, 2 अक्टूबर को हम घर पर गांधी जयंती मनाएंगे।' पापा बोले।

'घर पर..! लेकिन गांधी जयंती घर पर कैसे मनाएंगे?' सरगम ने आश्चर्य से पूछा, 'गांधी जयंती पर तो भाषण होते हैं और भी कई कार्यक्रम होते हैं।'

पापा मुस्कुराए, 'गांधी जयंती मनाने के और भी तरीके हैं।'

'क्या..?' दोनों बहनें एक साथ बोलीं।

पापा ने कुछ कहने के लिए मुंह खोला ही था, मम्मी उन्हें देखकर मुस्करा दीं। पापा समझ गए चुप रहना है, सो वह चुप रहे।

अगली सुबह घर में देर तक सन्नाटा रहा। छुट्टी का दिन जो था। पापा, मम्मी, रिमझिम और सरगम देर से उठे। लेकिन उठते ही दोनों बहनों की नजर घर में इधर-उधर पड़ी चीजों पर पड़ी। रसोई में बर्तन फैले थे। झाड़ू ना लगने से घर बहुत गंदा लग रहा था। यह सब देखर दोनों बहनों की नींद गायब ही हो गई।

'ओह! घर की तो हालत ही खराब है!' रिमझिम बोली।

मम्मी ने कहा, 'आज ज्योति आंटी छुट्टी पर हैं। इसलिए हमें अपना काम खुद ही करना होगा।'

'लेकिन हम कैसे करेंगे?' सरगम तुरंत बोली, 'ये तो ज्योति आंटी का काम है।'

मम्मी बोलीं, 'तो क्या आज घर का काम नहीं होगा? सामान इसी तरह बिखरा रहेगा। साफ-सफाई नहीं होगी?'

दोनों बहनें चुप।

'चलो, पहले बर्तन धो लेती हूं। उसके बाद सब मिलकर घर साफ करेंगे।' मम्मी दोनों बेटियों के कंधे पर प्यार से हाथ रखते हुए बोलीं।

'लेकिन मुझे तो बहुत भूख लगी है।' सरगम ने पेट पर हाथ रखते हुए कहा।

'मुझे भी!' रिमझिम बोली।

पापा झट से झाड़ू उठा लाए, बोले, 'भई, मैं तो भूखा नहीं रह सकता। मैं अपना कमरा साफ करता हूं। ताकि तुम्हारी मम्मी खाना बना सकें।'

पापा को झाड़ू लगाते देखकर दोनों बहनें एक-दूसरे का मुंह देखने लगीं। आखिरकार सरगम धीरे से बोली, 'चलो, हम भी सफाई करते हैं।'

दोनों अपने कमरे में पहुंचीं। पहले उन्होंने बिखरे कपड़े समेटे, फिर अलमारी ठीक की। कुछ देर बाद सरगम के हाथ में झाड़ू थी और रिमझिम पोंछा लगाने लगी।

उधर मम्मी रसोई संभाल रही थीं। पापा कपड़े धोने में जुट गए थे। कुछ ही देर में घर में बिखरा सारा सामान व्यवस्थित ढंग से लग गया।

'देखो, मेरा कमरा कितना साफ हो गया!' रिमझिम खुशी से चिल्लाई।

'और देखो, मैंने सारे कपड़े तह करके रख दिए!' सरगम ने अपनी अलमारी दिखाते हुए कहा।

अब दोनों बहनें मम्मी के पास जा पहुंचीं।

'मम्मी, हम आपकी मदद करें?' दोनों ने एक स्वर में पूछा।

मम्मी ने मुस्कुराकर कहा, 'क्यों नहीं!'

दोपहर तक घर चमकने लगा था। सब थक चुके थे, लेकिन आज खाने की मेज पर बैठते ही सबके चेहरों पर अलग ही खुशी थी। 'आज खाना कुछ ज्यादा स्वादिष्ट लग रहा है।' पापा ने कहा।

'क्योंकि आज भूख भी ज्यादा लगी है!' सरगम हंसते हुए बोली।

सब हंस पड़े।

खाने के बाद सबने थोड़ी देर आराम किया। शाम को सभी आंगन में बैठे। रिमझिम ने अचानक पापा से पूछा, 'पापा, आपने कहा था न कि हम घर पर गांधी जयंती मनाएंगे। लेकिन हमने तो न कोई भाषण दिया, न कोई कार्यक्रम किया फिर गांधी जयंती कैसे मनाई?'

पापा ने मम्मी की ओर देखा। वह मुस्कुराते हुए बोलीं, 'आज हमने वही किया, जो गांधीजी हमें सिखाते थे।'

'क्या?' दोनों बहनों ने पूछा।

'अपने काम को छोटा न समझना और अपना काम खुद करना। ज्योति आंटी हमारी सहायता के लिए हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपने काम से पूरी तरह मुंह मोड़ लें। गांधीजी किसी काम को छोटा नहीं समझते थे। अपने काम के लिए किसी पर निर्भर भी नहीं रहते थे।' मम्मी बोलीं। 'किसी महान व्यक्ति को याद करने का सबसे अच्छा तरीका केवल उनके बारे में बोलना नहीं, बल्कि उनकी अच्छी सीख को अपने जीवन में उतारना भी है।' पापा ने कहा।

दोनों बहनें चुपचाप एक-दूसरे को देखने लगीं। सरगम बोली, 'मतलब, आज हमने गांधीजी के बारे में सिर्फ बात नहीं की, बल्कि उनकी एक सीख पर अमल भी किया?'

'बिल्कुल!' पापा बोले।

रिमझिम के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

'तो पापा, अगले साल गांधी जयंती पर घूमने नहीं जाएंगे?' रिमझिम ने पूछा।

'क्यों?' पापा ने पूछा।

'पहले घर की सफाई करेंगे, फिर घूमने जाएंगे!' मम्मी बोलीं।

इस बात पर सब जोर से हंस पड़े। *

कविता

घमंडीलाल अग्रवाल



डूडल कृतिका

दिन दो अक्टूबर का आया!

एक नहीं दो नेताओं की
मीठी-मीठी यादें लाया,
दिन दो अक्टूबर का आया!
लाठी और लंगोटी वाले
राष्ट्रपिता वह तो थे गांधी,
जो दुनिया भर में ले आए
सत्य-अहिंसा वाली आंधी।
नहीं तोप-बंदूक चलाई
पर भारत आजाद कराया।
दिन दो अक्टूबर का आया!
और दूसरे लाल बहादुर
शान बने भारत महान की,
जिसने बुलवाई जन-जन से
जय जवान की, जय किसान की।
रहे सादगी से जीवन भर
दोनों जन की याद दिलाया,
दिन दो अक्टूबर का आया!
हम सब काम करें उन जैसे
यह संकल्प आज दोहराएं,
आम आदमी खुश हो जिसमें
सुंदर, स्वस्थ समाज बनाएं!
तभी सार्थक होगा सपना
जो था पहले गया सजाया,
दिन दो अक्टूबर का आया!

जीके क्विज-225

1. महात्मा गांधी का जन्म कहां हुआ था?
2. महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत किस वर्ष लौटे थे?
3. गांधी जी अपना राजनीतिक गुरु किसे मानते थे?
4. महात्मा गांधी की पत्नी का नाम क्या था?
5. महात्मा गांधी का स्मारक कहां स्थित है?
6. गांधी जी को सबसे पहले 'महात्मा' किसने कहा था?
7. गांधी जी ने गुजरात में कौन-सा आश्रम स्थापित किया था?
8. प्रधानमंत्री के रूप में लाल बहादुर शास्त्री का क्रम क्या था?
9. एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने कौन-सा पदक जीता है?
10. एशियन गेम्स 2026 में मीराबाई चानू ने किस खेल में सिल्वर मेडल जीता है?



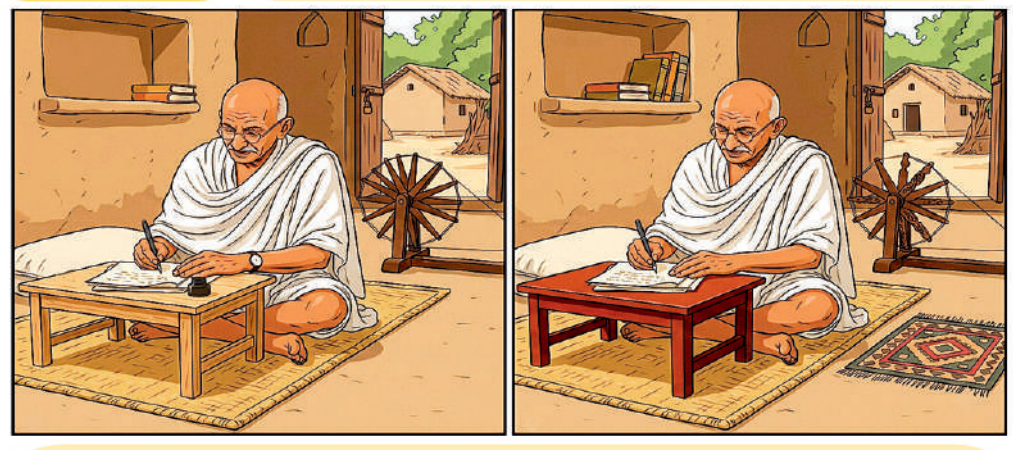
बच्चो, जीके क्विज-225 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-224 का उत्तर : 1. अभिषेक शर्मा, 2. अनंत नाग, 3. ओडिशा, 4. एलेना रायबाकिना, 5. चीता, 6. मुंबई, 7. क्लीमेंट एटली, 8. हीरा, 9. हाइड्रोजन, 10. शक संवत

जीके क्विज-224 का सही उत्तर देने वाले : समायरा-रायपुर, षडानन-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, ज्योति-राजनांदगांव, हर्ष-रोहतक, कविता-कटनी, दिशा-महासमुंद, सुमन-बलौदा बाजार, कल्पेश-रायपुर, जयंत-बिलसपुर

अंतर बताओ

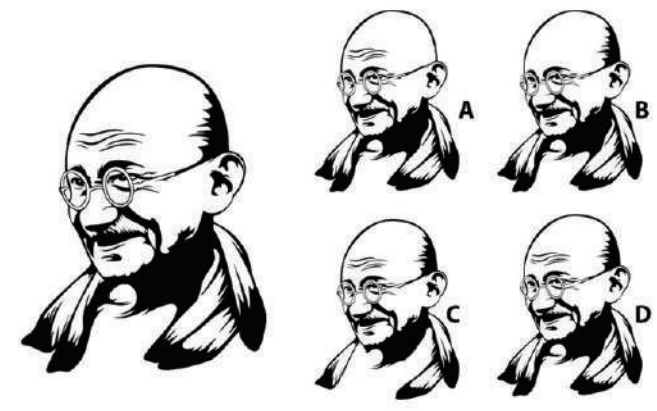
बच्चो, यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में सात अंतर हैं। तुम फटाफट इन दोनों चित्रों में सात अंतर ढूंढकर बताओ।



उत्तर: 1. गांधी जी की कमर पर पड़ी लंगोटी की डोरी लंबी है। 2. गांधी जी के माथे पर तीन रेखाएं हैं। 3. नेत्र का रंग अलग है। 4. पीछे दीवार पर बनी टेक की आकृति छिपाने हेतु है। 5. चित्र में दाईं तरफ एक और टेक रखा हुआ है। 6. पीछे दिख रही खिड़की का दरवाजा दूसरी तरफ है। 7. पीछे रखे घरेलू सामान की तीलियां अलग डिजाइन की हैं।

एक जैसा चित्र खोजो

बच्चो, यहां बाईं तरफ महात्मा गांधी का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। दाईं तरफ उससे मिलते-जुलते 4 चित्र दिए गए हैं। तुम ध्यान से देखकर बताओ कि दिए गए चार चित्रों में से कौन-सा चित्र बाईं तरफ वाले चित्र से हू-ब-हू मिलता है।



उत्तर: D

एशियाड हॉकी : पाकिस्तान को हराकर भारत फाइनल में

आखिरी मिनट में गोल दागकर अभिषेक ने दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

दूसरे हाफ में तीन गोल गंवाने वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम लचर प्रदर्शन के बावजूद आखिरी मिनट में अभिषेक के गोल की मदद से बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों की पुरूष हॉकी स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई। भारत ने पहले हाफ में तीन गोल करके 3-0 से बढत बना ली थी लेकिन दूसरा हाफ पाकिस्तान के नाम रहा जिसने तीन गोल करके स्कोर 3-3 कर दिया। ऐसा लग रहा था कि मैच पेनल्टी शूटआउट तक जायेगा लेकिन आखिरी सीटी बजने से कुछ सेकंड पहले अभिषेक ने गोल करके भारत को फाइनल में पहुंचाया। फाइनल शनिवार को खेला जायेगा जिसमें भारत का सामना मलेशिया या कोरिया से होगा।

पहले हाफ के बाद भारत ने बनाई 3-1 से बढ़त

भारत ने आक्रामक शुरुआत की और 5वें मिनट में ही बढ़त बना दी। पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत सिंह ने गोल करके खाता खोल दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने ही 13वें मिनट पर पेनल्टी कॉर्नर को फिर गोल में तब्दील किया। इसके बाद सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट में मैदानी गोल करते हुए स्कोर 3-0 किया। भारत के दबदबे के बाद दूसरे क्वार्टर में अबु मोहम्मद ने गोल किया। उन्होंने मैच के 30वें मिनट पर पेनल्टी कॉर्नर में गोल किया।



रोचक रहा दूसरा हाफ

तीसरे क्वार्टर के दौरान 36वें मिनट में पाकिस्तान ने बाएं छोर से गोल करने का प्रयास किया, जिसे भारतीय गोलकीपर ने अपनी मुस्तैदी से असफल किया। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले शाहिद हनान ने एक गोल करके स्कोर 2-3 कर दिया। वहीं चौथे क्वार्टर की शुरुआत में पाकिस्तान से वाहिद राणा ने गोल करके स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया। मैच के आखिरी मिनट में अभिषेक ने गोल करते हुए भारत को 4-3 से जीत दिलाई।

1998 के बाद भारत के लिए हुआ ये कारनामा

भारतीय महिला हॉकी टीम पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी है। ऐसे में 1998 के बाद यह पहला ऐसा मौका है, जब भारत की महिला और पुरुष दोनों हॉकी टीमें फाइनल में पहुंची थी। बता दें कि 1998 में हांगकांग खेलों में भारतीय पुरुष टीम ने दक्षिण कोरिया को पेनल्टी में हराते हुए स्वर्ण जीता था। वहीं, भारतीय महिला टीम को फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ हार मिली थी।

भारत की पुरुष और महिला स्क्वाश टीम को कांस्य पदक

नागोया। गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम का बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता में अपना खिताब बचाए रखने का सपना टूट गया और सेमीफाइनल में मलेशिया से 1-2 से हारने के कारण उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम भी तन्वी खन्ना की शानदार वापसी के बावजूद हांगकांग से 1-2 से हार गई और उसने भी अपने अभियान का अंत कांस्य पदक से किया। महिला वर्ग में स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह की पहले मैच में हार निर्णायक साबित हुई। स्क्वाश में कुल मिलाकर भारत ने एकल में दो रजत पदक, टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक और मिश्रित युगल में एक कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया।



सेफा. में सिर्फ तनवी ने ही जीता मैच

भारत से अनाहत सिंह हांगकांग के चान सिन युक से 2-3 से हार गईं। शुरुआती 2 गेम अनाहत ने 11-9, 11-8 से जीते, लेकिन इसके बाद चान ने वापसी करते हुए अगले 3 गेम अपने नाम किए। दूसरे मुकाबले में तनवी खन्ना ने बराबरी दिलाई। उन्होंने अपने से बेहतर रैंक वाली ली का यी के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। निर्णायक मुकाबले में अनुभवी जोशना चिनप्पा को हो जेलोक के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

स्क्वाश में भारत ने जीता चौथा पदक

एशियाई खेल 2026 में यह भारत को स्क्वाश में मिलने वाला कुल चौथा पदक है। उनसे पहले पुरुष एकल के फाइनल में अभय सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। फाइनल में मलेशिया के एन यो एनजी ने अभय को 3-0 से हराया। अनाहत को भी महिला एकल वर्ग में रजत मिला। वहीं, जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार मिली और कांस्य पदक से संतोष किया।

भारत का सेपकटेकरा में पदक पक्का



नागोया। भारत का एशियाई खेलों की सेपकटेकरा पुरूष 'क्वाड्रेंट' स्पर्धा में पदक पक्का हो गया जब टीम म्यामांर को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई। भारतीय टीम ने अपना अजेय अभियान कायम रखते हुए ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने म्यामांर को 10-15, 15-13, 15-7 से हराया। इससे पहले वियतनाम को 15-12, 15-9 से मात दी थी। ग्रुप बी में इंडोनेशिया शीर्ष पर रहा। सेमीफाइनल शुक्रवार को खेला जायेगा।

फ्रांसिस और नोबल ने पुरुष स्किफ में रजत पदक जीता

गामागोरी सिटी। भारतीय जोड़ी मनु फ्रांसिस और कुरिसिंकल नोबल ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई खेलों की सेलिंग प्रतियोगिता में पुरुष स्किफ की नौवीं रेस में रजत पदक जीता। फ्रांसिस और नोबल ने नौ रेस के बाद कुल 23 अंक जुटाए और दूसरे स्थान पर रहे। दोनों भारतीय खिलाड़ी जो एर्नाकुलम के रहने वाले और आपस में ममेरे भाई हैं। चीन की जोड़ी ने 16 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में सबसे कम कुल अंक हासिल करने वाली टीम विजेता बनती है। चीन की टीम में वेन जैंडिंग और लियू तियान शामिल थे। हांगकांग चीन के अकिरा ल्यूक साकाई और रसेल आयल्सवर्थ ने 24 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।



क्या होता है स्किफ सेलिंग खेल

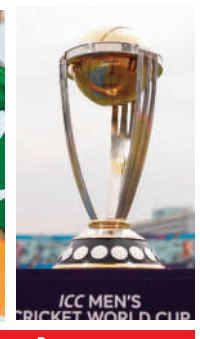
पुरुष स्किफ सेलिंग में प्रत्येक रेस में हासिल किए गए स्थान के आधार पर अंक दिए जाते हैं। पहला स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ी को एक अंक मिलता है और कुल अंक सबसे कम होने पर जीत दर्ज होती है। स्किफ छोटी और हल्की नौकाएं होती हैं।

विनाशकारी बाढ़ में खो गया नोबल का परिवार

केरल में 2018 की विनाशकारी बाढ़ के दौरान जान गंवाने वाले मछुआरे के बेटे नोबल ने कहा कि अपने पहले एशियाई खेलों में पदक जीतना विशेष एहसास है। नोबल ने फाइनल के बाद कहा यह कड़ी प्रतियोगिता थी और हमने रजत पदक जीत लिया।''दोनों मुंबई स्थित आर्मी यॉटिंग नोड में प्रशिक्षण लेते हैं। फ्रांसिस ने कहा, ''यह बहुत कठिन था। हवा तेज थी। हम तेज हवा वाली परिस्थितियों में ज्यादा सहज नहीं हैं। लेकिन हम टिके रहे और किसी तरह रजत पदक जीत लिया।

वनडे विश्व कप में पाक से 10 अक्टूबर को भिड़ेगा भारत





वनडे विश्व कप 2027 का शेड्यूल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे विश्व कप 2027 इस बार दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से होना है। लंबे अंतराल के बाद अफ्रीकी धरती पर होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने शेड्यूल की घोषणा की है। अगले वर्ष 2 अक्टूबर 2027 से टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। विश्व कप में 17 नवंबर को पहला सेमीफाइनल मैच केप टाउन में खेला जाएगा। इसके बाद 18 नवंबर को सेंचुरियन में दूसरा सेमीफाइनल मैच होना है। इसके बाद 21 नवंबर को जोहांसबर्ग में फाइनल मैच खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम अपने अभियान का आगाज 7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से करेगी। वहीं 10 अक्टूबर को भारत की भिड़ंत पाकिस्तान से होगी।

ऐसा है भारतीय टीम का कार्यक्रम

भारत के साथ ग्रुप-ए में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीमें होंगी। भारत 10 अक्टूबर को पाकिस्तान, 14 को अफगानिस्तान और 17 को क्वालिफायर-ए के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में मेजबान जिम्बाब्वे से 24 अक्टूबर को भिड़ेगी। वहीं ग्रुप-बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, और क्वालिफायर-रबी की टीमें शामिल हैं। 24 अक्टूबर को ग्रुप स्टेज के मैच समाप्त होंगे।

10 टीमों को मिलेगा सीधे प्रवेश

दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने सह-मेजबान होने के कारण विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, मेजबान होने के बावजूद नामीबिया को स्वतः क्वालीफिकेशन नहीं मिलेगा क्योंकि वह आईसीसी की पूर्ण सदस्य टीम नहीं है। इसके अलावा 8 टीमें 30 सितंबर 2026 की वनडे रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वालीफाई करेंगी। इस समय भारत वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर है।

आईसीसी ने प्रारूप में किया है बदलाव

वनडे विश्व कप 2027 के प्रारूप को लेकर आईसीसी ने बड़ा बदलाव किया है। अब 14 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। सबसे निचली रैंकिंग वाली 3 टीमें पहले 'सुपर सीरीज' खेलेगी। इस चरण से एक टीम मुख्य ग्रुप में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को 6-6 के 2 समूहों में बांटा जाएगा। शीर्ष 3-3 टीमें और दोनों ग्रुप की चौथी सर्वश्रेष्ठ टीम 'सुपर 7' के लिए क्वालीफाई करेंगी। 'सुपर 7' से शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल में जाएगी।

'सुपर-7' चरण में खेले जाएंगे 21 मैच

नए प्रारूप के तहत ग्रुप चरण के बाद पहली बार 'सुपर-7' चरण खेला जाएगा। 12 टीमों के बीच 30 ग्रुप मैच होंगे। वहीं, सुपर-7 में 21 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी ने प्रारूप में बदलाव का फैसला टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से किया है। दक्षिण अफ्रीका के 8 मैदानों में 2027 क्रिकेट विश्व कप के अधिकांश मुकाबले खेले जाने हैं।

नितेश ने रजत जीता, भारत का ग्रीको रोमन में चैंपियन का इंतजार जारी



नागोया। नितेश सिवाच को बृहस्पतिवार को यहां जापान के यूरी नाकाजातो से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिससे भारत का एशियाई खेलों में ग्रीको रोमन शैली के चैंपियन को देखने का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी बढ़ गया। नितेश ने 97 किलोग्राम भार वर्ग के इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन जापान के पहलवान ने उनकी एक नहीं चलने दी। नितेश आखिर में 0-4 से हार गए। भारत की तरफ से ग्रीको रोमन शैली में एशियाई खेलों में आखिरी बार स्वर्ण पदक 1962 में मालवा सिंह (52 किलोग्राम) और गणपत अंडालकर (97 किलोग्राम से अधिक) ने जीते थे।



ऐसा रहे दोनों के दांवपेंच

नाकाजातो ने पहले पीरियड के अंत तक 2-0 की बढ़त बना ली थी और अंत तक नितेश को 'हेड लॉक' पोजीशन में जकड़े रखा। स्थानीय खिलाड़ी ने इसके बाद नितेश का संतुलन बिगाड़ दिया और इस दांव को सफलतापूर्वक 'टेक डाउन' में बदलकर 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। जब एक मिनट का समय बचा था तब भारतीय पहलवान को आक्रामक होने की जरूरत थी लेकिन जापान के पहलवान ने ऐसा नहीं होने दिया।

भारतीय जूडोका इनुंगम्बी कांस्य का मुकाबला हारीं

नागोया। भारतीय जूडोका इनुंगाम्बी टी एशियाई खेलों में महिलाओं के 70 किलोवर्ग में मंगोलिया की अनुजिन उरान उलजी से कांस्य पदक का मुकाबला हार गई। अनुजिन ने चार मिनट के मुकाबले के बाद वाजा आरी से जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत में इनुंगम्बी ने अनुजिन के खिलाफ रक्षात्मक खेल दिखाया। वीडियो रिव्यू से स्कोरबोर्ड बदलने तक किसी भी खिलाड़ी ने स्कोर नहीं किया था, जिससे अनुजिन को फ्लिप के लिए युको मिल गया और मंगोलियन फाइटर 2-0 से आगे हो गई।

THE M.P. MATSYA MAHASANGH (SAHKARI) MARYADIT, BHOPAL
E-mail : mpfishfed@gmail.com, Phone : 0755-2774456 7974586617
N.I.T. No./1752/Store/MMS /2026-27 Bhopal Dated : 01.10. 2026

NIT FOR SUPPLY OF COMPUTER PRINTER & LAPTOP

Bids for Bid No. GEM/2026/B/8108239 are Invited for Supply of Desktop Computers, All in one computer, Printer & Laptop through Govt. E-Market place (GEM) Portal. The Selection will be based on lowest financial proposal from bidders satisfying technical criteria.
Interested bidders are requested to visit the GEM portal for detailed bid information.
M.P. Madhyam/128347/2026 SECRETARY

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित
Your host in the heart of India www.mpstdc.com
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन नं. : +91 755-4027100, 2774340,42, www.mpstdc.com
क्रमांक 464/यांत्रिकी/पविनि/26 दिनांक : 01.10.2026

निविदा सूचना 339

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:-** तुलसी नगर जिला भोपाल स्थित वन भवन के ब्लॉक-ई के तीन तलों के फिनिशिंग, विद्युतीकरण, ई.एल.व्ही. एवं एच.व्ही.ए.सी. के कार्य। **(08 माह)। कार्य की अनुमानित लागत राशि रु. 2076.00 लाख**
वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम तिथि 21.10.2026 समय सायं 05:00 बजे तक निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
म.प्र. माध्यम/128342/2026 **कार्यपालन यंत्री**

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

निष्प्रयोजित वाहनों के मोहरबंद ऑफर के माध्यम से विक्रय हेतु सूचना क्र. 14/26-27

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अ.ह.क. के कार्यालय में निम्नलिखित निष्प्रयोजित वाहनों का मोहरबंद ऑफर के माध्यम से विक्रय हेतु आवेदन फॉर्म प्रति वाहन रू. 590/- मात्र (जीएसटी सहित) के नगद भुगतान पर **दिनांक 12.10.2026 तक** कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन फॉर्म धरोहर राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट/सावधि जमा पत्र के साथ जमा करने की **अंतिम तिथि दिनांक 13.10.2026 सायं 05.30 बजे तक** होगी तथा प्राप्त मोहरबंद ऑफर **दिनांक 14.10.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे** खोले जावेंगे।

स. क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन पंजीयन क्रमांक	निर्माण वर्ष	वाहन का अपसेट मूल्य (रुपये)	धरोहर राशि (रुपये)	निरीक्षण हेतु भोपाल में वाहन उपलब्धता स्थल
1.	Chevrolet AVEO	MP04-CH-2133	2011	35,000/-	7000.00	पर्यावास भवन पार्किंग
2.	Maruti SX4	MP04-CF-6444	2010	38,000/-	7600.00	पर्यावास भवन पार्किंग
3.	TATA Safari	MP04-CH-0090	2011	45,000/-	9000.00	पर्यावास भवन पार्किंग
4.	Bajaj Auto	MP04-RA-2046	2010	14,000/-	2800.00	पर्यावास भवन पार्किंग
5.	Bajaj Auto	MP04-RA-2047	2010	14,000/-	2800.00	पर्यावास भवन पार्किंग
6.	Tata Indica Vista	MP04-CF-6397	2010	25,000/-	5000.00	पर्यावास भवन पार्किंग
7.	Chevrolet Spark	MP04-CH-4933	2011	25,000/-	5000.00	पर्यावास भवन पार्किंग

वाहनों का निरीक्षण **दिनांक 13.10.2026 को सायं 03.00 बजे तक** किया जा सकता है। प्रस्ताव की अन्य शर्तें एवं नियम आवेदन फॉर्म के साथ संलग्न प्रपत्र के अनुसार लागू होगी।
Visit us : www.mphousing.in
मो. 9406912030, 9826951451
/ mphidb
/ mphidb
कार्यपालन यंत्री (विद्युत)
संभाग विद्युत, भोपाल
म.प्र. माध्यम/128352/2026

कार्यालय कलेक्टर जिला एवं समुचित सरकार
मध्यप्रदेश शासन राजस्व भोपाल
क्रमांक 1458/भू-अर्जन/2026 भोपाल, दिनांक : 29.09.2026
राजस्व प्रकरण क्रमांक 0038/अ-82/25-26

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण अनुसूची क्रमांक-1 में दर्शित हितग्राहियों को सूचित किया जाता है कि प्रकरण क्रमांक 0038/अ-82/25-26 में चूकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थान में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रमांक 30 सन् 2013) के तहत भोपाल जिले में भोपाल बायपास मार्ग पर स्थित सूखी सेवनिया आर.ओ.बी. के रिटर्निंग वॉल निर्माण हेतु ग्राम चोपड़ा कलाँ तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित प्रभावित भूमि के संलग्न हितबद्ध व्यक्तियों को सूचना अनुसूची-02 (प्रभावित धारकों की सूची) अनुसार कुल किता 4 क्षेत्रफल 0. 4700 हे. भूमि अर्जन किया जाना है। प्रश्नाधीन भूमि में हितों की प्रकृति तथा ऐसे हितों के लिए प्रतिकर के दावे की रकम और विशिष्टियां धारा 20 के अधीन किये गये मापमानों के संबंध में पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के दावे यदि कोई हो अदि के संबंध में सुनवाई की जावेगी।
अतः धारा 21 की सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त अर्जन की जाने वाली भूमि के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार को कोई दावा यदि कोई हो तो सूचना पत्र जारी **दिनांक के 30 दिवस के भीतर** स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता में माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी।

अनुसूची (1)

क्र. स.	जिला	तहसील	ग्राम	कुल रकबा (हेक्टे. में)	भू-अर्जन का रकबा (हेक्टे. में)	धारा 12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1	भोपाल	हुजूर	चोपड़ा कलॉ	2.0253	0.4700	संभागीय प्रबंधक संभाग भोपाल सड़क विकास निगम, भोपाल म.प्र.	भोपाल जिले में भोपाल बायपास मार्ग पर स्थित सूखी सेवनिया आर.ओ.बी. के रिटर्निंग वॉल निर्माण

अनुसूची (2)

क्र. स.	भूमि स्वामी का नाम	खसरा क्रमांक	कुल रकबा (हेक्टे. में)	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा (हेक्टे. में)	भूमि की प्रकृति	भूमि का प्रकार
1	श्री जीवेन्द्रनाथ त्रिपाठी पुत्र स्व. विध्यासागर त्रिपाठी, पता निवासी आदर्श नगर सोनभद्र दुधी उत्तर प्रदेश	288/1/1 289/1/1	0.4900 0.1700	0.0970 0.1120	निजी	सिंचित
2	श्री अमरजीत कौर पत्नी स्व. श्री कुलदीप सिंह, पता 37 आई नाक्स गार्डन अयोध्या नगर के सेक्टर, भोपाल	283/1/1/4	0.5050	0.0700	निजी	सिंचित
3	विजय कुमार साहू पिता स्व. श्री लक्ष्मीनारायण साहू, पता निवासी 47, इतवारा बाजार, भोपाल	284/4/1/1	0.8603	0.1910	निजी	सिंचित
	कुल योग		**2.0253**	**0.4700**		

भोपाल जिले में भोपाल बायपास मार्ग पर स्थित सूखी सेवानिया आर.ओ.बी. के रिटर्निंग वॉल निर्माण हेतु हितबद्ध व्यक्तियों की आंशिक भूमि अर्जन हेतु प्रस्तावित हैं, जिसमें कोई भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं हो रहा है।
भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसील हुजूर जिला भोपाल के कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./-
(प्रियंक मिश्रा)
म.प्र. माध्यम/128312/2026 **कलेक्टर, जिला-भोपाल एवं समुचित सरकार, म.प्र. शासन**

खामरा के साथी जयकरण प्रजापति को भी दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई

सीरियल किलर खामरा को ड्राइवर व क्लीनर की हत्या मामले में दोहरा आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



ट्रक के ड्राइवर और क्लीनर की हत्या कर माल से लदे हुए ट्रक को लूटकर बिहार प्रदेश में बेचने के मामले के आरोपी सीरियल किलर आदेश खामरा और उसके सहयोगी जयकरण प्रजापति को नवम अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष शुक्ल ने दोषी ठहराते हुए दोहरा आजीवन कारावास और 5500-5500 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक जिला अभियोजन अधिकारी डॉ. रामकुमार खत्री ने बताया कि न्यायालय ने लूटे गए ट्रक के बेचने में आरोपियों की सहायता करने वाले मामले के सह आरोपी साहब सिंह उर्फ बलजिंदर सिंह और सुनील खटीक को 3-3 वर्ष के सश्रम कारावास और 1500-1500 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अभियोजन के अनुसार फरियादी संत शरण सिंह द्वारा माह जून 2018 में पुलिस थाना अशोका गार्डन में रिपोर्ट लिखाई गई थी कि उन्होंने अपने ड्राइवर राजेश पंवार और क्लीनर नूर खां को धर्मकांटे भोपाल के पास ट्रक खड़ा करने के लिए कहा था, जब अगले दिन फरियादी ट्रक लेने के लिये गए तो उन्हें ट्रक नहीं मिला। उन्होंने राजेश पंवार और नूर खां को फोन किया तो उनका फोन भी नहीं लगा। पुलिस थाना अशोका गार्डन ने फरियादी की शिकायत पर ट्रक ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ ट्रक चोरी किए जाने का अपराध पंजीबद्ध किया था। थाना मिसरोद पुलिस ने ट्रक लूटने के एक अन्य मामले में आरोपी आदेश खामरा को गिरफ्तार किया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी आदेश खामरा ने थाना अशोका गार्डन क्षेत्र से ड्राइवर राजेश पंवार और क्लीनर नूर खां की हत्या कर उनके शव चंदेरी और मुंगावली के जंगल में फेंकने और लूटे गए ट्रक को माल सहित बिहार प्रदेश में बेचना बताया था। आरोपियों के कबूलनामा के बाद थाना मिसरोद ने आरोपियों को थाना अशोका गार्डन के हवाले कर दिया था। थाना अशोका गार्डन ने आरोपी आदेश खामरा और उसके सहयोगी जयकरण प्रजापति के खिलाफ ड्राइवर राजेश पंवार और क्लीनर नूर खां की हत्या कर ट्रक लूटकर बेचने का पर भादंसं की धारा - 302, 365, 397, 201, 120 बी, 482 एवं 414 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना में घटनास्थल का नक्शा,पंचनामा व साक्ष्य संकलित किए गए। विवेचना अधिकारी ने प्रकरण की विवेचना के बाद जिला न्यायालय में आरोपी के खिलाफ अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

यात्रियों के सोने का इंतजार करता था बुजुर्ग

ट्रेन के एसी कोच में सोते यात्रियों का बैग चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार



जीआरपी रानी कमलापति ने ट्रेन के एसी कोच में यात्रियों के ट्रॉली बैग चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से करीब 3.86 लाख रुपए का सामान जब्त किया। आरोपी ट्रेन में सोते हुए यात्रियों को निशाना बनाता था और उनके बैग चुराकर ले जाता था। वह पूर्व में भी ट्रेनों में चोरी के चार प्रकरण दर्ज है। जीआरपी के अनुसार 19 सितंबर 2026 को ट्रेन नंबर 12853 अमरकंटक एक्सप्रेस के ए-2 कोच में अनूपपुर से भोपाल की यात्रा कर रहीं 33 साल की आरती तिवारी का ट्रॉली बैग चोरी हो गया। वह बर्थ नंबर-11 पर यात्रा कर रही थी और यात्रा के दौरान सो रही थी। इसी दौरान अज्ञात बदमाश बर्थ के नीचे रखा बैग लेकर फरार हो गया। बैग में ढाई तोले का सोने का मंगलसूत्र, कपड़े और अन्य सामान रखा था। जीआरपी रानी कमलापति ने विशेष टीम गठित की। जीआरपी ने सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद मुखबिर तंत्र सक्रिय किया।

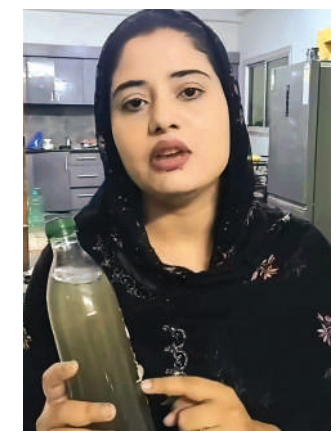
बर्थ के नीचे से चोरी कर लेता था ट्रॉली बैग

जीआरपी की पूछताछ में पता चला कि उसके खिलाफ जीआरपी जबलपुर में साल 2013 और 2024 में ट्रेन चोरी सहित चार प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी चलती ट्रेन के एसी कोच में यात्रियों के सोने का इंतजार करता था और बर्थ के नीचे रखा ट्रॉली बैग चोरी कर लेता था।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सुधारी पाइपलाइन

पार्षद ने दिखाई गंदे पानी की बोतल चार दिन बाद पहुंचा निगम अमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



कप्तान शादी हॉल के बगिया इलाके में में नगर निगम द्वारा गंदा पानी सप्लाई करने को लेकर सुधार कर दिया गया है। वार्ड-35 की पार्षद शीरीन खान ने निगम अफसरों को गंदे पानी को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन सुधार नहीं हुआ। पिछले चार दिनों से आ रहे गंदे पानी को लेकर जब अफसरों ने पार्षद की एक नहीं सुनीं, तब पार्षद ने सोशल मीडिया पर गंदे पानी की बोतल दिखाते हुए वीडियो पोस्ट कर दिया।

वीडियो वायरल होने के बाद निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर पाइपलाइन में सुधार कर दिया है। नगर निगम शहर में साफ पानी सप्लाई करने के लिए पाइप लाइनों के सुधार में जुटा है। जगह-जगह लीकेज होने की वजह से घरों में गंदा पानी पहुंच जाता है। पिछले दिनों वार्ड 22 में साफ पानी न आने की शिकायत पर निगम के जलकार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग सहित अन्य अमले ने क्षेत्र की लाईनों का निरीक्षण कर मरम्मत का काम कराया। जिसके बाद यहां साफ पानी आने लगा है। उनका कहना है कि वॉल में मरम्मत का काम होने की वजह से पाइपलाइन में गंदा पानी मिलकर जा रहा था, जिसमें सुधार कर दिया गया है।

बीस दिनों में नहीं आई गंदे पानी की रिपोर्ट

करोंद के वार्ड-78 स्थित राजीव कॉलोनी में सितंबर के शुरुआत हफ्ते में नलों से गंदा पानी की शिकायत मिली थी। जिसके बाद दस सितंबर को निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर आठ मकानों से पानी के सैंपल लिए, लेकिन बीस दिन गुजरने के बाद भी पानी की जांच रिपोर्ट आम लोगों को नहीं बताई गई है। इधर निगम कर्मचारी ने बिना रिपोर्ट दिखाए घरों में साफ पानी सप्लाई करने का पंचनामा भी बना लिया है। कर्मचारी का कहना है कि रिपोर्ट काम ऊपर के अफसर देखते हैं।

आईईएचई में एनसीसी रैंक सेरेमनी का आयोजन

एनसीसी कैडेट्स को प्रदान की गई नई रैंक अनुशासन, सेवा भावना का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



राजधानी स्थित इंस्टीट्यूशन फॉर एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन (आईईएचई) में गुरुवार को एनसीसी रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स को उनकी नई रैंक प्रदान कि गई। इस अवसर पर कैडेट्स ने अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रसेवा एवं समर्पण की भावना के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल रहे।

इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी एलिना अंसारी तथा एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शुरुआत एनसीसी गीत से हुई। वरिष्ठ अधिकारियों एवं फैकल्टी सदस्यों द्वारा कैडेट्स को रैंक बैज प्रदान किए गए। सीनियर अंडर ऑफिसर स्वाति जैन, युमित सेन और जया गुर्जर तथा कैडेट्स को रैंक प्रदान की गई।

एनसीसी से होगी टीम भावना विकसित

संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स को राष्ट्रहित एवं समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। एनसीसी अधिकारी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि रैंक केवल एक पद नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

भक्तों को पीला, सीताराम अंकित अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

ग्वालियर महानगर में नियमित संगीतमय प्रभात फेरी ने बीते दिवस सुखमय महा भ्रमण अभ्यान किया। इस महा भ्रमण अभियान की शुरुआत करह धाम पहुंचकर धाम की परिक्रमा में प्रभात फेरी निकालकर की।

इसके बाद में करह धाम के महामंडलेश्वर एवं पेठाधीश्वर स्वामी दीनबंधु महाराज का आशीर्वाद मिला, जिसमें स्वामी महाराज ने भक्तों का पीला और सीताराम नाम अंकित अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। यह जानकारी प्रभात फेरी प्रमुख उदयभान रजक ने दी। सभी के सम्मान के बाद राम भक्तों ने पूजनीय बाई महाराज के दर्शन किए। उसके बाद करह धाम महाराज ने सभी प्रभात फेरी राम भक्तों को प्रसादी की व्यवस्था कराई।

उदयभान रजक ने बताया कि इसके बाद प्रभात फेरी का अभियान शनिचरा पहुंचा, जहां शनि महाराज दर्शन के बाद आगे बढ़े और पहुंचे सुंदरतम एवं आस्था के केंद्र बटेश्वर धाम जहां के दर्शन के बाद सभी राम भक्तों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, उसके उसके बाद प्रभात फेरी भजन गाते हुए पहुंची।



मतदाता जागरुकता का बना नया रिकॉर्ड, सारिका ने सौंपी रिपोर्ट

भोपाल। 29 सितंबर को संपन्न हुए पंचायत उपनिर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए राज्य स्तर पर व्यापक मतदाता जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। राज्य निर्वाचन आयोग की ब्रांड एंबेसडर सारिका घारू द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान की विस्तृत रिपोर्ट गुरुवार को आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव को सौंपी गई, जिसमें मतदाताओं का जमीनी फीडबैक भी शामिल हैं। आयोग की अवर सचिव रीता डेहरिया ने फीड बैक के आधार पर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाता जागरूकता के लिए दिशा निर्देश दिए। इस बार मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ग्रामीण परिवेश को ध्यान में रखते हुए पपेट शो और पारंपरिक माध्यमों का उपयोग किया गया।

नवजात शिशु जांच जागरुकता माह का समापन

जन्म के तुरंत बाद जांच, समय पर इलाज से स्वस्थ रहेगा शिशु



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एम्स भोपाल ने नवजात शिशु जांच जागरुकता माह के समापन पर समापन समारोह आयोजित किया। मेडिकल जेनेटिक्स (आनुवंशिक रोग चिकित्सा) विभाग और दुर्लभ रोगों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने डॉक्टर्स फॉर यू की आस्था हेल्प डेस्क टीम के सहयोग से अलग-अलग तिथियों पर जागरुकता अभियान चलाए। अभियानों का उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को नवजात शिशु जांच का महत्व समझाना तथा जन्म के तुरंत बाद बीमारी की पहचान और इलाज के प्रति जागरुकता बढ़ाना था। डॉ. शिखा शर्मा ने माह भर की गतिविधियों की जानकारी दी और अभियानों की झलकियां दिखाई। सीओई की नोडल अधिकारी डॉ. भावना ढींगरा ने कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। समारोह के अंत में सीओई के सभी कर्मचारियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

भोजपुरी समाज का जितिया व्रत नहाए खाए के साथ होगा शुरू

भोपाल। भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि भोजपुरी समाज का तीन दिवसीय जितिया जीवित्पुत्रिका व्रत 2 अक्टूबर नहाए खाए के साथ शुरू होगा। इस दिन माताए स्नान करके सात्विक रूप से भोजन तैयार करती हैं, जिसमें पारंपरिक रूप से इस दिन नानी का साग मडुआ (रागी के आटे) की रोटी और तरोई के सब्जी खाते हैं। भोजपुरी एकता मंच के तत्वाधान में 3 अक्टूबर को सभी माताए शीतल दास के बगिया कमलापार्क घाट पहुंचकर स्नान के उपरांत राजा जिमूतवाहन के पूजा अर्चना के उपरांत कथा का श्रवण करेगी। 4 अक्टूबर को पारण होगा।

स्वच्छ भोपाल की पहल में एसबीआई ने बढ़ाया कदम

एसबीआई ने संभाली शाहपुरा झील की सफाई, लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

'स्वच्छता ही सेवा–2026' अभियान के तहत भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई) भोपाल मंडल ने शाहपुरा झील के समीप स्वच्छता अभियान चलाया। इस वर्ष अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रखी गई है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के साथ जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। अभियान में एसबीआई के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने शाहपुरा झील के आसपास सफाई कर एकत्रित कचरे को हटाया। साथ ही आमजन को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निस्तारण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर एसबीआई भोपाल मंडल के मंडल प्रमुख प्रभाष कुमार सुबुद्धि ने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार और दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब लोग स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर निरंतर प्रयास करें। एसबीआई सामाजिक जिम्मेदारियों के तहत ऐसे जनहितकारी अभियानों के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

4 हजार प्रतिनिधियों के सामने प्रोजेक्ट रखने की तैयारी

भोपाल की बड़ी परियोजनाओं की दिल्ली में होगी 'बड़ी पिच', जनवरी के प्रस्तावित दिल्ली कॉन्क्लेव पर नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी की बड़ी शहरी विकास परियोजनाओं को राष्ट्रीय रियल एस्टेट मंच तक पहुंचाने की तैयारी तेज हो गई है। कोलकाता में होने वाले क्रेडाई नेटकॉन 2026 में प्रस्तुति के स्लॉट उपलब्ध नहीं होने के बाद अब जनवरी 2027 में दिल्ली में प्रस्तावित क्रेडाई कॉन्क्लेव को भोपाल की परियोजनाओं के लिए संभावित बड़े मंच के रूप में देखा जा रहा है। क्रेडाई भोपाल ने भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) और नगर निगम भोपाल को आयोजन के लिए क्रेडाई नेशनल से समय रहते संपर्क और समन्वय करने का सुझाव दिया है।

क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक के अनुसार, बीडीए और नगर निगम ने अपनी प्रमुख परियोजनाओं को देशभर से आने वाले डेवलपर्स के सामने प्रस्तुत करने के लिए नेटकॉन में समय मांगा था। हालांकि, आवेदन पहुंचने तक सम्मेलन के प्रस्तुति स्लॉट भर चुके थे। इसके बाद दोनों संस्थाओं को दिल्ली में प्रस्तावित कॉन्क्लेव के लिए अग्रिम तैयारी और समन्वय की सलाह दी गई है। क्रेडाई नेशनल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनवरी 2027 के प्रस्तावित दिल्ली कॉन्क्लेव में करीब 4,000 क्रेडाई प्रतिनिधियों की भागीदारी की परिकल्पना है। प्रधानमंत्री को आमंत्रित किए जाने की जानकारी है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से उनकी उपस्थिति की पुष्टि अभी नहीं हुई है। वहीं, भोपाल की परियोजनाओं के प्रस्तुति स्लॉट भी फिलहाल तय नहीं हैं। ऐसे में दिल्ली आयोजन को अभी संभावित अवसर के रूप में ही देखा जा रहा है।

पांच शहरों के पदाधिकारी जाएंगे कोलकाता

क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक 2 अक्टूबर को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर के क्रेडाई चैप्टरों के पदाधिकारियों के साथ कोलकाता जाएंगे। 2 से 4 अक्टूबर तक आईटीसी रॉयल बंगाल में क्रेडाई नेटकॉन 2026 आयोजित होगा। यह नेटकॉन का 24वां संस्करण है और इसका विषय 'द इंडियन रियल एस्टेट डायलॉग' है। सम्मेलन में रियल एस्टेट की अगली विकास संभावनाओं, परियोजनाओं के वित्तपोषण, बाजार, आवास वित्त, तकनीक पर चर्चा होगी।



हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930